ANNUAL REPORT | 2021-22

ANNUAL REPORT | 2021-22

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL
(An Institute of National Importance, Ministry of Education, Govt. of India)

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL
(An Institute of National Importance, Ministry of Education, Govt. of India)

अनुक्रमणिका

क्र.	सूचना	विवरण
01	निदेशक की कलम से	01
02	परिचय	02
03	शासी मण्डल	03
04	वित्त समिति	04
05	भवन एवं निर्माण समिति	04
06	अभिषद	05
07	संस्थान के पदाधिकारी	07
08	विभाग प्रमुख एवं केन्द्र प्रभारी	08
09	प्रशासनिक पदाधिकारी	09
10	शैक्षणिक कार्यक्रम	10
11	आयोजन – संस्थान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम	18
12	संस्थान के संसाधन	
	पुस्तकालय	19
	भू–सूचना विज्ञान केन्द्र	21
	जी.आई.एस. प्रयोगशाला	21
	सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र (सी.सी.के.एस.)	22
	मानव केन्द्रित अनुसंधान केन्द्र (सी.एच.सी.आर.)	22
13	संस्थान की प्रयोगशालाएँ	
	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	23
	सर्वेक्षण प्रयोगशाला	24
	ग्राफिक्स प्रयोगशाला	24
	वास्तुकला कार्यशाला	24
14	अनुसंधान और परामर्श	25
15	प्रशिक्षण एवं प्रस्थापना प्रकोष्ठ	27
16	छात्र गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ	28
17	संकाय की शैक्षणिक गतिविधियाँ	
	पुस्तकें	31
	जर्नल पेपर्स	31
	पुस्तक अध्याय	32
	कान्फ्रेंस पेपर	32
	अन्य संस्थानों/संगठनों में संकाय सदस्यों का प्रतिनिधित्व/समितियां/अनुदान/पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां आदि	33
	अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर पर पेपर प्रस्तुति/आमंत्रित व्याख्यान	33

	संकाय द्वारा सम्मेलन/सेमीनार/कार्यशालाएं/जर्नल पत्रों/पुस्तकों आदि की समीक्षा	34
	संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम	34
18	विभागीय गतिविधियाँ	
	वास्तुकला विभाग	35
	संरक्षण विभाग	38
	भूपरिदृश्य विभाग	41
	नगर अभिकल्पना विभाग	43
	अभिकल्प विभाग	45
	पर्यावरण योजना विभाग	48
	नगर एवं क्षेत्रीय योजना विभाग	52
	परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन विभाग	55

निदेशक संदेश

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान है जो योजना, वास्तुकला और अभिकल्प के क्षेत्र में निरंतर उच्च शिक्षा प्रदान करता आ रहा है। एस.पी.ए. भोपाल दीर्घकालिक योजना, अभिनव डिजाइन और तकनीकी समाधानों के माध्यम से निर्मित पर्यावरण से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने में योगदान देने के लिए लगातार प्रयासरत है। मेरे द्वारा संस्थान प्रमुख की ओर से, वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए यह वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना हर्ष एवं सम्मान का विषय है।

वित्तीय वर्ष के दौरान, संस्थान भविष्य के पेशेवरों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उत्कृष्ट प्रगति करने में सफल रहा है। महामारी की स्थिति के बावजूद, संस्थान ने 20 नवम्बर, 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आठवे दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया एवं संस्थान की अकादमिक गतिवधियां जनवरी 2022 से भौतिक रूप से प्रारंभ कर दी गईं। यह गर्व का विषय है कि आज एस.पी.ए. भोपाल विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों जैसे नगर एवं क्षेत्रीय योजना, पर्यावरण योजना, परिवहन योजना, भूपरिदृश्य वास्तुकला, संरक्षण, नगर अभिकल्पना, अभिकल्प आदि में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

संकाय सदस्य समीक्षित पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों और विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। महामारी की स्थिति के दौरान, हमारे सभी संकाय सदस्यों ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की। इसके अतिरिक्त, हमारे संकाय सदस्य विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं में भी कार्यरत् हैं।

संस्थान ने छात्रों, पेशेवरों और अधिकारियों के लिए कई विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं, वेबिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, एन.आई.डी.एम. एवं टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ऑर्गनाइजेशन के समन्वयन से हमारे संस्थान ने मध्य प्रदेश के अधिकारियों के लिए शहरी रेज्यीलेंट पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (पी.डी.पी.) भी आयोजित किए हैं। कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा के ज्ञान, प्रचार और उपयोग को बढ़ावा देने के लिये हमने हिंदी पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की।

संस्थान को सूचित करते हुए गर्व हो रहा है कि वर्तमान में हमारे पास यूएन–हैबिटेट, जीआईजेड (जर्मनी), एनआईटीटीआर भोपाल, एनआईडी भोपाल, आईआईएसईआर भोपाल, मध्य प्रदेश राज्य बांस मिशन, मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी आदि जैसे उच्च प्रतिष्ठित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ संयुक्त सहयोग हैं। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पंचायती राज मंत्रालय ने ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानिक योजना स्थापित करने के लिए एस.पी.ए. भोपाल को राष्ट्रीय केंद्र के रूप में चिन्हित किया है। हमने हाल ही में भारत सरकार की एक पहल, डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डी.आई.सी.) के तहत पेटेंट के लिए आवेदन किया है। साथ ही बहुत जल्द, एस.पी.ए. भोपाल पेटेंट के लिए एक संस्थान बनने के लिए खुद को पंजीकृत करवाएगा।

हम मध्य प्रदेश राज्य में कई परियोजनाओं जैसे कि विभिन्न योजना कानूनों, मास्टर प्लान, स्मार्ट सिटी कार्यक्रमों और महानगरों की समीक्षा में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। हम मध्यप्रदेश राज्य जैव–विविधता बोर्ड के सहयोग से भोपाल में जैव–विविधता पार्क (मध्य प्रदेश राज्य में अपनी तरह का पहला) स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, इस बात पर भी हम गर्व महसूस करते हैं कि हम सामाजिक रूप से जिम्मेदार विभिन्न गतिविधियों में स्वयं को शामिल करने के लिए प्रयासरत हैं।

संस्थान को यह सूचित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि विगत वर्ष में, संस्थान ने अपने बुनियादी ढांचे को सफलतापूर्वक बढ़ाया है। दीर्घकाल से लंबित, शैक्षणिक भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा, हमने अपने परिसर में जल संचयन, सौर ऊर्जा एकीकरण, इलेक्ट्रिक साइकिल उपयोग आदि के माध्यम से कई हरित पहल भी शुरू की हैं।

विभिन्न नए शैक्षणिक कार्यक्रम प्रक्रिया में हैं। हम अपने पाठ्यक्रम में नवीनतम तकनीकों को प्रभावी ढंग से उपयोग एवं एकीकृत करने में प्रयासरत हैं। हमारा संस्थान योजना और वास्तुकला के क्षेत्र में विषय विशेषज्ञों का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रो. चंद्र चारू त्रिपाठी
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

परिचय

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एस.पी.ए.) भोपाल, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2008 में स्थापित एक स्वायत्त संस्थान है। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय अधिनियम, 2014 के तहत, संस्थान को 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' घोषित किया गया है। संस्थान, वर्तमान में भोपाल, मध्य प्रदेश के अपने स्थायी परिसर में संचालित है।

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल वास्तुकला अध्ययन एवं मानवीय आवासों की योजना में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अधिकृत किया गया है। संस्थान पर्यावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए भविष्य के पेशेवरों को प्रशिक्षित करने एवं उन्हें आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर की अकादमी के रूप में उभरने की इच्छा रखता है, जिसका अकादमिक पोर्टफोलियो, अनुसंधान एजेंडा और शैक्षिक मॉडल मानव बस्तियों की परिवर्तित आवश्यकताओं के साथ संरेखित है एवं आत्मनिर्भर तरीके से मानव बस्तियों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए वास्तुकारों, योजनाकारों और डिजाइनरों के प्रशिक्षित पूल को स्थापित करने हेतु एक अद्वितीय पहचान स्थापित करने के लिए निर्धारित है।

एस.पी.ए. भोपाल लगातार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के साथ अनुसंधान और परामर्श कार्य का संचालन एवं विभिन्न सहायता केंद्रों को विकसित करने में प्रयासरत है। इसके अलावा, विषय में संकाय सदस्यों की उच्चतम क्षमताओं को विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ संयुक्त सहयोग के माध्यम से, एस. पी.ए. भोपाल विश्व स्तर पर योगदान करने की ओर प्रयत्नशील है।

संस्थान, स्थापना के बाद निरंतर विकास की ओर अग्रसर है विकास के इस क्रम में निम्नलिखित निदेशकों ने समय–समय पर नेतृत्व किया :

1.	प्रो. चंद्र चारू त्रिपाठी निदेशक, एन.आई.टी.टी.आर. भोपाल (अतिरिक्त प्रभार)	(24 जुलाई 2022 – वर्तमान)
2.	प्रो. एन. श्रीधरन	(24 जुलाई 2017 – 23 जुलाई 2022)
3.	प्रो. चेतन वैद्य, निदेशक, एस.पी.ए. दिल्ली (अतिरिक्त प्रभार)	(26 अक्टूबर 2015 – 24 जुलाई 2017)
4.	प्रो. वी. के. सिंह, निदेशक, आई.आई.एस.ई.आर.भोपाल (अतिरिक्त प्रभार)	(28 जुलाई 2014 – 25 अक्टूबर 2015)
5.	प्रो. अजय खरे	(29 जुलाई 2009 – 28 जुलाई 2014)
6.	प्रो. वी. के. सिंह, निदेशक, आई.आई.एस.ई.आर.भोपाल (अतिरिक्त प्रभार)	(अक्टूबर 2008 – जुलाई 2009)

शासी मण्डल

अध्यक्ष–शासी मण्डल

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल

सुश्री सौम्या गुप्ता
संयुक्त सचिव (एन.आई.टी.)
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली
(एम.ओ.यू. नामिनि)

सुश्री डी. थारा
संयुक्त सचिव (ए.एम.आर.यू.टी.)
आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली
(एम.ओ.यू. एवं एच.ए. नामिनि)

श्री मुकेश चंद गुप्ता
आई.ए.एस.
प्रधान सचिव
तकनीकी शिक्षा विभाग
मध्यप्रदेश शासन

श्रीमती दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

श्री प्रदीप कपूर
प्रधान सचिव
इंन्स्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया
नई दिल्ली
(आई.टी.पी.आई. प्रतिनिधि)

श्री आशुतोष अग्रवाल
वास्तुकार एवं शहरी अभिकल्पनाकार
नई दिल्ली
(ए.आई.सी.टी.ई., प्रतिनिधि)

प्रो. नटराज क्रांति
नगर एवं क्षेत्रीय योजना विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल
(अभिषद प्रतिनिधि)

श्री अरविंद अहिरवार
अतिरिक्त निदेशक
तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़ शासन
रायपुर
(सी.ओ.ए. प्रतिनिधि)

श्री शाजू वर्गीज़
कुलसचिव एवं सचिव
शासी मंडल
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

डॉ. पियूष हजेला
वास्तुकला विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
(अभिषद प्रतिनिधि)

यू.जी.सी. प्रतिनिधि
(रिक्त)

विशेषज्ञ
(वास्तुकला/भूपरिदृश्य
वास्तुकला/नगर अभिकल्पना) योजना
एवं वास्तुकला परिषद

विशेषज्ञ
(नगर एवं क्षेत्रीय योजना) योजना
एवं वास्तुकला परिषद

वित्त समिति

अध्यक्ष–शासी मण्डल

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

श्री प्रदीप कपूर
प्रधान सचिव
इंन्स्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया
नई दिल्ली
(आई.टी.पी.आई. प्रतिनिधि)

श्रीमति दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

सुश्री सौम्या गुप्ता
संयुक्त सचिव (एन.आई.टी.)
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली
(एम.ओ.यू. नामिनि)

श्री आशुतोष अग्रवाल
वास्तुकार एवं शहरी अभिकल्पनाकार
नई दिल्ली

श्री शाजु वर्गीज़
सचिव–वित्त समिति एवं कुलसचिव
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

भवन एवं निर्माण समिति

प्रो. एन. श्रीधरन
अध्यक्ष–भवन एवं निर्माण समिति
निदेशक – योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

श्री प्रशांत अग्रवाल
निदेशक आई.आई.टी.
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

श्री प्रदीप कपूर
प्रधान सचिव
इंन्स्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया, (आई.टी.पी.आई.) नई दिल्ली, (बी.ओ.जी.नामिनि)

प्रो. ऐ. के. जैन
सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी
शिक्षा, एन.आई.टी.टी.टी.आर.
भोपाल
विशेषज्ञ (सिविल अभियांत्रिकी विंग)

अधीक्षण अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
सी.पी.डब्ल्यू.डी., भोपाल क्षेत्र

प्रो. संजीव सिंह
संकायाध्यक्ष
(योजना एवं विकास)
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

श्री शाजु वर्गीज़
सचिव–भवन एवं निर्माण समिति एवं कुलसचिव
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

अभिषद

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
अध्यक्ष–अभिषद (पदेन)

प्रो. विजय एस. कापसे
वास्तुकला एवं योजना विभाग
वी.एन.आई.टी. नागपुर
(आई.टी.पी.आई. नामिनि)

आर्कि. डीन. डी. क्रूज़
मोजियाक 1, डिज़ाइन गोवा
(सी.ओ.ए. नामिनि)

आर्कि. सोहन लाल सहारन
वास्तुकला विभाग, चंडीगढ़
वास्तुकला महाविद्यालय, चंडीगढ़
(ए.आई.सी.टी.ई. नामिनि)

प्रो. एन.आर. मण्डल
संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

डॉ. अजय कुमार विनोदिया
संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं संकाय कल्याण), योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

प्रो. संजीव सिंह
संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास)
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

प्रो. नटराज क्रांति
विभागाध्यक्ष, परिवहन योजना एवं लाजिस्टिक्स प्रबंधन विभाग एवं नगर एवं क्षेत्रीय योजना विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

डॉ. पियूष हजेला
विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल

डॉ. रमा उमेश पाण्डे
विभागाध्यक्ष, पर्यावरण योजना विभाग योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

डॉ. विशाखा कवठेकर
विभागाध्यक्ष, संरक्षण विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल

डॉ. आनंद वाडवेकर
विभागाध्यक्ष, नगर अभिकल्पना विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

प्रो. अजय खरे
प्राध्यापक, संरक्षण विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल

प्रो. रचना खरे
प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

प्रो. बिनायक चौधुरी
प्राध्यापक, नगर एवं क्षेत्रीय योजना
विभाग, योजना एवं वास्तुकला
विद्यालय, भोपाल

आर्कि. रमेश पी. भोले
सहायक प्राध्यापक
संरक्षण विभाग, योजना एवं
वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
(प्रतिनिधि–सहायक प्राध्यापक)

डॉ. सुकान्ता मजूमदार
सहायक प्राध्यापक, अभिकल्प विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल
(प्रतिनिधि–सहायक प्राध्यापक)

श्री शाजू वर्गीज़
सचिव–अभिषद एवं कुलसचिव
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

संस्थान के पदाधिकारी

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक

श्री शाजु वर्गीज़
कुलसचिव

प्रो. संजीव सिंह
संकायाध्यक्ष – योजना एवं विकास

प्रो. एन. आर. मण्डल
संकायाध्यक्ष – शैक्षणिक

डॉ. अजय कुमार विनोदिया
संकायाध्यक्ष – अनुसंधान एवं संकाय कल्याण
संकायाध्यक्ष – छात्र मामले

प्रो. बिनायक चौधुरी
मुख्य सतर्कता अधिकारी (अंतरिम)

विभाग प्रमुख एवं केन्द्र प्रभारी

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
प्रमुख, अभिकल्प विभाग एवं भूपरिदृश्य विभाग

प्रो. नटराज क्रांति
विभागाध्यक्ष, परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन
प्रमुख, नगर एवं क्षेत्रीय योजना विभाग, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

डॉ. पियूष हजेला
विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

डॉ. विशाखा कवठेकर
विभागाध्यक्ष, संरक्षण विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

डॉ. रमा उमेश पाण्डे
विभागाध्यक्ष, पर्यावरण योजना विभाग,
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय,
भोपाल

डॉ. आनंद वाडवेकर
विभागाध्यक्ष, नगर अभिकल्पना विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय,
भोपाल

डॉ. संदीप संकट
समन्वयक
केन्द्रीय मानव अनुसंधान केन्द्र योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल

आर्कि. रमेश पी. भोले
समन्वयक, सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

डॉ. काकोली साहा
समन्वयक, भू सूचना विज्ञान केन्द्र
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
भोपाल

प्रशासनिक पदाधिकारी

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक

श्री शाजु वर्गीज़
कुलसचिव

डॉ. मुकेश पाठक
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री धीरेन्द्र कुमार पधान
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री मनीष विनायक झोकरकर
सहायक कुलसचिव
(प्रशासन)

श्री अमित खरे
सहायक कुलसचिव
(प्रवेश एवं परीक्षा)

श्रीमती दीपाली बागची
सहायक कुलसचिव
(शैक्षणिक)

शैक्षणिक कार्यक्रम

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में वर्तमान में आठ विभागों के माध्यम से नौ शैक्षणिक कार्यक्रम (दो स्नातक स्तर एवं सात स्नातकोत्तर) संचालित किये जा रहे हैं। इसके अलावा, संस्थान में डॉक्टोरेट कार्यक्रम भी संचालित है। वर्ष 2021–22 के दौरान, कुल 134 छात्रों को स्नातक कार्यक्रमों में और 160 छात्रों को स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया। स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रों को दिए जाने वाले कार्यक्रमों और उनके नामांकन की जानकारी निम्नलिखित है।

अ. स्नातकः

1. वास्तुकला स्नातक (बी.आर्क.)
2. योजना स्नातक (बी.प्लान)

ब. परास्नातकः

1. योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना)–एम.प्लान (यू.आर.पी.)
2. योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना)–एम.प्लान (ई.पी.)
3. योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन)–एम.प्लान (टी.पी.एल.एम.)
4. वास्तुकला परास्नातक (भूपरिदृश्य)–एम.आर्क. (लेण्डस्केप)
5. वास्तुकला परास्नातक (संरक्षण)–एम.आर्क. (कन्जर्वेशन)
6. वास्तुकला परास्नातक (नगर अभिकल्पना)–एम. आर्क. (अर्बन डिज़ाइन)
7. अभिकल्प परास्नातक–एम. डेस.

छात्रों का कुल पंजीयन

कार्यक्रम का नाम	पंजीयत छात्र	बालिका छात्र	बालक छात्र
बी. आर्क.	430	220	210
बी. प्लान	129	57	72
एम. प्लान (यू.आर.पी.)	72	39	33
एम. प्लान (ई.पी.)	43	26	17
एम.प्लान (टी.पी.एल.एम.)	43	24	19
एम.आर्क (भूपरिदृश्य)	40	30	10
एम. आर्क. (संरक्षण)	39	30	9
एम. आर्क (नगर अभिकल्पना)	42	25	17
एम. डिज़ाइन	40	17	23
कुल योग	**878**	**468**	**410**

छात्र जनसंख्या का भूगोल

भौगोलिकी	प्रतिशत
उत्तर पूर्वी	2.78
पूर्वी भारत	13.56
पश्चिमी भारत	16.01
मध्य भारत	12.48
उत्तर भारत	29.38
केन्द्र शासित प्रदेश	0.89
दक्षिण भारत	24.12
विदेश	0.78
कुल	100

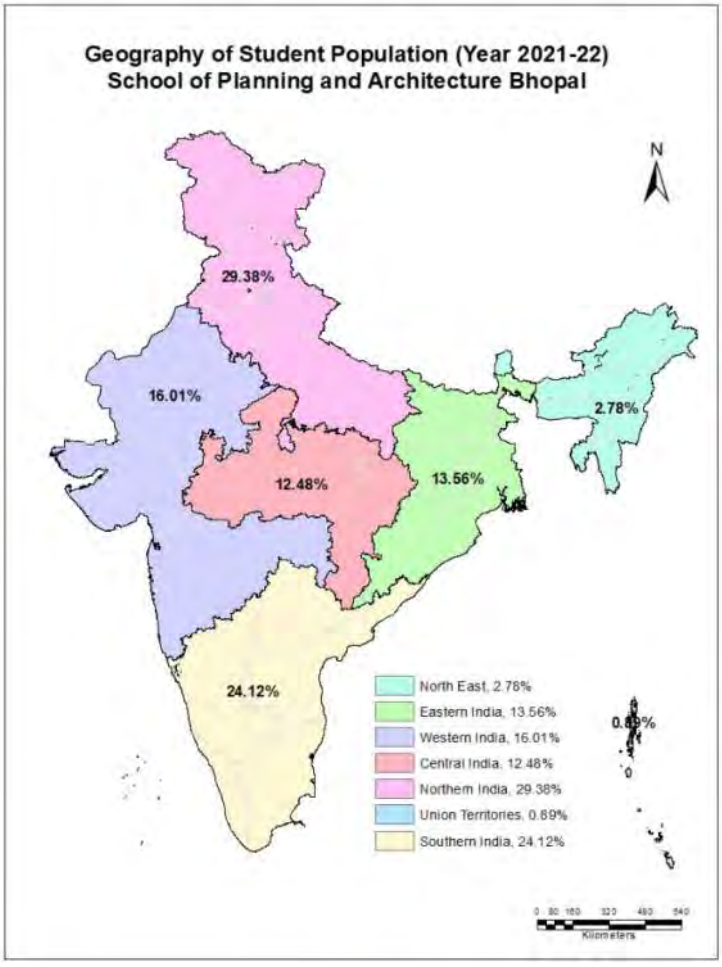

स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम : श्रेणीवार आरक्षण

कार्यक्रम	सामान्य	ई.डब्ल्यू.एस.	अन्य पि.व.	अ.ज.	अ.जा.ज.	कुल
बी. आर्क	195	28	116	60	31	430
बी. प्लान	51	8	39	21	10	129
एम. प्लान (यू.आर.पी.)	30	8	19	10	5	72
एम. प्लान (ई.पी.)	23	0	10	8	2	43
एम. प्लान (टी.पी.एल.एम)	20	4	12	5	2	43
एम. आर्क (भूपरिदृश्य)	24	1	12	3	0	40
एम. आर्क (संरक्षण)	24	4	6	4	1	39
एम.आर्क. (नगर अभिकल्पना)	18	3	14	5	2	42
एम. डेस	18	2	13	5	2	40
कुल योग	403	58	241	121	55	878

छात्रवृत्ति एवं अनुदान की संख्या

छात्रवृत्ति का नाम	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति	अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवत्ति	मुख्य मंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना, मध्य प्रदेश	अन्य राज्य	गेट	आई.सी.एस.एस. आर. फेलोशिप	अन्य
अनुदायी की संख्या	26	05	10	04	176	01	36

शिक्षक : छात्र अनुपात

अध्ययन के विषय	शिक्षकों की संख्या	छात्रों की संख्या	शिक्षक : छात्र अनुपात
वास्तुकला (स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम)	38	551	1:14.5
योजना (स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम)	22	287	1:13.95
डिज़ाइन (परास्नातक कार्यक्रम)	4	40	1: 10

पी.एच.डी. विद्वान : श्रेणीवार आरक्षण

कार्यक्रम	सामान्य	ई.डब्ल्यू.एस.	अन्य पि.व.	पी.डब्ल्यू.डी.	अ.ज.	अ.जा.ज.	कुल
पी.एच.डी. विद्वान	29	0	3	0	2	0	33

संकाय एवं कर्मचारी का भौगोलिक विशेलेषण (लिंगवार)

क्र.	लिंग	शैक्षणिक कर्मचारी	गैर शैक्षणिक कर्मचारी	कुल कर्मचारी
1	पुरूष	37	39	76
2	महिला	19	12	31
	कुल	56	51	107
	महिला प्रतिशत	33.92	23.52	28.97

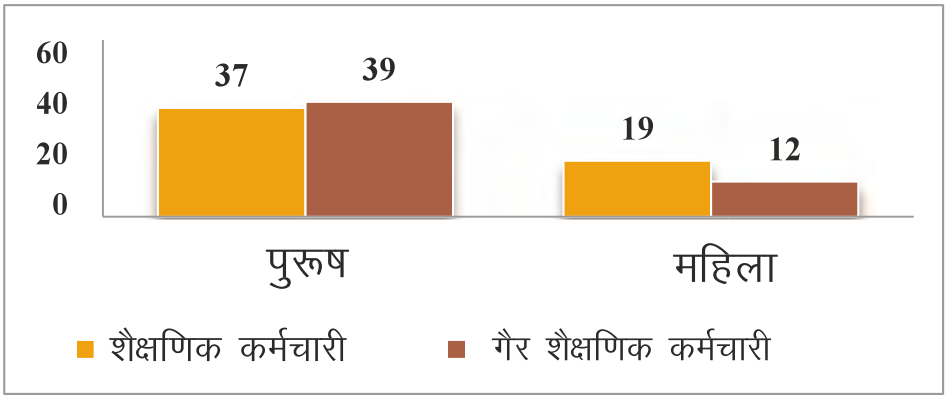

शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का आरक्षण श्रेणीवार विवरण

श्रेणी	अ.जा.	अ.ज.जा.	अन्य पि.वर्ग	ई.डब्ल्यू.एस.	सामान्य	कुल
संख्या	8	2	10	2	85	107

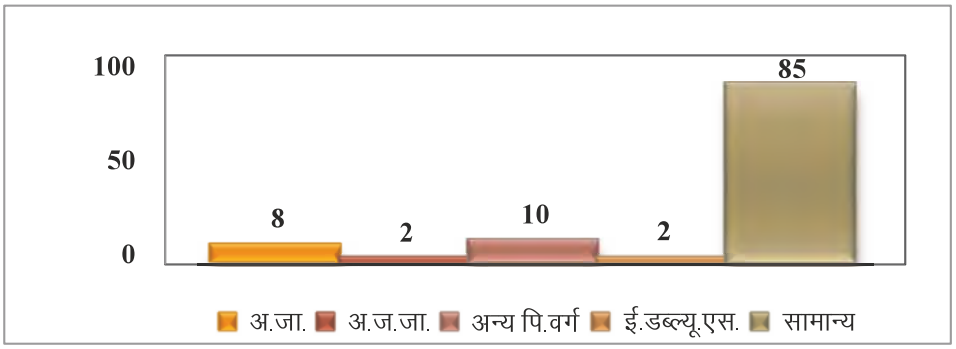

आरक्षण नीति

संस्थान भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया में भारत सरकार की आरक्षण नीति को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त वर्ष 2021–2022 में स्थायी पदों की कोई भर्ती नहीं की गई थी। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल, जून 2023 तक मिशन मोड के तहत स्थायी पदों के लिए अपना भर्ती प्रक्रिया पूरा करेगा। 23 जुलाई 2022 को नियमित निदेशक के कार्यकाल की समाप्ति के बाद संस्थान का नेतृत्व का कार्यभार वर्तमान में निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) के पास है।

दीक्षांत समारोह

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल का 8 वां दीक्षांत समारोह 20 नवंबर 2021 को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह वस्तुतः ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके आयोजित किया गया था। संस्थान के शासी मण्डल के अध्यक्ष ने स्नातक, स्नातकोत्तर और पी. एचडी की डिग्री प्रदान करने हेतु दीक्षांत समारोह प्रारंभ करने की घोषणा की। निदेशक, प्रो. एन. श्रीधरन ने एस.पी.ए. भोपाल की गतिविधियों और उपलब्धियों सहित संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और स्वागत भाषण दिया। संबंधित विभागाध्यक्षों ने डिग्री प्राप्तकर्ताओं को उनके संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करने के लिये प्रस्तुत किया एवं प्रो. एन. श्रीधरन, निदेशक एवं अध्यक्ष सीनेट ने स्नातकों को डिग्री प्रदान की।

संस्थान के कुलसचिव श्री शाजू वर्गीज़ ने 'डिग्री का रिकॉर्ड' अध्यक्ष, शासी मण्डल के समक्ष प्रस्तुत किया। सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं को दीक्षांत समारोह की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इन्सटीटयूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट (आईआईएचएस) के निदेशक प्रो. अरोमर रेवी ने विभिन्न विषयों के स्नातकों को संबोधित करते हुए दीक्षांत भाषण दिया।

इस अवसर पर स्नातक छात्रों को 213 डिग्री प्रदान की गईं जिनमें 71 बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, 18 बैचलर ऑफ प्लानिंग, 12 मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (संरक्षण), 15 मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (भूपरिदृश्य), 17 मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (नगर अभिकल्पना), 17 मास्टर प्लानिंग (पर्यावरण योजना), 18 मास्टर ऑफ प्लानिंग (परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन), 26 मास्टर ऑफ प्लानिंग (शहरी और क्षेत्रीय योजना), 17 मास्टर ऑफ डिजाइन, और 2 विद्या वाचस्पति की डिग्री शामिल है। समारोह में 2 उत्कृष्टता पदक, 9 प्रवीणता स्वर्ण पदक और 9 सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी अतिथि, संकाय, कर्मचारी और छात्र यू ट्यूब लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्थापना दिवस

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में स्थापना दिवस व्याख्यान का आयोजन 18 एवं 19 नवम्बर 2021 को किया गया था। इस अवसर पर प्रख्यात विशेषज्ञ– प्रो. अमरेश्वर गाला, आर. पार्थ रंजन दास, प्रो. बी.के. चक्रवर्ती और प्रो. शिवानंद स्वामी ने ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

स्टूडियो

क्रमांक	विभाग	स्टूडियो शीर्षक
1	बी. आर्क –सेम 4	आंशिक आवासीय सुविधा के साथ प्री–प्राइमरी और प्राइमरी स्कूल
2	बी. आर्क –सेम 4	आंशिक आवासीय सुविधा के साथ प्री–प्राइमरी और प्राइमरी स्कूल
3	बी. आर्क –सेम 6	सेक्शन : मास हाउसिंग, सेक्शन : – मल्टी–स्टोरी हाउसिंग कैंपस का डिजाइन
4	बी. आर्क –सेम 6	सेक्शन ए मास हाउसिंग, सेक्शन बी – मल्टी–स्टोरी हाउसिंग कैंपस का डिजाइन
5	बी. आर्क –सेम 8	वास्तु संगठनों में इंटरशिप।
6	बी. आर्क –सेम 8	वास्तु संगठनों में इंटरशिप
7	बी. आर्क –सेम 10	थीसिस
8	बी. आर्क –सेम 10	थीसिस
9	बी. प्लान –सेम 6	योजना स्टूडियो VI – शहरी नियोजन बी.प्लान 0611 मास्टर प्लान उज्जैन, मध्य प्रदेशः निर्मल उन्नत उज्जैन
10	बी. प्लान –सेम 7	खंड ए – 100 बिस्तरों वाले मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल / 5 सितारा लक्जरी होटल का डिजाइन
11	एम. आर्क (संरक्षण) –सेम 1	मोती मस्जिद भोपाल मध्य प्रदेश के प्रबंधन के लिए प्रलेखन और संरक्षण के उपाय
12	एम. आर्क (संरक्षण) –सेम 2	सिहोर शहर, म.प्र. की विरासत को फिर से खोजना। गंज, कस्बा और छावनी के ऐतिहासिक क्षेत्रों और इसकी चुनौतियों में शहर की सांस्कृतिक विरासत का मानचित्रण
13	एम. आर्क (संरक्षण) –सेम 3	कृष्णामाई नदी का सांस्कृतिक क्षेत्र। मानव निवास के लिए कृष्णा नदी बेसिन का अध्ययन, वास्तुकला विरासत, चुनौतियों के साथ ज्ञान प्रणाली और विरासत की सुरक्षा के लिए संरक्षण नीति।
14	एम. आर्क (संरक्षण) –सेम 4	थीसिस
15	एम. आर्क (भूपरिदृश्य) –सेम 1	लैंडस्केप पैटन 2. मौजूदा लैंडस्केप और विरासत स्थलों के निर्मित पर्यावरण को समझना
16	एम. आर्क (भूपरिदृश्य) –सेम 2	1.औद्योगिक परिदृश्यः पुनः सोच औद्योगिक परिदृश्य प्रबंधनः हमारे औद्योगिक क्षेत्रों के टिकाऊ, गुणात्मक और समावेशी भविष्य की ओर 2.स्थान बनानाः सार्वजनिक खुले स्थान का लैंडस्केप डिजाइनः डिजाइन के माध्यम से चर्चा
17	एम. आर्क (भूपरिदृश्य) –सेम 3	1. वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर डिजाइन 2. भारतीय शहरों का लैंडस्केप मास्टरप्लान 2050
18	एम. आर्क (भूपरिदृश्य) –सेम 4	थीसिस
19	एम.आर्क. (नगर अभिकल्पना) –सेम 4	थीसिस
20	एम. प्लान (ई.पी.) –सेम 1	एम.प्लान इंटीग्रेटेड सेमेस्टर स्टूडियोः (I) शहरी पड़ोस प्रशंसा (II)ग्रामीण क्षेत्र प्रशंसा (III) शहरों के भविष्य के प्रूफिंग के लिए सिटी रीजन और इसके विभिन्न प्रतिमानों को पढ़ना
21	एम. प्लान (ई.पी.) –सेम 2	पर्यावरण के प्रति संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्र के लिए सतत पर्यावरण योजना– नीलगिरि जिला
22	एम. प्लान (ई.पी.) –सेम 3	प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना – पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली और आजीविका सृजन – 2051: अमरकंटक, मध्य प्रदेश
23	एम. प्लान (ई.पी.) –सेम 4	थीसिस
24	एम. प्लान (टी.पी.एल.एम) –सेम 1	एम प्लान एकीकृत सेमेस्टर स्टूडियोः (I) शहरी पड़ोस प्रशंसा (II) ग्रामीण क्षेत्र प्रशंसा (III) शहरों के भविष्य की प्रूफिंग के लिए सिटी रीजन और इसके विभिन्न प्रतिमानों को पढ़ना

25	एम. प्लान (टी.पी.एल.एम) –सेम 2	1. लोकल एरिया सर्कुलेशन प्लान 2. रायपुर के लिए व्यापक गतिशीलता योजना
26	एम. प्लान (टी.पी.एल.एम) –सेम 3	भोपाल के लिए शहरी माल ढुलाई प्रबंधन योजना
27	एम. प्लान (टी.पी.एल.एम) –सेम 4	थीसिस
28	एम. प्लान (टी.पी.एल.एम) –सेम 1	एम प्लान एकीकृत सेमेस्टर स्टूडियोः (I) शहरी पड़ोस प्रशंसा (II) ग्रामीण क्षेत्र प्रशंसा (III) शहरों के भविष्य के प्रूफिंग के लिए सिटी रीजन और इसके विभिन्न प्रतिमानों को पढ़ना
29	एम. प्लान (यू.आर.पी.) –सेम 3	दिल्ली मास्टर प्लान 2041 का मूल्यांकन
30	एम. प्लान (यू.आर.पी.) –सेम 2	वाराणसी क्षेत्रीय योजना 2022–2042
31	एम. प्लान (यू.आर.पी.) –सेम 4	थीसिस
32	एम.डेस –सेम 1	परियोजना 1 और कार्यशालाएंः उत्पाद डिजाइन, इंटरेक्शन डिजाइन, विजुअल कम्युनिकेशन और सिस्टम डिजाइन के क्षेत्र में एक स्व–आरंभिक शोध
33	एम.डेस –सेम 2	परियोजना 2: उत्पाद डिजाइन, अंतः क्रियात्मक डिजाइन, दृश्य संचार, सेवा डिजाइन और सिस्टम डिजाइन के क्षेत्र में स्व–आरंभिक अनुसंधान
34	एम.डेस –सेम 3	परियोजा 3: उत्पाद डिजाइन, इंटरेक्शन डिजाइन, विजुअल कम्युनिकेशन, सर्विस डिजाइन और सिस्टम डिजाइन के क्षेत्र में स्व–आरंभिक अनुसंधान
35	एम.डेस –सेम 4	परियोजना 4 अंतिम थीसिसः उत्पाद डिजाइन, इंटरैक्शन डिजाइन, दृश्य संचार, सेवा डिजाइन और सिस्टम डिजाइन क क्षेत्र में एक स्व–आरंभिक शोध

सहयोगी स्टूडियो

एम.यू.आर.पी. 3 सेमेस्टरः दिल्ली मास्टर प्लान 2041 का मूल्यांकन
संकाय समन्वयकः डॉ शिउली मित्रा, सुश्री अपर्णा सोनी, श्री विभोर बख्शी
जुलाई – दिसंबर 2021

एमयूआरपी कार्यक्रम के तीसरे सेमेस्टर स्टूडियो का उद्देश्य छात्रों को शहरी नियोजन तकनीकों में प्रशिक्षित करना है। चल रही महामारी के कारण, चूंकि स्टूडियो ऑनलाइन मोड में संचालित किया गया था और कोई साइट विजिट

आयोजन

संस्थान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमः

स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान ने बड़े उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस मनाया। एस.पी.ए. भोपाल के निदेशक ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों की सभा को संबोधित किया। अपने प्रेरक भाषण में उन्होंने एस.पी.ए. भोपाल परिवार के सभी सदस्यों से इस संस्थान को और ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों को बनाए रखने का आह्वान किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

एस.पी.ए. भोपाल में दिनांक 27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2021 के मध्य सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। उक्त आयोजन में से 27 अक्टूबर, 2021 को संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने सतर्कता प्रतिज्ञा ली। वर्ष 2021 के सतर्कता सप्ताह के विषय पर प्रकाश डालने वाले बैनर, 'स्वतंत्र भारत @ 75 सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भता' को संस्थान के प्रवेश द्वार, शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक पर रखा गया था। सतर्कता विषय पर अंग्रेजी के साथ–साथ हिन्दी भाषा में बनाए गए पोस्टरों को शैक्षणिक, प्रशासनिक ब्लॉक तथा छात्रावास के विशिष्ट स्थानों पर प्रदर्शित किया गया था।

हिन्दी पखवाडा

संस्थान परिसर में 15 दिवसीय हिन्दी पखवाड़ा 14 से 28 सितम्बर 2021 के मध्य बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के राजभाषा विभाग के इस आयोजन में हिन्दी भाषा के ज्ञान के संवर्धन व व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ ऑन लाइन माध्यम से जैसे ''निबंध लेखन, सुलेख लेखन, हिन्दी टंकण, कार्यालय टिप्पण/हिन्दी प्रारूपण, हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता'' आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

एस.पी.ए. भोपाल ने बड़े उत्साह से 21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कोविड महामारी के चलते आयोजन में सामाजिक दूरी व कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखा गया इस कारण बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं स्टॉफ ने अपने घर पर ही योग गतिविधियाँ की तथा वीडियो तैयार कर भागीदार बने।

स्वच्छता पखवाड़ा

एसपीए भोपाल ने दिनांक 1 से 15 सितंबर 2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इस अवधि के दौरान संस्थान में स्वच्छता गतिविधियां प्रारंभ की गई तथा स्वच्छता संबंधी विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगणें ने स्वच्छता शपथ ली।

संस्थान के संसाधन

पुस्तकालय

संस्थान के पुस्तकालय का उद्देश्य परिवर्तनशील वातावरण में संस्थान के शिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करना है। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को संस्थान के मिशन, दृष्टि एवं लक्ष्य को पूरा करने में एक रचनात्मक और अभिनव भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है। यह अकादमिक उत्कृष्टता के मिशन में संस्थान के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में कार्यरत है।

पुस्तकालय में वास्तुकला एवं योजना से संबंधित पुस्तकें एवं पाठ्य सामग्री प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक दोनों ही रूपों में मौजूद हैं। पुस्तकों की शीघ्र एवं सरल प्राप्ति हेतु उन्हें विषयवार एवं डेसिमल पद्धति के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। ओपन एक्सेस सिस्टम उपयोगकर्ता के लिये अधिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने और उपयोगकर्ता एवं संग्रहकर्ता के बीच अंतर को कम करने के लिये बनाया गया है। अनुभवी, सहकारी और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित पुस्तकालय कर्मचारी पुस्तकालय दस्तावेजों के व्यवस्थापन के साथ–साथ उनके उपयोग को अधिकतम करने में लगे हुए हैं। पुस्तकालय में लगभग 890 उपयोगकर्ता हैं जिनमें छात्र, शोध छात्र, संकाय और कर्मचारी शामिल हैं।

पुस्तकालय संग्रहः पुस्तकालय में योजना एवं वास्तुकला के विषयों का एक समृद्ध संग्रह है जिसमें पुस्तकें (पाठ्यपुस्तक, संदर्भ पुस्तक, रिपोर्ट, कान्फ्रेंस प्रोसीडिंग, सीडी रोम आदि), पत्रिकाएं, लघु शोध, ऑनलाइन डाटाबेस आदि शामिल हैं।

पुस्तकेंः कुल 11226 पुस्तकों का संग्रह पुस्तकालय में है (9834 शीर्षक) जो कि वास्तुकला एवं योजना के विभिन्न उपक्षेत्रों को समाहित करती है। जैसे वास्तुकला संरचना, वास्तुकला का इतिहास, लोक संरचना, धार्मिक एवं आवासीय भवन, भवन निर्माण, संरचना प्रौद्योगिकी, भूदृश्य वास्तुकला, आंतरिक अभिकल्प एवं सजावट, सजावटी कला, नगर एवं क्षेत्रीय योजना, निर्माण प्रबंधन, अर्थशास्त्र, सतत् विकास, आहरण, चित्रकला, कलात्मकता आदि।

पत्रिकाएं:

थीसिस एवं लघु शोध:

डाटाबेस: संस्थान पुस्तकालय फुल टेक्स्ट और सांख्यिकीय डेटाबेस जैसे: EBSCO Art and Architecture Complete (full-text), ProQuestThesis and Dissertations Global (full-text), Bloomsbury Design Library (full-text), Bloomsbury Architecture Library (full-text), and indiastat.com (statistical database)। पुस्तकालय ई–शोधसिंधु कंसोर्टियम का भी सदस्य है और JSTORE का भी एक्सेस प्राप्त करता है।

एंटी–प्लेजरिज्म सॉफ्टवेयर: पुस्तकालय द्वारा शोध निबंधों और थीसिस की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एंटी–प्लेजरिज्म सॉफ्टवेयर टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो को भी सब्सक्राइब किया गया है।

पुस्तकालय स्वचालन और आईटी अनुप्रयोग: पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर (KOHA) की मदद से पुस्तकालय सेवाएं और हाउसकीपिंग संचालन स्वचालित हैं। पुस्तकालय संग्रह और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी इसके वेबपेज (https://www.library.spab.ac.in) के साथ–साथ ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) (http://opac-ac-in) पर उपलब्ध है। जिसे नियमित रूप से अपडेट किया जाता है। पुस्तकालय निरंतर सुधार के सिद्धांत का पालन करता है और संस्थान में खुद को एक अभिनव, प्रभावी और कुशल इकाई के रूप में स्थापित करता है। इसके साथ ही, पुस्तकालय द्वारा अपने उपयोगकर्ता समुदाय को कुशलतापूर्वक और नवीन रूप से सेवा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सारांश, एस.पी.ए. भोपाल पुस्तकालय अन्तर्दृष्टि: सारांश ज्ञान के विकास को संप्रेषित करने, ज्ञान के निर्माण एवं सत्यापन के लिए मौजूदा सामग्री की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एस.पी.ए. भोपाल के पुस्तकालय विभाग का द्विमासिक डाइजेस्ट है इसका प्रथम अंक जनवरी–फरवरी 2020 में जारी किया गया था। तथा अब तक विभिन्न विषयों पर खंड 1 से 13 अंक जारी किये जा चुके हैं।

1. Vol.1, No. 1 – Design Thinking
2. Vol.1, No.2 – Critical Thinking
3. Vol.1, No.3 – Education 4.0
4. Vol.1, No.4 – Measuring Research Contribution
5. Vol.1, No.5 – Massive Open Online Courses (MOOCs)
6. Vol.1, No.6 – Sustainable Development Goals (SDGs)
7. Vol.2, No.1 – Fixed Mindset vs. Growth Mindset
8. Vol.2, No.2 – Cultural Studies
9. Vol.2, No.3 – Problem Solving
10. Vol.2, No.4 – Experiential Learning
11. Vol.2, No.5 – Creativity
12. Vol.2, No.6 – Academic Integrity
13. Vol.3, No.1 – How to Avoid Plagiarism

भू–सूचना विज्ञान केन्द्र

भू – सूचना विज्ञान केन्द्र को एस.पी.ए. भोपाल में एक नोडल केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। ताकि योजना पेशे में तकनीकी जानकारी का प्रसार किया जा सके और अत्याधुनिक तकनीक के साथ एक डिजिटल डेटा बैंक रखा जा सके। योजना में भू– सूचना विज्ञान के अनुप्रयोग जैसे संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से आयोजित किया जाता है। केन्द्र नवीनतम और उभरती हुई स्थानिक प्रौद्योगिकियों पर ज्ञान और आवश्यक कौशल का प्रसार करने में सक्षम बनाता है और प्रसार कराता है।

जी.आई.एस. प्रयोगशाला

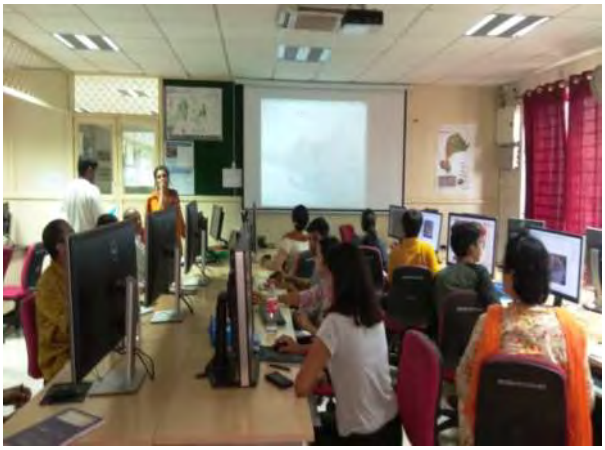

भौगोलिक सूचना प्रणाली और रिमोट सेंसिंग योजना और वास्तुकला के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम का एक हिस्सा हैं। पाठ्यक्रम सामग्री के एक भाग के रूप में, छात्रों को विषय के विभिन्न संबंधित पहलुओं को सीखने की आवश्यकता होती है, जैसे कि अकादमिक परियोजनाओं को शुरू करने के लिए व्यावहारिक अभ्यास के साथ सॉफ्टवेयर। हाई–एंड वर्कस्टेशन के साथ जीआईएस प्रयोगशाला एसपीए भोपाल, और आर्कगिस डेस्कटॉप और ईआरडीएएस इमेजिन सॉफ्टवेयर और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के नवीनतम संस्करण छात्र और संकाय के लिए उपलब्ध हैं।

	मद	संख्या
हार्डवेयर	वर्कशॉप (एचपी Z800, DELL PRECISION17600)	26
	मॉनीटर	27
	कलर ए 3 प्रिंटर एवं स्कैनर	01
	टोपो माउस (16 बटन)	01
	3 डी गूगल (NVIDIA)	02
	जीपीएस (Trimble)	05
	डीजीपीएस (Trimble,Leica)	02
सॉफ्टवेयर	Arc GIS -10.6.1 Arc GIS Pro -2.2	51 User Licenses 31 User Licenses
	ERDAS Imagine -2016	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA-16.5	15 User Licenses
	लइका फोटोग्रामेटिक सूट्स (LPS)-2015	05 User Licenses
उपग्रह डेटा	LISS-III&IV MX,CARTOSAT-I,&II, STEREO CARTOSAT-I WORLD VIEW-2	07 शहर (भोपाल,इंदौर,उज्जैन,देवास,जबलपुर,ग्वालियर, थिम्पू) भोपाल, आशापुरी सांची

सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र (सी.सी.के.एस.)

सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र (सी.सी.के.एस.) ने विभिन्न शासकीय विभागों के साथ परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। इनमें से मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग निगम के लिए परियोजना ने दो विरासत संरचनाओं, महेंद्र भवन, पन्ना, और सिंहपुर महल, चंदेरी के पुनः उपयोग के लिए विस्तृत दिशानिर्देश प्रदान करने पर थी। चंदेरी के सिंहपुर महल एवं राजामहल के लिए केंद्र ने भौतिक सांस्कृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विश्लेषण और अनुशंसा प्रदान करने के लिए एमपीयूडीसी के साथ काम किया, जो सांची, अंत्री के ऐतिहासिक शहरों में नए विकास से प्रभावित हो रहे हैं। एसपीए भोपाल में संरक्षण विभाग के साथ केंद्र ने सांची, उदयगिरी गुफाओं, हेलियोडोरस स्तंभ और बीजामंडल में विरासत की सैर का आयोजन किया। हेरिटेज वॉक 30 अप्रैल 2022 को आयोजित किया गया जो संरक्षण संकायं और छात्रों द्वारा निर्देशित किया गया इसमें एसपीए भोपाल के 100 से अधिक छात्र शामिल हुए।

मानव केंद्रित अनुसंधान केन्द्र (सी.एच.सी.आर.)

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में बहुअनुशासनिक रूप से मानव केंद्रित अनुसंधान केंद्र एस.पी.ए., भोपाल के चार्टर के सिद्धांतों के अनुरूप सामाजिक कार्य हेतु कार्य कर रहा है। सी.एच.सी.आर. का उद्देश्य मानव जाति से संबद्ध, गुणात्मक, प्रयोगात्मक प्रतिमानों के सभी क्षेत्रों के साथ अनुसंधान आधारित ज्ञान की पृष्ठभूमि का संवर्धन करना है। केन्द्र विकलांग, बुजुर्ग, अल्पसंख्यक जैसे कमजोर तबकों के लिए डिज़ाइन इक्विटी का अभ्यास करता है।

केन्द्र अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए केन्द्र चार प्रमुख क्षेत्रों 1. अनुसंधान प्राथमिकता क्षेत्र एवं नेटवर्किंग की पहचान 2. शिक्षा और प्रशिक्षण 3. अनुसंधान एवं डिजाइन विकास तथा 4. प्रसार पर काम कर रहा है। इसने यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र, एन.आई.डी. अहमदाबाद, आई.आई.टी., खड़गपुर, यूनाइटेड किंगडम बर्कले, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, अभिगम्यता भारत अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, एन.आई.ओ.एच., आरूषि, द्रोण, एबिलिटी अनलिमिटेड, एम. एम.सी.एफ आदि के साथ काम किया है।

केन्द्र के प्रकाशनों में शामिल हैं (1) सार्वभौमिक डिजाइन भारत सिद्धांतों का कैलेंडर (2) डिजाइन फॉर ऑल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा सीएचसीआर गतिविधियों पर चार विशेष अंक और (3) यूनाइटिंग डिफरेंसेज नामक पुस्तक। इन प्रकाशनों के अलावा संबद्ध संकाय सदस्य प्रमुख विषयों पर प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में लगातार प्रकाशित करते हैं। केंद्र नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामयिक विषयों पर विशेष व्याख्यान, कार्यशालाओं, सार्वजनिक

प्रदर्शनियों, छात्र प्रतियोगिताओं और जागरूकता अभियानों का आयोजन करता है। केंद्र को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा क्रमशः 2012, 2013 और 2016 में एनसीपीईडीपी–यूनिवर्सल डिजाइन अवार्ड्स से सम्मानित किया गया था। सीएचसीआर के पास शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की डिजाइन इनोवेशन सेंटर, (डीआईसी) नामक एक प्रतिष्ठित परियोजना चल रही है। विरासत स्थलों पर पहुंच और सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए हेरिटेज के लिए यूनिवर्सल डिजाइन इनोवेशन शीर्षक वाली परियोजना एक अभिनव मोबाइल एपीपी के विकास पर केंद्रित है। परियोजना से जुड़ी गतिविधियां सीएचसीआर में 2026 तक जारी रहेंगी।

संस्थान की प्रयोगशालाएं

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

नेटवर्कः एसपीए भोपाल का कम्प्यूटर सेंटर/डाटा सेंटर संस्थान की ग्राफिक लैब, जी.आई.एस. लैब, पुस्तकालय, स्टूडियो, छात्रावास में तथा संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराता है। कम्यूटर सेंटर संस्थान में 1000 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को इंटरनेट वाईफाई/केबल के माध्यम से हाईस्पीड (1 जी.बी.पी.एस.) की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। हमें यह सुविधा नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एन.के.एन.) – नेशनल इन्फारमेशन सेंटर (एन.आई.सी.) भोपाल द्वारा दी गई है एवं 100 एम.बी.पी.एस. इंटरनेट स्पीड को बेकअप रेलटेल कार्पोरेशन से प्राप्त हुआ है।

नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमें अन्य संस्थानों की शैक्षणिक सामग्री, अनुसंधान, सेवाएं एवं पुस्तकालय की सुविधाएं उपलब्ध कराता है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमें उच्च गुणवत्ता की कम्यूटर सुविधा, इंटरनेट लायब्रेरी, आभासी कक्षायें, वृहद डाटाबेस के संग्रह एवं वह सभी शैक्षणिक सामग्री, जो कि कौशल के लिये आवश्यक है, एस.पी.ए. भोपाल में उपलब्ध कराता है। संस्थान के संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को अतिरिक्त तकनीकी सुविधा उपब्लब्ध कराने हेतु कम्प्यूटर सेंटर स्टॉफ, वेब बेस्ड ईमेल एक्सेस, वेब साईट मेन्टेनेंस एवं नेटवर्क से संबंधित मुद्दे जिसमें हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के तकनीकी सहयोग के प्रावधान निहित हैं, का प्रबंध करता है।

सुरक्षाः संस्थान नेटवर्क उपयोगकर्ताओं की अनैतिक गतिविधियों को नियंत्रित करने हेतु विस्तृत नीति के तहत फायर वॉल की सुविधा उपलब्ध कराता है। वायरलेस नेटवर्क छात्रावास, शैक्षणिक भवन एवं कार्यालयों में नवीनतम तकनीकी सहायता से हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। ग्राफिक लैब एवं जी.आई.एस. लैब में भी हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। इस वर्ष कम्प्यूटर सेंटर ने सभी संस्थान की वेबसाइटों में एस.एस.एल. आधारित प्रमाण पत्र भी जोड़े। एस.बी.आई भुगतान गेटवे प्रवेश और भर्ती प्रक्रिया से संबंधित फीस जमा करने में सक्षम है।

सर्वरः डाटा एवं एप्लीकेशन की तीव्र प्रोसेसिंग के लिये हाई एवं ब्लेड सर्वर का प्रयोग किया गया है। सॉफ्टवेयर का प्रयोग संस्थान पुस्तकालय में ऑनलाइन सूची एवं सहज खोज हेतु किया जाता है। इस हेतु एक अलग सर्वर की सुविधा दी गई है। संस्थान का लेखा विभाग पे रोल साफ्टवेयर का प्रयोग सर्वर के माध्यम से करता है जिसमें सरल एवं टेली सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है।

वेब स्पेस एवं ईमेल सुविधाएँः संस्थान स्वयं के आंतरिक एवं बाह्य डी.एन.एस. सर्वर से संचालित है। संस्थान में संचालित वेबसाइट एवं अन्य संबंधित वेब कंटेंट से कम्प्यूटर सेंटर सुसज्जित है। संस्थान, संकाय एवं स्टॉफ को डोमेन सर्वर से गूगल जी सूइट के माध्यम से ईमेल की सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

प्रतिक्रिया और शिकायत पोर्टलः छात्रों को प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता और सेवाओं के सुधार के लिए एक प्रतिक्रिया तंत्र विकसित किया गया है। फीडबैक वेब पोर्टल के माध्यम से छात्रों द्वारा सेमेस्टरवार संस्थान के संकाय सदस्यों की प्रतिक्रिया दी जाती है। इस वेब पोर्टल द्वारा छात्रों और संकाय सदस्यों के मध्य सम्पर्क बढ़ा है तथा उनकी गुणवत्ता में सुधार हुआ है। यह सुविधा छात्रों को अधोसंरचना, बिजली, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं जैसी शिकायताओं के लिए दी गई है।

वर्चुअल क्लाउड सेवाएंः कंप्यूटर सेंटर ने संस्थान की विभिन्न परियोजनाओं और सेवाओं के लिए क्लाउड स्पेस प्रदान किया है, इसमें डी.आई.सी. परियोजना को प्रदान किया गया वेब सर्वर शामिल है।

पावर बैकअप सेवाएं: वेब पोर्टल इंटरनेट एक्सेस के लिए सर्वर रूम को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए पावर बैकअप की सुविधा दी गई है।

सर्वेक्षण प्रयोगशाला

सर्वेक्षण प्रयोगशाला स्नातक कार्यक्रमों अर्थात बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर और बैचलर ऑफ प्लानिंग के स्नातक छात्रों को सेवा देती है। इसके अलावा, स्नातकोत्तर छात्र भी विभिन्न प्रयोजनों के लिए कभी–कभी प्रयोगशाला का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण प्रयोगशाला, डिजिटल और गैर–डिजिटल सर्वेक्षण उपकरणों से लैस है। गैर–डिजिटल उपकरणों के लिए प्रथम चरण की खरीद पूरी कर ली गई है, जैसे कि छड़, प्रिज्मीय कंपास, मापने वाले टेप, सहायक उपकरण के साथ प्लेन टेबल, क्रॉस–स्टाफ, सिविल टेप और चुंबकीय कंपास। टोटल स्टेशन, डिजिटल लेवल और लेजर डिस्टोमीटर जैसे डिजिटल उपकरणों के लिए जल्द ही दूसरे चरण की खरीद प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

ग्राफिक्स प्रयोगशाला

संस्थान की ग्राफिक्स प्रयोगशाला दो भागों में 37–37 कम्प्यूटरों से सुसज्जित है। प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रासंगिक एवं नवीनतम सॉफ्टवेयर का ज्ञान और अभ्यास से छात्रों को अद्यतन कराना है ताकि वे डिज़ाइन, विकास और कार्यान्वयन से संबंधित चित्र और दस्तावेजों के निर्माण व विकास में इन उपकरणों का प्रयोग कर सकें।

वर्कस्टेशन में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की एक विस्तृत श्रृंखला की स्थापना योजना एवं वास्तुकला जैसे विशेष पेशे के लिये बहुत से आवश्यक साफ्टवेयर के साथ की गई है। जैसे ऑटोडेस्क (3 डी.एस. मेक्स, ऑटो कैड, इनवेंटर) ग्राफिक सॉफ्टवेयर, क्लाऊड कोरल ड्रॉ, एडोब फोटोशॉप, क्रिएटिव एवं अन्य 2डी–3डी इमेज सॉफ्टवेयर।

प्रयोगशाला के सभी कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा से लैस हैं, ब्रॉडबैण्ड और वायरलेस कनेक्शन की सुविधा निरंतर इंटरनेट प्रदान करती है। हमारे उच्च शिक्षित कम्प्यूटर स्टाफ के कारण तकनीकी सपोर्ट संकाय, स्टाफ एवं छात्रों के लिये प्रायः उपलब्ध है। आज योजना एवं वास्तुकला जैसे बहुमुखी प्रोफेशन के लिये विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर सहायता कर रहे हैं। साथ ही कम्प्यूटर और इंटरनेट ब्राउजिंग की सामान्य शिक्षा पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाते हैं।

वास्तुकला कार्यशाला

एस.पी.ए., भोपाल की वास्तुकला कार्यशाला ''करके सीखने'' का स्थान है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ भौतिक रूप से गहन जाँच, निरंतर चर्चा, मूलरूप एवं मॉडल का प्रयोग कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। छात्र कार्यशाला के विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके विभिन्न सामग्रियों का उपयोग करते हुए वास्तुशिल्प मॉडल बनाते हैं। छात्र यहाँ अपने विचारों को मजबूत कर कार्य की समझ बेहतर करते हैं। ऐसे कार्य को पहचानना जो अपने विशिष्ट उद्देश्य एवं एक खास स्थान एवं समय के लिये किया जा रहा है। वे अपने मॉडल–बनाने एवं डिज़ाइन प्रोजेक्ट के मॉडल निर्माण क कौशल को उन्नत करने के लिये अपने विचारों और संवाद का सृजन करते हैं। गंभीरतापूवर्क, अंर्तदृष्टिकोण

एवं कलात्मकता से महान गहराई एवं महत्वकांक्षा के साथ डिज़ाइन में लगे रहना इस अभ्यास के लिए छात्रों को प्रेरित करता है। कार्यशाला हस्त उपकरण, विद्युत उपकरण एवं मशीनरी से लैस है। जो वास्तुकला, योजना एवं डिजाइन विभाग के विद्वानों के लिए मॉडल बनाने और प्रोटोटाइप के लिए पूर्वोक्त संचालन को पूरा करने के लिए है।

अनुसंधान और परामर्श

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:–

क्र. सं.	परियोजना का नाम	पी.आई. का नाम	ग्राहक का नाम	परियोजना प्रकृति
1	प्रभाव: मध्य प्रदेश में स्थानिक–अस्थायी और सामाजिक–आर्थिक ग्रामीण परिवर्तन: एक अंतर–जिला अर्थमितीय विश्लेषण	प्रो. बिनायक चौधुरी	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	प्रायोजित अनुसंधान परियोजना
2	भारत में स्थायी जनजातीय बस्तियों और आजीविका के लिए रणनीतिक योजना: मंडला जिला, मध्य प्रदेश	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	कंसल्टेंसी
3	सांची, अंतरी और बैहर का विरासत प्रभाव आकलन	डॉ. विशाखा कवठेकर	एमपी अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड भोपाल	कंसल्टेंसी
4	भूतनाथ मंदिर परिसर– आशापुरी	डॉ. विशाखा कवठेकर	आयुक्त, पुरातत्व निदेशालय, अभिलेखागार और संग्रहालय, मध्य प्रदेश	कंसल्टेंसी
5	विरासत प्रभाव आकलन – मांडव (म.प्र.)	डॉ. विशाखा कवठेकर	एमपी अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड भोपाल	कंसल्टेंसी
6	विरासत प्रभाव आकलन राहतगढ़	डॉ. विशाखा कवठेकर	राहतगढ़ – जिला सागर एम. पी.	कंसल्टेंसी
7	मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक संरचनाओं का स्थापत्य दस्तावेजीकरण: चरण 1 एवं चरण 2	डॉ. विशाखा कवठेकर	मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम	कंसल्टेंसी
8	मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक संरचनाओं का स्थापत्य दस्तावेजीकरण: चरण 2	डॉ. विशाखा कवठेकर	मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन बोर्ड	कंसल्टेंसी
9	इम्प्रेस (आईसीसीआर) सामाजिक–स्थानिक विभाजन–शहरी परिवर्तन में सूचित निर्णय लेने के लिए एक उपकरण का मानचित्रण	डॉ आनंद वाडवेकर	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए भारतीय परिषद	शोध
10	कुदासिया महल का संरक्षण, भोपाल	रमेश भोले	सांसद संत. रविदास हाथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड भोपाल	कंसल्टेंसी
1 1	सागर छावनी के लिए विकास योजना की तैयारी	डॉ. अमित चटर्जी	सागर छावनी बोर्ड (रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)	कंसल्टेंसी
12	इलेक्ट्रिक साइकिल के माध्यम से ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों की गतिशीलता में वृद्धि	प्रेमजीत दास गुप्ता	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	प्रायोजित अनुसंधान (इंप्रिंट 2सी)
13	गंजम जिले और हिंजलिकट के लिए भूमि उपयोग योजना और प्रबंधन	प्रो. एन. श्रीधरन	जीआईजेड	कंसल्टेंसी
14	कोयंबटूर क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय योजना: भूमि उपयोग योजना और प्रबंधन	प्रो. एन. श्रीधरन	जीआईजेड	कंसल्टेंसी
15	रेज्यीलेंट शहरी समुदायों का निर्माण (ब्यूरोकॉम)	प्रो. एन. श्रीधरन	ईयू इरास्मस् कार्यक्रम के तहत वित्त पोषित परियोजना	अनुसंधान और क्षमता निर्माण

16	इम्प्रेस, भारतीय शहरों के लिए सार्वजनिक–निजी भागीदारी के माध्यम से किराये के आवास के प्रावधान को बढ़ाना	डॉ. आरती जायसवाल	आईसीएसएसआर	प्रायोजित अनुसंधान परियोजना
17	इम्प्रेस, भारत में शहरी स्वच्छता के लिए सेवा वितरण के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए ढांचे का पुनर्निवेश	प्रो. एन.आर. मंडल	आईसीएसएसआर	प्रायोजित अनुसंधान परियोजना
18	भारत में स्थायी जनजातीय बस्तियों और आजीविका के लिए रणनीतिक योजना का उपक्रम	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	प्रायोजित अनुसंधान परियोजना
19	उन्नत भारत अभियान	प्रो. एन. श्रीधरन	शिक्षा मंत्रालय	प्रायोजित परियोजना
20	डिजाइन इनोवेशन सेंटर	प्रो रचना खरे डॉ. शिउली मित्रा	शिक्षा मंत्रालय	प्रायोजित परियोजना
21	इंफाल के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान	प्रो. एन. श्रीधरन	नगर नियोजन विभाग, मणिपुर	कंसल्टेंसी
22	पेरी–शहरी परियोजना	प्रो. एन. श्रीधरन	जीआईजेड इंडिया	कंसल्टेंसी
23	ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ स्थानिक भूमि उपयोग एकीकरण	प्रो. एन. श्रीधरन	पंचायती राज मंत्रालय	प्रायोजित परियोजना
24	विरासत संरचनाओं का स्थापत्य दस्तावेजीकरण (द्वितीय चरण)	डॉ. विशाखा कवठेकर	म.प्र. पर्यटन बोर्ड, भोपाल	कंसल्टेंसी
25	सांची, अंतेरी और बैहर के लिए विरासत प्रभाव आकलन	डॉ. विशाखा कवठेकर	मध्य प्रदेश शहरी विकास कंपनी लिमिटेड, भोपाल	कंसल्टेंसी
26	सांची डेयरी – कियोस्क, ब्रांडिंग और पैकेजिंग	प्रो. एन. श्रीधरन	मध्य प्रदेश राज्य सहकारी डेयरी संघ लिमिटेड	कंसल्टेंसी
27	भोपाल स्मार्ट सिटी के लिए एबीडी प्रस्ताव की समीक्षा	प्रो. एन. श्रीधरन	भोपाल स्मार्ट सिटी विकास निगम लिमिटेड	कंसल्टेंसी
28	एम्स भोपाल में पार्किंग और भूनिर्माण योजना	सोनल तिवारी	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल	कंसल्टेंसी
29	एम्स भोपाल में अंडरपास की व्यवहार्यता अध्ययन	डॉ अजय के विनोदिया	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल	कंसल्टेंसी
30	भारत में शहरी मिशन– संयुक्त राष्ट्र एसडीजी और कोविड –19 लचीले शहरी विकास के लक्ष्य, प्रदर्शन और जुड़ाव	प्रो. एन. श्रीधरन	जीआईजेड इंडिया	कंसल्टेंसी
31	कोयंबटूर और नीलगिरी क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय योजना की तैयारी	प्रो. एन. श्रीधरन	तमिलनाडु सरकार	कंसल्टेंसी
32	जलवायु–लचीला, ऊर्जा सुरक्षित और स्वस्थ निर्मित वातावरण (सीआरईएसटी)	डॉ. रमा यू पाण्डेय	गोइंग ग्लोबल पार्टनरशिप– ब्रिटिश काउंसिल द्वारा सहयोगात्मक अनुदान	शोध
33	भारतीय – भू प्रेक्षण के माध्यम से एसडीजी निगरानी	प्रो. नटराज क्रांति	जीआईजेड इंडिया	शोध

समझौता ज्ञापन

क्र.सं.	भागीदार संस्था
1	भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल (आई.आई.एस.ई.आर., भोपाल)
2	मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में डीजी अनुसंधान प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश पुलिस (डी.आर.सी. एमपीपीए)
3	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल)
4	संयुक्त राष्ट्र मानव बंदोबस्त कार्यक्रम, एन.आई.डी. भोपाल
5	एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र, भोपाल सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
6	अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
7	राजीव गांधी विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश
8	फ्लोरेंस विश्वविद्यालय
9	एनटीएनयूए नॉर्वे

प्रशिक्षण एवं प्रस्थापना प्रकोष्ठ

एस.पी.ए, भोपाल में प्रशिक्षण एवं प्रस्थापना प्रकोष्ठ स्नातक छात्रों को रोज़गार की सुविधा देता है और पेशेवर प्रशिक्षण लेने हेतु उपयुक्त संगठनों का चयन करने के लिए विभिन्न स्नातकोत्तर और स्नातक कार्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की सहायता करता है। यह प्रकोष्ठ सभी कार्यक्रमों से छात्रों के व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र प्रक्रिया का समन्वय करता है, जो कि संबंधित पाठ्यक्रम द्वारा आवश्यक है। पाठ्यक्रम के बाहर एक औद्योगिक सेटअप में काम करने वाले छात्रों के मूल्यांकन की प्रणाली को सरल बनाने के लिए सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों द्वारा अनुपालन के लिए प्रकोष्ठ द्वारा ट्रेनिंग मैनुअल डिज़ाइन किया गया है। हमारे छात्रों ने सरकारी और निजी क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। ऐसे संगठनों की सूची में सलाहकार, डेवलपर्स, अनुसंधान संगठनों और गैर सरकारी संगठनों की एक विस्तृत श्रृंखला है।

स्नातक	ऑन केम्पस प्लेसमेंट	ऑफ केम्पस प्लेसमेंट	परसुयिंग HS*	प्रेपेरिंग for HS*	स्वरोजगार	कुल छात्रों की संख्या
बी. आर्क	4	4	8	50	5	71
बी.प्लान	3	4	5	3	3	18
कुल	**7**	**8**	**13**	**53**	**8**	**89**

स्नातक	ऑन केम्पस प्लेसमेंट	ऑफ केम्पस प्लेसमेंट	परसुयिंग HS*	प्रेपेरिंग for HS*	स्वरोजगार	कुल छात्रों की संख्या
एम.आर्क. (संरक्षण)	0	2	1	13	4	20
एम.आर्क. (भूपरिदृश्य)	0	7	0	11	3	21
एम.आर्क. (नगर अभिकल्पना)	3	5	0	9	2	19
एम. (डिज़ाइन)	6	0	0	11	1	18

एम. प्लान (पर्यावरण योजना)	0	4	0	16	1	21
एम. प्लान (परिवहन योजना एवं लॉजिस्टक्स प्रबंधन)	0	8	0	13	0	21
एम.प्लान (नगर एवं क्षेत्रीय योजना)	7	0	0	26	1	34
कुल	**16**	**26**	**1**	**99**	**12**	**154**

छात्र गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

अंश आनंद मिश्रा (2020बी.आर्क31)

1. जामीया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित अंतर–महाविद्यालय प्रतियोगिता इवेंट का नामः लेक्सिकन 2022, वार्षिक साहित्य महोत्सव, चित्र कहानी प्रतियोगिता तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया (दिनांक 14–15 मार्च 2022)

ध्रुव भाटिया (2019बी.आर्क14)

1. कंटेनर स्टूडियो, आर्कडाइस – सीकिंग वर्ड टॉप 50 (दिनांक 15 जून 2021)
2. वास्तुकला में कंक्रीट, आर्कियोल – विजेता (दिनांक 12 अगस्त 2021)
3. मास्टर–पीस, आर्कमेलो – विशेष उपलब्धि (सितंबर 2021)
4. मैनहट्टन वाइल्ड स्क्रैपर, गैर–वास्तुकला – विशेष उपलब्धि (सितंबर 2021)
5. अंतरिक्ष की कल्पना करें, 120 घंटे मिनी – विशेष उपलब्धि (अक्टूबर 2021)
6. अटलांटिस प्रिंटेड, यूएनआई.एक्सवाईजेड – विजेता (नवंबर 2021)
7. ओएएन अनुदान कार्यक्रम, आवासीय शहरों के लिए केंद्र, सामूहिक शहरी डिजाइन – फैलोशिप प्राप्तकर्ता (नवंबर 2021 से वर्तमान तक)
8. बर्कले पुरस्कार 2022, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, यूएसए – माननीय उल्लेख (अक्टूबर 2021 से फरवरी 2022)
9. 120 घंटे, ओस्लो स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, नॉर्वे – विशेष उपलब्धि (7–11 मार्च 2022)

आयुषी श्रीवास्तव (2019 बी. आर्क. 064)

1. कंटेनर स्टूडियो, आर्कडाइस – सीकिंग वर्ड टॉप 50 (दिनांक 15 जून 2021)
2. मास्टर–पीस, आर्कमेलो – विशेष उपलब्धि (सितंबर 2021)
3. मैनहट्टन वाइल्डस्क्रैपर, गैर–वास्तुकला – विशेष उपलब्धि (सितंबर 2021)
4. अंतरिक्ष की कल्पना करें, 120 घंटे मिनी – विशेष उपलब्धि (अक्टूबर 2021)
5. अटलांटिस प्रिंटेड, यूएनआई यूवीआई – विजेता (नवंबर 2021)
6. ओएएन अनुदान कार्यक्रम, आवासीय शहरों के लिए केंद्र, शहरी डिजाइन, सामूहिक – फैलोशिप प्राप्तकर्ता (नवंबर 2021 से वर्तमान तक)
7. 120 घंटे, ओस्लो स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, नॉर्वे – विशेष उपलब्धि (7–11 मार्च 2022)

टीम के सदस्य– उरोज इकबाल (2021एमयूआरपी 002), प्रणय कर्मकार (2021एमयूआरपी 001), प्राधि पाठक

1. डब्ल्यू आर आई इंडिया द्वारा महर रोहतक प्ले (सीई) मेकिंग प्रतियोगिता
2. डी पार्क साइट के विजेता। वास्तविक जीवन के उपयोग हेतु सड़क और पार्क के पुनःअभिकल्पन का प्रस्ताव। इस हेतु समिति द्वारा टेंडर ड्रॉइंग तैयार की जा रही है।

तान्या कंसल (2020एमएलए001)

1. लेखन प्रतियोगिता – इसोला एमपी द्वारा आयोजित डब्ल्यूएलएएम स्पर्धा लेखन प्रतियोगिता के तृतीय पुरस्कार विजेता। (अप्रैल 2021)
2. चित्रण प्रतियोगिता – इसोला एमपी द्वारा आयोजित डब्ल्यूएलएएम स्पर्धा लेखन प्रतियोगिता के तृतीय पुरस्कार विजेता। (अप्रैल 2021)

3. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति – आई.आई.टी में आपदा प्रबंधन (डब्ल्यूसीडीएम) पर 5 वीं विश्व कांग्रेस में 'देवी नदी, उड़ीसा के मुहाने पर चक्रवात जोखिम रेज्यीलेंट एवं आपदा प्रबंधन–एक परिदृश्य डिजाइन आधारित दृष्टिकोण' शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया। दिल्ली (नवंबर 2021)

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति – सतत् वास्तुकला में "शहरी आवासीय क्षेत्रों में बच्चों के लिए आउटडोर प्ले स्पेस के रचनात्मक अवसरों की जांच–बरेली, भारत" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया गया – मानवीय शहर, एएमपीएस द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बैंगलोर (मार्च 2022)

मृत्युंजय पाठक (2019बी.आर्क023)

1. बीएसआई आईएसओएलए डिजाइन अवार्ड्स द्वारा आयोजित स्ट्रीट फर्नीचर डिजाइन प्रतियोगिता – दूसरा पुरस्कार (दिनांक 5 जून 2021–10 जुलाई 2021)
2. द केफ इंटीरियर्स– इंटीरियर डिजाइन प्रतियोगिता, आर्किडियास द्वारा आयोजित – विशेष उपलब्धि (दिनांक 21 अक्टूबर 2021–5 फरवरी 2022)
3. आर्किटेक्चर रेंडर अवार्ड 2022, आर्कजिग द्वारा आयोजित– दूसरा पुरस्कार (दिनांक 1 दिसंबर 2021–20 मार्च 2022)

प्रसिद्ध कुमार (2019बी.आर्क.001)

1. ओएएन अनुदान कार्यक्रम (ओएन और नासा इंडिया) – ओएएन फैलोशिप 2021 (दिनांक 1 जुलाई 2021– 18 नवंबर 2021)
2. द केफ इंटीरियर्स– इंटीरियर डिजाइन प्रतियोगिता, आर्किडियास.कॉम द्वारा आयोजित – दूसरा पुरस्कार (दिनांक 21 अक्टूबर 2021–5 फरवरी 2022)
3. बीएसआई आईएसओएलए डिजाइन अवार्ड्स द्वारा आयोजित स्ट्रीट फर्नीचर डिजाइन प्रतियोगिता – दूसरा पुरस्कार (दिनांक 5 जून 2021–10 जुलाई 2021)
4. आर्किटेक्चर रेंडर अवार्ड 2022, आर्कजिग द्वारा आयोजित– दूसरा पुरस्कार (दिनांक 1 दिसंबर 2021–20 मार्च 2022)

स्मृति शर्मा (2019बी.आर्क043)

1. यूएनआई द्वारा आयोजित बुकमार्क 2.0 आर्किटेक्चर प्रतियोगिता – एडिटर्स च्वाइस अवार्ड (दिनांक 24 जून 2021 से 23 नवंबर 2021)
2. ओएएन अनुदान कार्यक्रम (ओएएन एवं नासा) ओएएन फैलोशिप 2021 (दिनांक 1 जुलाई 2021– 15 नवंबर 2021)
3. आर्कडाइस द्वारा आयोजित कैफे इंटीरियर डिजाइन प्रतियोगिता – विशेष उपलब्धि (दिनांक 21 अक्टूबर 2021–5 फरवरी 2022)
4. वास्तुकला पुरस्कार प्रतियोगिता, 2021 – अंतिम दौर के लिए चयनित (30 सितंबर 2021 से 15 दिसंबर 2021)

इशिता कंसल (2020बी.आर्क030)

1. नासा इंडिया द्वारा ओएएन अनुदान कार्यक्रम, प्रोजेक्ट कलावानी – 2021 के लिए फैलोशिप चक्र के लिए चुना गया (1 जुलाई 2021 – 18 नवंबर 2021)

सायशा मोंगा (2019बी.आर्क096)

1. शोध पत्र प्रकाशन – एसएएसआई क्रिएटिव स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर रिसर्च पेपर द्वारा आयोजित 'अनफोल्डिंग द इंटर–रिलिजियस इन्फ्लुएंस ऑन आर्किटेक्चरल स्टाइल्स इन इंडियाः ए केस स्टडी ऑफ दक्षिणेश्वर मंदिर, जामिया मस्जिद और सेंट जेम्स चर्च, वास्तुकला स्पार्क अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया (आईसीएबी 21, आईएसबीएन 978–81– 949173–0–4) (दिनांक 19 फरवरी 2021 – 12 अप्रैल 2021)
2. महामारी स्मारक डिजाइन प्रतियोगिता – ब्रिक स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा आयोजित शीर्ष 5 प्रविष्टियों में शॉर्टलिस्ट किया गया
3. धुंधली सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत एक पहचान की तलाश में: महामारी स्मारकः स्मरण और प्रतिबिंब।

4. चयनित डिजाइन प्रतियोगिता प्रविष्टियों के संग्रह का डिजिटल प्रकाशन। (दिनांक 25 अप्रैल 2021 – 26 सितंबर 2021)
5. ऑब्जर्वेशन एंड एक्शन नेटवर्क (ओएएन) ग्रांट प्रोग्राम – नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ आर्किटेक्चर (नासा) द्वारा आयोजित ओएएन फेलो 2021 – कलावानीः द वॉयस ऑफ आर्ट (दिनांक 1 जुलाई 2021 – 18 नवंबर 2021)

अमलान सास्वत मिश्रा (2017बी.आर्क013)

शोध पत्र का प्रकाशन – नाम के पेपर का प्रकाशनः 'भारत में जनरेटिव आर्किटेक्चरल स्पेस के लिए सोशल एक्सेप्टेंस प्रेडिक्शन मॉडल' 'जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन कंस्ट्रक्शन एंड अर्बन आर्किटेक्चर' खंड 6, अंक 3, (नवंबर 2021)

1. शोध पत्र का प्रकाशन – नाम के पेपर का प्रकाशनः 'जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन कंस्ट्रक्शन एंड अर्बन आर्किटेक्चर' में स्वीकार्य औपचारिक और अनौपचारिक वास्तुकला रिक्त स्थान के लिए जनरेटिव फॉर्म–फाइंडिंग' खंड 6, अंक 4 (नवंबर 2021)
2. सस्टेनेबल एनर्जी सिस्टम्स प्रोफेशनल सर्टिफिकेशन के रूप में भवन – टीयू डेल्फ्ट द्वारा (11 नवंबर 2021) के माध्यम से पेश किए गए 4 पाठ्यक्रमों के सेट को पूरा किया।
3. गेट 2022 – अखिल भारतीय रैंक 4

रेवा सक्सेना (2017बी.आर्क002)

1. वास्तुकला डिजाइन उत्कृष्टता 2021 के लिए वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय बर्कले स्नातक पुरस्कार। यूसी बर्कले द्वारा जारी– विजेता– प्रथम स्थान (अप्रैल 2021)
2. ब्लीडिंग पिंक, बुक ऑफ पोएम्स। 22 मार्च को किंडल पर प्रकाशित – कविताओं की प्रकाशित पुस्तक में परिचयात्मक निबंध और प्रस्तावना में योगदान दिया। इसे किंडल एप पर खरीदा जा सकता है। (दिसंबर 21– मार्च 2022)

ऐश्वर्या कुलकर्णी (2020एमयूडी016)

1. शोध पत्र प्रकाशित और सम्मेलन की कार्यवाही में प्रस्तुत – संगठनः ब्रिक कॉलेज, पुणे विषयः धुंधली सीमाएंः एक एंकर के रूप में विरासत– आधुनिक समय में पारंपरिक विरासत को संरक्षित करनाः भुज का एक मामला, कच्छ आईएसबीएन संख्याः 978–93–5473–568 –4 (दिनांक 22 जुलाई 2021)

2. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान – संगठनः वास्तुकला परिषद विषयः सीओए वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय निबंध लेखन प्रतियोगिता शहर में घरः भुज, कच्छ का पुनर्निर्माण (दिनांक 29 अगस्त 2021)

3. सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित और प्रस्तुत शोध पत्र –संगठनः मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर

4. विषयः रचनात्मक भविष्य 2022 का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बिंदुओं को जोड़नाः पाटनगढ़, मध्य प्रदेश में गोंड कला के संरक्षण के लिए आत्मनिर्भर शिल्प पारिस्थितिकी तंत्र (दिनांक 4 मार्च 2022)

5. सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित और प्रस्तुत शोध पत्र – संगठनः शहरी ग्राम चौरिटेबल ट्रस्ट, विषयः शहरी गांवों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी, तेजी से शहरीकरण में कमजोरियां, प्रतियोगिताएं और लचीलापनः चंद्रावल गांव की महिलाएं, नई दिल्ली (4 मार्च 2022)

6. अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान, 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार– संगठनः अनलीश हैक्सुनलीश हैकथॉन – सड़क सुरक्षा और इक्विटी (दिनांक 18 जून 2021)

7. तीसरा स्थान (समूह प्रतियोगिता में) – संगठनः राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान, विषयः लोगों के लिए सड़कें – भोपाल (अप्रैल 2021)
8. प्रथम उपविजेता स्थिति – संगठन डब्ल्यूआरआई (विश्व संसाधन संस्थान) (दिनांक 31 अक्टूबर)

संकाय की शैक्षणिक गतिविधियाँ

पुस्तकें

1. साहा, के., फ्रोयेन, वाय. के. (2021). *लर्निंग जी.आई.एस. यूजिंग ओपन सोर्स सॉफ्टवेयरः एन अपलाइड गाइड फॉर जियो–स्पाटियल एनालिसिस.* राउटलेज इंडिया. https://doi.org/10.4324/9781003056928

जर्नल पेपर्स

1. दावीदोवा, एम., शर्मा, एस., मेकमील डी., एण्ड लोइसाइड, एफ. (2022). को–डे। जीटीः द गेमिफिकेशन एण्ड टोकनिसेशन ऑफ मोर देन ह्यूमन क्वालिटीज़ एण्ड वेल्यूज़. *सस्टेनेबिलिटी (स्विजरलेंड),* 14(7) https://doi.org/10.3390/su14073787

2. हल्दर, एस., एण्ड मजूमदार, एस. (2021). प्रोपोजिंग अ सस्टेनेबल सोसियो–इकोनोमिक सिस्टम फॉर द लेंग्यूशिंग ढोकरा क्राफ्ट क्लस्टर इन बैतूल, मध्य प्रदेश, इंडिया, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेजिबल कलचरल हेरिटेज (ग्लोबल इन सी.एच.)* 7.

3. खरे, आर., विल्लुरी, वी.जी.के., एण्ड चौरसिया, डी. (2021). अर्बन सस्टेनेबिलिटी असेसमेंटः द इवेलयूशन ऑफ कॉर्डिनेटेड रिलेशनशिप बिटवीन बीआरटीएस एण्ड लेण्ड यूज इन ट्रंजिट–ओरियेंटेड डेवलपमेंट मोड यूसिंग डीईए मॉडल. *ऐन सैम्स इंजीनियरिंग जर्नल,* 12(1), 107–117.

4. मजूमदार, एस. (2021). ए सिस्टेमेटिक व्यू ऑन सस्टेनेबल कंजप्शन. *टेक्नोटिक आर्टः ए जर्नल ऑफ स्पेसियोलिटिव रिसर्च, 19*(1&2), 153–161. https://doi.org/https:// doi.org/10.1386/tear_00059_1

5. मित्रा, एस. (2021). पॉलिसी–इम्पलिमेंटेशन डायनामिक्स ऑफ नेशनल हाउसिंग प्रोग्राम इन इंडिया – एविडेंस फ्रोम मध्य प्रदेश. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाउसिंग पॉलिसी,* 1–22. https://doi.org/10.1080/19491247.2021.1934649

6. साहा, के. एण्ड वेन लेंडघेम, के. (2021). इव्यूलेटिंग एन आटोमेटेड ऑब्जेक्ट–ओरियेंटेड मैथोड टू डिलीनियट ड्रमलाइन्स फ्रोम बोथ टेरिस्टेरियल एण्ड सबमरीन डिजीटल इलिवेशन मोडल. *आईएसपीआरएस एनल्स ऑफ द फोटोग्रामेट्री, रिमोट सेंसिंग एण्ड स्पेटियल इन्फारमेशन साइंस, 3*, 29–35. https://doi.org/https://doi.org/10.5194 /isprs- annals-V-3-2021-29-2021

7. साहा, के., घटक, डी. एण्ड मुरली, एन.एस.एस. (2022). इम्पेक्ट ऑफ प्लांटेशन इंड्यूज्ड फॉरेस्ट डेग्राडेशन ऑन द आउटब्रेक ऑफ इमरजिंग इन्फेक्सियस डिसीज़– वायनाड जिला, केरेला, भारत. *International Journal of Environmental Research and Public*, *19*(12), 7036.

8. वेंकटाचारी, बी., एण्ड कवठेकर वी. (2022). कल्चर लेंडस्केप एज़ ए फ्रेमवर्क फॉर सस्टेनेबिलिटीः केस ऑफ कावेरी बेसिन. *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी,* 09 (स्पेशल इश्यू) 83–87. https://mail.irjet.net/ archives/V9/i2/CAT-2022/IRJET-V9I213.pdf

पुस्तक अध्याय

1. कवाठेकर, वी. (2021). अनप्रोटेक्टेड हेरिटेज ऑफ इंडियाः एन ओवरवीव इनटू द रियलिटी थ्रू लीगल प्रेसपेक्टिव. *इन स्टेट ऑफ बिल्ट हेरिटेज ऑफ इंडिया, केस ऑफ द अन प्रोटेक्टेट.* इनटेक आर्किटेक्चर हेरिटेज डिवीज़न.

2. मित्रा, एस. (2022). लाइवलीहूड, मोबलिटी एण्ड हाउसिंगः इन सर्च ऑफ मिसिंग लिंग इन इंडियन टाउनः इन पी. बेनर्जी एण्ड ए. जाना (संपा.). *एडवांस इन अर्बन डिजाइन एण्ड इंजीनियरिंग. प्रासपेक्टिव फ्रोम इंडिया* (पी.पी. 45–72). स्प्रिंगर.

3. रावत, ए., गोविंद, एम.पी., वासुदेव, जे.एम. एण्ड कर्माकर, पी. (2021). डेवलपिंग स्ट्रेटजीस फॉर मिटीगेटिंग प्लूवाइल फ्लूडिंग इन गुरूग्राम. इन ए. पाण्डेय, एस. के. मिश्रा, एम.एल. कंसल, आर.डी. सिंह, एण्ड वी.पी. सिंह (संपा.), *हाइड्रोलॉजिकल एक्सट्रीम्सः रिवर हाइड्रोलिक्स एण्ड इरिगेशन वाटर मेनेजमेंट* (पीपी 19–41). स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-3-030-59148-9_2

4. वाडवेकर, एम. एण्ड पाण्डे, आर. (2021). एसेसिंग ग्राउंडवाटर रिचार्ज पोटेंशियल थ्रू रैनवाटर हारवेस्टिंग इन अर्बन इनवायरमेंटः ए केस ऑफ भोपाल सिटी. इन ए. पाण्डे, एस.के. मिश्रा, एम.एल. कंसल, आर.डी. सिंह, एण्ड वी.पी. सिंह (एड्स)., *वाटर मेनेजमेंट एण्ड वाटर गवरनेंस* (पी.पी. 463–479). स्प्रिंगर, चाम. https://doi.org/10.1007/978-3-030-58051-3_31

कॉन्फ्रेंस पेपर

1. अंकित, के. खरे, आर. एण्ड संकट, एस. (2021). फायर सेफ्टी प्रोवीजन फॉर एल्डरली इन हाई राइज रेसिडेंसियल बिल्डिंगः ए ग्लोबल कम्पेरिजन ऑफ कोड एण्ड स्टेण्डर्ड, *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग ऑन रेज्यिलेंट एण्ड लिवेबल सिटी प्लानिंग (आरएलसीपी 2020) ट्रांसफोर्मिंग अर्बन सिस्टम.*

2. भट्टाचारजी, आर. एण्ड तिवारी, एस. (2021). कम्पटेटिव ब्रांडिंग ऑफ सस्टेनेबल डोमेस्टिक प्रोडक्टः ए प्रोडक्ट सीमेंटिक अप्रोच. इन ए. चक्रवर्ती, आर. पूव्याह, पी. बोकिल एण्ड वी. कांत (संपा.), *डिजाइन फॉर टूमारो* – वाल्यूम 1, (पी.पी. 665–674). स्प्रिंगर, सिंगापुर https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_55

3. दावीदोवा, एम. शर्मा, एस. मैकमील, डी. एण्ड लौजियाड्स, एफ. (2021). को. डी. । जी. टी. बेटा द 21 सेंचुरी इकोनोमी एप. फॉर कास स्पेसियस को लिविंग. *इन प्रोसिडिंग ऑफ रिलेटिंग सिस्टम थिंकिंग एण्ड डिजाइन (आरएसडी10) 2021 सिम्पोज़ियम,* 293–302.

4. घोष, ए. एण्ड तिवारी एस. (2021), पावर पोस्टः ए फ्रेमवर्क फॉर डिजाइनिंग विजुअल पालिटिकल कम्यूनिकेशन. इन ए. चक्रवर्ती, आर.पूव्याह, पी. बोकिल एण्ड वी. कांत (संपा.) *डिजाइन फॉर टूमारो*–वाल्यूम 1 (पी.पी. 675–685) स्प्रिंगर. सिंगापुर https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_56

5. साहा, के. एण्ड वेन लेंडघेम, के.जे.जे.(2021). एत्यूलेटिंग एन आटोमेटेड ऑब्जेक्ट– ओरियेंटेड मेथोड टू डेलीनीट ड्रमलाइन फ्रोम बोथ टेरिसटेरियल एण्ड सबमरीन डिजीटल एलीवेशन मॉडल. *आईएसपीआरएस एनल्स फ्रोम द फोटोग्रामेटरी, रिमोट सेंसिंग एण्ड स्पेसियल इन्फारमेशन साइंस, 5*(3), 29–35. https://doi.org/10.5194/ isprs-annals-V-3-2021-29-2021

6. सम्भानी, आर. एवं तिवारी, एस. (2021). डॉट्स एवं लाइनः इंडियन फॉक एण्ड ट्राइबल आर्ट इन्सपायर्ड एक्टिविटी फॉर किड्स. इन ए. चक्रबर्ती, आर. पूव्याह, पी. बोकिल एण्ड वी कांत (संपा.) *डिजाइन फार टुमारो–वाल्यूम* 1 (pp. 701–713). Springer, Singapore. https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_58

7. सक्सेना, एस., अरोरा, एस. एण्ड खरे, आर. (2021). पार्टिसिपेंट्स प्रास्पेक्टिव ऑन डिज़ाइन– बिल्ड एक्सपीरियंसः ए क्वालिटेटिव एक्सप्लोरेशन बी.टी. – एडवांस इन ह्यूमन फेक्टर्स इन ट्रैनिंग एजुकेशन एण्ड लर्निंग साइंस (एस. नाजिर, टी.जेड. अहराम एण्ड डब्ल्यू कारवोस्की (संपा): पी.पी. 173–179) स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिग.

8. सिंह, आर. एण्ड तिवारी, एस (2021). विजुअल अलंकार्सः टोवर्ड ए डेकोलोनाइज्ड विजुअल डिजाइन फ्रेमवर्क. इन ए चक्रवर्ती, आर. पूव्याह, पी. बोकिल एवं वी. कांत (संपा), *डिज़ाइन फॉर टूमारो*–वाल्यूम 1 (पी.पी. 543–553). स्प्रिंगर सिंगापुर. https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_45

9. तिवारी, एस. (2021). डिजाइन फॉर डेवलपमेंट 2.0? रिविजिटिंग द अहमदाबाद डिक्लेरेशन एण्ड डिसकर्स ऑफ डिजाइन इन इंडिया. *ह्यूमेनाइजिंग डिज़ाइनः डब्ल्यू डी ओ रिसर्च एण्ड एजुकेशन फोरम* 2019, (सितम्बर)

10. तिवारी, एस. (2021). टूवर्ड्स एन ओन्टोलॉजिकल एक्सपेंशन ऑफ डिजाइनः थेमेटिक थ्रीड्स टू एडवांस द नेक्स्ट डिज़ाइन एजुकेशन पाराडिग्मः *ह्यूमनिसिंग डिजाइनः डब्ल्यूडीओ रिसर्च एण्ड एजुकेशन फोरम* 2019 (सितम्बर)

अन्य संस्थानों/संगठनों में संकाय सदस्यों का प्रतिनिधित्व/समितियां/अनुदान/पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां आदि

1. कावठेकर, वी. (2021). आईसोमोस इंडिया सेंट्रल जोन द्वारा आयोजित आईसोमोस इंडिया साइंटिफिक सिम्पोजियम के प्रीक्वल इवेंट 'नेशनल कॉन्फ्रेंस में लेजिस्लेशन एंड नेचर – कल्चर लिंक्स इन द बोर्डर डिस्कोर्स ऑफ हेरिटेज इन इंडिया' के लिए पैनल सदस्य।

2. मित्रा, एस. (2021)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021 के लिए ITPI न्यूजलेटर (अप्रैल – जून 2021) अंक (पीपी 24–25) के लिए एक आमंत्रित लेख लिखा।

अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर पर पेपर प्रस्तुति/आमंत्रित व्याख्यान

1. कावाठेकर, वी. डीआईटी विश्वविद्यालय के आर्किटेक्चर एंड डिजाइन स्कूल में 'आर्किटेक्चरल कंजरवेशनः पैशन टू द प्रोफशन' पर अतिथि व्याख्यान दिया।

2. कवठेकर, वी. INTACH विरासत कार्यक्रम द्वारा आयोजित 'सतत विकास और विरासत' राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सांस्कृतिक क्षेत्र में महिलाओं के लिए अवसर और बाधाएं' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

3. कवठेकर, वी. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा–द्वितीय), मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मध्य प्रदेश में विरासत स्थलों, अभिलेखागार और संग्रहालयों के प्रबंधन' पर प्रदर्शन लेखा परीक्षा पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

4. शर्मा, एस. (2021). 18–19 नवंबर 2021 तक आईडीपी, एनएएचईपी, जीबीपीयूएटी, पंतनगर में 'डिजाइन थिंकिंग' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया।

5. तिवारी, एस. (2021). 18 दिसंबर 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में ऑनलाइन मोड के माध्यम से 'डिजाइन, आधुनिकता और भारतः एक उलझा हुआ इतिहास' पर व्याख्यान/प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया।

6. तिवारी, एस. (2021). 22 नवंबर 2021 को इजमिर एकोनोमी यूनिवर्सिटी, इजमिर, तुर्की में ऑनलाइन मोड के माध्यम से बियॉन्ड ईमेसः द अनफोल्डिंग ऑफ पास्ट–कोलोनियल डिजाइन इन इंडिया पर व्याख्यान/प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया।

7. तिवारी, एस. (2021). 7 सितंबर 2021 को आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे में डॉक्टरेट छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से डिजाइन इतिहास, एक डिजाइन अनुसंधान पद्धति पर व्याख्यान/प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया।

8. तिवारी, एस. (2021). 29 जून 2021 को एनआईडी अहमदाबाद में डॉक्टरेट छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से 'भारतीय डिजाइन शिक्षा में प्रतिमान' पर व्याख्यान/प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया।

संकाय द्वारा सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएं/जर्नल पत्रों/पुस्तकों आदि की समीक्षा

1. मित्रा, एस. (2022). 'सोशल एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट जर्नल' स्प्रिंगर एंड आईएसईसी (फरवरी – मार्च 2022) में पेपर की समीक्षा।

2. मित्रा, एस. (2021). 26–27 अगस्त 2021 को यूएडीडी, एमपी और एमओएचयूए, भारत सरकार के समन्वय में एसपीए, भोपाल के समावेशी आवास पर 'आवास पर संवाद' कार्यक्रम में 'भारत में किफायती आवास कार्यक्रमों का कार्यान्वयन' पर पेपर प्रस्तुत किया।

3. शर्मा, एस., दावीदोवा, एम., जयदेवैया, वाई. (2021). गेमिंग कम्प्लेक्सिटी:रूल्स, नेटवर्क, एण्ड ग्रीन इकोनॉमी. इन प्रोसीडिंग्स ऑफ रिलेटिंग सिस्टम्स थिंकिंग एंड डिजाइन (RSDX) सिम्पोजियम. https://rsdsymposium-org/rsd10&proceedings

4. कवठेकर, वी. ने भारत आईसोमोस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन/कार्यशाला के 'चौथे सेशनः केस लॉ' में 'केस प्रेजेंटेशन–ग्रुरप्रसाद राव बनाम कर्नाटक राज्य और अन्य' पर पेपर प्रस्तुत किया।

5. कवठेकर, वी. ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/कार्यशाला 'देवायतनम – भारतीय मंदिर वास्तुकला का एक ओडिसी' में 'मध्य भारत में मंदिरों का विकासः आशापुर, मध्य प्रदेश में भूतनाथ मंदिर परिसर से सीखना' पर पेपर प्रस्तुत किया।

6. कुलश्रेष्ठ, के., तिवारो एस. (2021)। 1 दिसंबर 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ एर्गोनॉमिक्स द्वारा आयाजित '19 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'ह्यूमनाइजिंग वर्क एण्ड वर्क इनवायरमेंट' में 'री–लर्निंग प्यूबटीः मिनिमाइजिंग पीरियड शेमिंग इन अर्बन स्कूल्स' पर पेपर प्रस्तुत किया। ।

संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. तिवारी, एस. (2022). ने आयोजक एवं समन्वयक के रूप में, ऑनलाइन कार्यक्रम 'रज्यिलेंट 2041', 7 जनवरी 2022 को आयोजित किया जिसमें जिरो, भोपाल, इटानगर एवं दिल्ली के वक्ता एवं सहभागी शामिल हुए www.breucom.eu

2. तिवारी, एस. (2022). ने आयोजक एवं समन्वयक के रूप में, ऑनलाइन लेक्चरसीरीज़ 'डिजाइन संवाद 2.0' का आयोजन जन–मार्च 2022 को किया जिसमें वैश्विक स्तर की भागीदारी रही। https://www-design-spab-ac-in/activities/design&m

विभागीय गतिविधियाँ

वास्तुकला विभाग

विभाग के संकाय

प्रो. संजीव सिंह
प्राध्यापक

प्रो. रचना खरे
प्रोफेसर एवं प्रमुख (सी.एच.सी.आर.)

डॉ. अजय कुमार विनोदिया
सह प्राध्यापक

डॉ. संदीप संकट
सह प्राध्यापक

डॉ. पियूष हजेला
सह प्राध्यापक एवं
विभागाध्यक्ष

डॉ. देवर्षि चौरसिया
सहायक प्राध्यापक

संदीप अरोरा
सहायक प्राध्यापक

श्वेता सक्सेना
सहायक प्राध्यापक

अरविंद कुमार मील
सहायक प्राध्यापक

गौरव सिंह
सहायक प्राध्यापक

बृषभाननली रघुवंशी
सहायक प्राध्यापक

नयना आर. सिंह
सहायक प्राध्यापक

अपूर्व श्रीवास्तव
सहायक प्राध्यापक

सुशील कुमार सोलंकी
सहायक प्राध्यापक

श्री आशिष पाटिल
सहायक प्राध्यापक

पूनम खान
सहायक प्राध्यापक

सन्मार्ग मित्रा
सहायक प्राध्यापक एवं कार्यक्रम
समन्वयक

परमा मित्रा
सहायक प्राध्यापक

विक्रम कोहली
सहायक प्राध्यापक

अपूर्व लक्ष्मी रागी
सहायक प्राध्यापक

विनोद सी.पी.
सहायक प्राध्यापक

सुरेखा के.सी.
सहायक प्राध्यापक

दिव्या डाबरे
सहायक प्राध्यापक
कार्यमुक्त 04.09.2021

उजमा खान
सहायक प्राध्यापक
कार्यमुक्त 15.09.2021

किरनजीत सी.एस.
सहायक प्राध्यापक

श्रुति चेतन हस्तक
सहायक प्राध्यापक

मंगला महानाथन
सहायक प्राध्यापक

वास्तुकला विभाग अभिनव शैक्षणिक दृष्टिकोण और पथ–प्रदर्शक अनुसंधान के माध्यम से देश में वास्तुकला की शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है। विभाग जिम्मेदार पेशेवरों का एक निकाय तैयार कर रहा है जो समाज की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो। वास्तुकला विभाग उच्च श्रेणी की शिक्षा के माध्यम से युवा मस्तिष्क को रचनात्मक और अभिनव में बदलने के लिए तत्पर है। वास्तुविद बनने की इच्छा रखने वाले प्रत्येक छात्र को प्रोफेशन में लीडर बनने के लिए शिक्षित किया जाता है।

विजनः नवाचार, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अनुसंधान के माध्यम से देश में वास्तुकला शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी होना।

रणनीतिः नवाचार, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अनुसंधान पर ध्यान।

1. रचनात्मकता और अभिनव विचारों में प्रगति लाने के लिए स्टूडियो आधारित अभ्यास, कार्यशालाएं और संगोष्ठी।
2. मजबूत सैद्धांतिक पृष्ठभूमि के लिये राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रचलित रूप से शैक्षणिक पाठ्यक्रम और वास्तुकला में नये विचारों का परिचय।
3. अनुसंधान को प्रोत्साहनः वास्तुकला में नए ज्ञान को जोड़ने के लिए एक घटक अनुशासन को मजबूत करने की आवश्यकता है। वास्तुकला विभाग द्वारा इस दृष्टिकोण को आपनाने के लिए नियमित रूप से विभिन्न डिजाइन स्टूडियो, कार्यशालाएं और विशेष व्याख्यान आयोजित किये जा रहे हैं।

मिशन

1. बड़े पैमाने पर समाज की सेवा करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए एक संसाधन बनें।
2. नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का प्रयास करें और सर्वश्रेष्ठ में बेहतर बने।
3. प्रतिस्पर्धी माहौल में रचनात्मकता और लीडरशिप के माध्यम से अपनी पहचान बनाने क्षमता विकसित करें।

विभाग का संक्षिप्त

वर्ष के दौरान छात्रों को शिक्षा, ज्ञान, विशेषज्ञता और कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला से अवगत कराया गया। विभाग ने छात्रों के लाभ के लिए विभिन्न विषयों पर कई अवसरों पर विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं आयोजित कीं। वास्तुकला एवं वास्तुकला से संबंधित अन्य क्षेत्रों के जाने–माने शिक्षाविदों और पेशेवरों को छात्रों के साथ अपने ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया

था। छात्र अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम में भवन निर्माण के विभिन्न पहलुओं में व्यावहारिक अनुभवों के लिए स्थानीय यात्राओं पर गए। संस्थान छात्रों को शैक्षिक सह अध्ययन दौरों पर देश के विभिन्न हिस्सों, अर्थात् पुणे, मुंबई, जयपुर और अन्य शहरों में स्थापत्य और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों और इमारतों का दौरा करने के लिए ले गया। यहां वे अनुभव कर सकते हैं और अतीत के वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ–साथ समकालीन लोगों की प्रशंसा कर सकते हैं।

छात्र सिनर्जी नासा, स्पिक मैके खेल आदि जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में भी शामिल थे। आर्किटेक्चर के छात्रों ने विश्व वास्तुकला महोत्सव अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया और प्रतियोगिता के विजेताओं में शामिल होकर संस्थान का नाम रोशन किया। वर्ष के अंत में, मार्च 2020 में, कोविड–19 के कारण महामारी फैल गई और संस्थान को 16.3.2020 से 31.3.2020 तक सामान्य कक्षा शिक्षण से ऑनलाइन शिक्षण में स्थानांतरित करना पड़ा। हालाँकि, इस त्वरित बदलाव के कारण, यह सुनिश्चित किया गया था कि छात्रों को नुकसान पहुँचाए बिना ऑनलाइन कक्षाएं ठीक से आयोजित की जाएँ। ऐसी सभी कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित हुईं।

भविष्य की योजनाएं:

विभाग, संस्थान और विभाग के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना जारी रखेगा। प्रत्येक विषय में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पाठ्यक्रम को पढ़ाया जायेगा।

विभाग, छात्रों के साथ–साथ संकाय के लाभ के लिए कार्यशालाओं, विशेष व्याख्यान, सेमिनार आदि का आयोजन करेगा। वास्तुकला और अन्य संबंधित विषयों के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए पेशे के साथ–साथ शिक्षाविदों से प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। संबंधित संकाय सदस्यों के साथ छात्रों के लिए जब भी आवश्यकता होगी स्थानीय साइट का दौरा किया जाएगा।

विभागीय वेबसाइट तैयार की जा रही है जहां छात्रों के कार्यों और अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी जोर दिया जाएगा। आगामी सत्र के दौरान खेल, डिजाइन प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। देश के जाने–माने आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइन किए गए भवनों के अनुभव के बारे में युवा दिमाग को उजागर करने के लिए ऐतिहासिक और स्थापत्य महत्व के स्थलों के लिए शैक्षिक दौरे आयोजित किए जाएंगे।

यह देखते हुए कि आगामी सेमेस्टर में शिक्षण पूरी तरह से ऑनलाइन होगा, यह सुनिश्चित करने के लिए शिक्षण विधियों का विकास किया जाएगा कि छात्रों को वांछित ज्ञान प्राप्त हो। विभाग उन विषयों पर वेबिनार आयोजित करेगा जो सीधे पाठ्यक्रम सामग्री से जुड़े होंगे। इसमें विषय–विशिष्ट दोनों के साथ–साथ वे भी शामिल होंगे जो छात्रों को बड़े पैमाने पर लाभान्वित करेंगे।

संरक्षण विभाग

विभाग के संकाय

प्रो. अजय खरे
प्राध्यापक

डॉ. विशाखा कवठेकर
सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

रमेश पी. भोले
सहायक प्राध्यापक

श्वेता वार्दिया
सहायक प्राध्यापक

भारत में बहुत कम संरक्षण क्षेत्र के पेशेवर अभ्यासरत् हैं, जिससे इनकी मांग एक प्रोफेशन बन गया है। एक योग्य संरक्षण पेशेवर की आवश्यकता अधिक है क्योंकि तकनीकी प्रगति, तेजी से बदलते समाज के साथ, इस बदलते समय में विरासत के अर्थ को समझना महत्वपूर्ण है। तीव्र शहरी विकास, बदलती आकांक्षाओं, औद्योगिक और गहन कृषि गतिविधियों, भूमि की बढ़ती कीमतों, अतिक्रमण आदि जैसे खतरों के कारण विरासत कमजोर हो चुकी है। स्थिरता और समग्र प्रबंधन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संरक्षण एक अंतः विषय और बहुविषयक प्रोफेशन बनना चाहिए।

संरक्षण विभाग, भारत में संरक्षण पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए संरक्षण शिक्षा प्रदान करता है। संरक्षण में आर्किटेक्ट्स को प्रशिक्षित करने के विशेषज्ञ 2013 से कार्यरत् हैं। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए, संरक्षण विभाग, एस.पी.ए. भोपाल ने इंजीनियरों, पुरातत्वविदों, इतिहासकारों, मानवविज्ञानी समाजशास्त्री, और वकील आदि सहित विरासत के लाभ के लिए आवश्यक संबद्ध विशेषज्ञता को प्रशिक्षित करने की चुनौती ली है। इस हेतु एक नया पाठ्यक्रम तैयार किया एवं लागू किया है।

संरक्षण क्षेत्र में अभ्यास के लिए, विरासत मूल्यों की व्याख्या के लिए कौशल के साथ एक पेशेवर की आवश्यकता होती हैः विरासत का रखरखाव और प्रबंधन, ऐतिहासिक इमारतों की प्रक्रिया और ज्ञान, और इसके संरक्षण के लिए तकनीकी प्रगति और विशेषज्ञता का उपयोग करना जानता है। इसलिए कार्यक्रम छात्रों को संरक्षण में सिद्धांत और दर्शन की ओर प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है, विरासत के रखरखाव और प्रबंधन के लिए आवश्यक प्रक्रिया और तकनीकें, व्यवहार में मानकों का उचित उपयोग, सूचित निर्णय लेने और अर्जित कौशल और तकनीकों के अनुप्रयोग। संबद्ध क्षेत्रों से नए इंटेक के साथ, विभाग के छात्र अंतः विषय सोच और बहु–विषयक चर्चा को बढ़ावा देंगे। यह पेशे को काफी हद तक मजबूत करेगा। यह कार्यक्रम पर्यावरण, सामाजिक और सांस्कृतिक पोषण सहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एस.पी.ए. भोपाल के चार्टर को पूरा करेगा। यह अनुसंधान और प्रलेखन के माध्यम से भारत का एक व्यापक डेटाबेस तैयार करेगा। संरक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बहु–विषयक वातावरण में संरक्षण अभ्यास के लिए उपयुक्त प्रबंधन और तकनीकी कौशल विकसित करना है। इस प्रकार, इस कार्यक्रम के प्रशिक्षित पेशेवर संरक्षण पेशे में नेतृत्व प्रदान करेंगे।

संरक्षण में दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम कौशल और ज्ञान प्रदान करने और छात्रों को ऐतिहासिक संरक्षण के एक बहुआयामी और एकीकृत दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

संरक्षण विभाग पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक संरक्षण तकनीकों में अंकुरित ध्वनि सैद्धांतिक अनपिनिंग पर आधारित पर्यावरण, सामाजिक और सांस्कृतिक जीविका के उद्देश्य से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके संरक्षण के क्षेत्र में नेतृत्व को तैयार करने की इच्छा रखता है। विभाग ने इंजीनियरों, पुरातत्वविदों, इतिहासकारों, मानवविज्ञानी, समाजशास्त्रियों, वकीलों आदि सहित विरासत के लाभ के लिए आवश्यक संबद्ध विशेषज्ञता को प्रशिक्षित करने की चुनौती ली है।

विभाग विरासत के रखरखाव और प्रबंधन के लिए आवश्यक संरक्षण प्रक्रिया और तकनीकों में सिद्धांतों और

दर्शन के प्रति छात्रों को प्रशिक्षित करने और व्यवहार में मानकों के उचित उपयोग के लिए समर्पित है। यह सूचित निर्णय लेने और अधिग्रहीत कौशल और तकनीकों के अनुप्रयोग की सुविधा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य संरक्षण अभ्यास के लिए उपयुक्त प्रबंधन और तकनीकी कौशल विकसित करना है।

वर्ष 2021–22 के दौरान विभाग द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की गईं।

सितंबर 2021 से जनवरी 2022 तक पहले सेमेस्टर स्टूडियो का उद्देश्य मोती मस्जिद की साइट के मुद्दों की पहचान करना और उनका समाधान खोजना है। स्टूडियो समस्या की समग्र समझ के लिए, इमारत का अध्ययन प्रासंगिक अध्ययन, संरचना से जुड़े स्थापत्य और ऐतिहासिक मूल्यों की पहचान, निर्माण सामग्री की संरचना और संरचना की समझ और कार्य, उपयोग और भवन की स्थिति के अध्ययन के माध्यम से किया गया था। अध्ययन साइट अध्ययन और सर्वेक्षण, अनुसंधान एवं मौखिक इतिहास के प्रलेखन के माध्यम से आयोजित किया गया था। मोती मस्जिद के लिए एक संरक्षण और रखरखाव नियमावली तैयार की गई थी।

दूसरे सेमेस्टर का स्टूडियो, फरवरी से जून 2022, छोटे ऐतिहासिक कस्बों के महत्व को समझने और शहरी संरक्षण के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने का प्रयास करता है। भारत की विविध स्थापत्य विरासत पुराने ऐतिहासिक शहरों के क्षेत्रों में स्थित है, जो कई विशेषताओं को दर्शाती है। परिवर्तन की बढ़ती गति के कारण इन कस्बों को विकासात्मक दबावों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप शहरों के शहरी रूप के पारंपरिक पैटर्न के क्रमिक क्षरण की प्रक्रिया हुई है। स्टूडियो का उद्देश्य सीहोर टाउन का अध्ययन करना, इसके महत्व को समझना और इससे जुड़े मूल्यों की पहचान करना है।

विकास, वैश्वीकरण की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है, जो विरासत में मिले हैं उन्हें विरासत–आधारित संरक्षण को बनाए रखना आवश्यक है और इसे विरासत में मिलाना चाहिए। अपने शहर के आवास योग्य स्थानों में शहर के साथ रहने के लिए अच्छा रहेगा।

तीसरे सेमेस्टर, सितंबर से जनवरी 2021 के लिए क्षेत्रीय स्तर का स्टूडियो, कृष्णमई नदी के सांस्कृतिक क्षेत्र को समझने के उद्देश्य से एक आभासी स्टूडियो था। नदियों और मनुष्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंध को नदी घाटी सभ्यता के रूप में नामित किया गया है। यह अविभाज्य संबंध यहां और कृष्णा नदी में देखा जाता है, जिसे कृष्णा माई के नाम से भी जाना जाता है। माई माँ की स्थिति को दर्शाती है। यह महाबलेश्वर, महाराष्ट्र से निकलती है और आंध्र प्रदेश के हंसलदेवी में समुद्र से मिलती है। यह रास्ते में भीम और तुंगभद्रा से जुड़ा हुआ है।

इस अनूठी नदी की स्थानिक सेटिंग ऐतिहासिक परतों, सांस्कृतिक बहुलता और संलग्न परिदृश्य के साथ इसकी संस्कृति है। अध्ययन माध्यमिक सर्वेक्षणों पर आधारित थे जिसमें एएसआई, डब्ल्यूआरआई, सीजीडब्ल्यूबी, आदि द्वारा साहित्य समीक्षा और रिपोर्ट, अभिलेखीय साक्ष्य, थीसिस और शोध पत्र, किताबें और साहित्यिक कार्य, पत्रिकाएं, समाचार पत्र, फिल्में और वृत्तचित्र, ओएसएम, एसओआई और भवन, मानचित्र, आदि शामिल हैं। द्वितीयक डेटा डेटाबेस से प्राप्त किया जाता है जिसने जीआईएस तकनीकों का उपयोग करके आधार मानचित्र तैयार करने और विभिन्न बहुस्तरीय मानचित्र तैयार करने में मदद की। कृष्णा नदी बेसिन की महत्वपूर्ण विशेषताओं के महत्व को पहचाना गया और उनसे जुड़ी चुनौतियों की भी पहचान की गई। इस विस्तृत अध्ययन से कृष्णा नदी घाटी बेसिन के लिए संरक्षण नीति तैयार करने में मदद मिली।

वर्ष 2021 के कोरोना काल में विभिन्न प्रकार की ऐतिहासिक संरचनाओं से परिचित कराने के लिए फील्ड

विजिट का आयोजन किया गया, जहां विद्यार्थियों ने गोहर महल व मोती मस्जिद का भ्रमण किया। मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा आयोजित विश्व विरासत सप्ताह में भी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान/वेबिनार की सूची :

क्र.	दिनांक	शीर्षक	आयोजन	विशेषज्ञ	समन्वयक
1	01.04.21	थोड़ा ही काफी है	अतिथि व्याख्यान	आर्कि. पूनम वर्मा मस्कारेनहास	डॉ. विशाखा कवठेकर
2	08.04.21	ऐतिहासिक उद्यानों को सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में समझना	अतिथि व्याख्यान	डॉ. प्रियलीन सिंह	रमेश पी भोले
3	19.04.21	अमूर्त विरासत और महिला आख्यान	अतिथि व्याख्यान	डॉ. मृणालिनी अत्रे	डॉ. विशाखा कवठेकर
4	20.04.21	भारत में विश्व विरासतः प्रक्रियाएं और चुनौतियां	अतिथि व्याख्यान	डॉ शिखा जैन	रमेश पी भोले
5	23.04.22	संरक्षण का इतिहास– अतीत और वर्तमान	अतिथि व्याख्यान	प्रो. रजत रे	रमेश पी भोले
6	24.09.21	सुदृढ़ीकरण और रेट्रोफिटिंग	अतिथि व्याख्यान	डॉ. अमोल शिंगारे	रमेश पी भोले
7	27.09.21	भारत में विरासत के लिए विजन	वेबीनार	श्रीमती सुधा मूर्ति	डॉ. विशाखा कवठेकर
8	27.09.21-29.09.21	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत	अतिथि व्याख्यान	डॉ अनन्या भट्टाचार्य	रमेश पी भोले
9	12.10.21-14.10.21	अनुसंधान दृष्टिकोण और सामाजिक विज्ञान	अतिथि व्याख्यान	डॉ.एस.बी.ओटा	रमेश पी भोले
10	21.10.21 25.10.21 27.10.21	सुदृढ़ीकरण और रेट्रोफिटिंग	अतिथि व्याख्यान	डॉ. प्रबीर कुमार दास	रमेश पी भोले
11	29.11.21	दक्षिण भारत में मेगालिथ	अतिथि व्याख्यान	डॉ. श्री कुमार एम.मेनन	रमेश पी भोले
12	06.01.22	दस्तावेजीकरण और संचार तकनीक	अतिथि व्याख्यान	आर्कि. पंकज मोदी	रमेश पी भोले
13	12.01.22-13.01.22	पत्थरों का संरक्षण	अतिथि व्याख्यान	अनुपम साह	रमेश पी भोले
14	21.05.22	ऐतिहासिक इमारतों में संरचना प्रणाली	अतिथि व्याख्यान	श्री एफ.बी. बालेहोसुर	रमेश पी भोले

भूपरिदृश्य वास्तुकला विभाग

विभाग के संकाय

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक एवं विभागाध्यक्ष

सौरभ पोपली
सह प्राध्यापक

सोनल तिवारी
सहायक प्राध्यापक

रिचा राजे
सहायक प्राध्यापक

अनुपमा भारती
सहायक प्राध्यापक

भूपरिदृश्य वास्तुकला विभाग का उद्देश्य छात्रों को समकालीन समाज के मुद्दों को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है, जो कि अच्छाई, मानवता, सौंदर्य और रचनात्मक सह–अस्तित्व को शामिल करने वाले परिदृश्य मूल्यों पर आधारित है। भूपरिदृश्य डिजाइन स्टूडियो पूरे पाठ्यक्रम के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं। जिसमें बढ़ती जटिलताओं के साथ, छात्र एक स्वतंत्र थीसिस में परिणत होकर, सभी निर्धारित मॉड्यूल एप्लाई करते हैं।

क्र.	दिनांक	विवरण	विषय के नाम	विशेषज्ञ	समन्वयक
1	06.01.2021 - 11.01.2021	सर्दियों में स्कूल	राइपेरियन क्षेत्र की पारिस्थितिक, सांस्कृतिक स्वतंत्रता	लियोनार्ड एनजी केओक पोह डॉ रूमा चक्रवर्ती डॉ. (प्रो.) राणा पी.बी. सिंह डॉ. (प्रो.) अमिता सिन्हा अरुनव दास गुप्ता डॉ प्राजक्ता बस्ते अदिति देवधर पीयूष सेकसरिया तरुण नंदा फरहाद कान्ट्रेक्टर	आर्कि. सोनल तिवारी
2	26.07.2021 - 31.07.2021	गर्मियों में स्कूल	परिदृश्य में संबंधः वन्यजीव संरक्षण में गलियारों और कनेक्टिविटी की भूमिका	डॉ रमन सुकुमार डॉ. दीपा माहेश्वरी डॉ एचएस पाब्ला डॉ. लतिका नाथ डॉ गोपा पाण्डेय डॉ. विजय कुमार डॉ. पी. शिवकुमार डॉ नागराजन भास्करन सुभरंजन सेन डॉ. सोनाली घोष रमेश कुमार पाण्डेय	आर्कि. अनुपमा भारती

3	29.06.2021	जूटोपिया –2021	छात्र प्रतियोगिता	छात्रः अश्विनी रागित, ओजस्विनी साधु, संजी बजाज, श्रेया सिंह	आर्कि. अनुपमा भारती
4	08.10.2021	अतिथि व्याख्यान	शहरी क्षेत्रों का भूपरिदृश्य, संसाधन प्रबंधनः अहमदाबाद का मामला	संदीप पाटिल	आर्कि. सोनल तिवारी
5	03.02.2022	अतिथि व्याख्यान	पर्यावरणीय प्रभाव आकलन	डॉ एचएस पाबला आईएफएस	आर्कि. अनुपमा भारती
6	03.03.2022	अतिथि व्याख्यान	थीसिस	डॉ. बानो चित्र	आर्कि. सोनल तिवारी
7	10.03.2022	अतिथि व्याख्यान	पहले क्या आयाः लैंडस्केप या बिल्डिंग?	प्रो. नीलकंठ छाया	आर्कि. अनुपमा भारती
8	21.03.2022	अतिथि व्याख्यान	लैंडस्केप डिजाइन स्टूडियो	डॉ. ऐश्वर्या टिपनिस	आर्कि. अनुपमा भारती
9	02-03-2022	अतिथि व्याख्यान	भारत में ईआईएः जानवरों में फैक्टरिंग	डॉ. एच.एस. पाब्ला	आर्कि. अनुपमा भारती
10	06.04.2022	अतिथि व्याख्यान	थीसिस	डॉ स्वाति सहस्त्रबुद्धे	आर्कि. सोनल तिवारी
11	26.04.2022	अतिथि व्याख्यान	थीसिस	श्री संदीप पाटिल	आर्कि. सोनल तिवारी

नगर अभिकल्पना विभाग

विभाग के संकाय

डॉ. तापस मित्रा
सह प्राध्यापक

डॉ. आनंद जयंत वाडवेकर
सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. गायत्री नंदा
सहायक प्राध्यापक

कर्ण सेन गुप्ता
सहायक प्राध्यापक

कार्यक्रम का परिचय

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में नगर अभिकल्पना विषय पर दो वर्ष का स्नातकोत्तर कार्यक्रम एक रेज्यीलेंट और समावेशी शैक्षणिक मार्ग प्रदान करने में अनुशासन की बहुआयामी प्रकृति की खोज करता है, जो छात्रों को शहरी क्षेत्र में समकालीन विचारों और डिजाइन प्रक्रिया में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करता है। स्थानिक प्रबंध भारत में उभरते शहरी आकारिकी में विशेष रूप से निहित है और उन्हें एशियाई और विश्व के शहरों के संदर्भ में रखते हैं। स्टूडियो, व्याख्यान–आधारित विषय, ट्यूटोरियल और स्वयं की खोज का विषय उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। जो परस्पर एक दूसरे के पूरक होने चाहिए। शहरी डिजाइन पाठ्यक्रम इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि कैसे कठिनाईयों से क्षेत्रवाद को कार्यक्रम में रखा गया है एवं नगरीय अभिकल्पना की सोच को पूर्ण करता है। इस संदर्भ में निरंतर शहर, स्वदेशी शहर, शिल्प आधारित शहर इत्यादि के विचारों पर चर्चा हुई। यह कार्यक्रम के सिद्धांतों का उद्देश्य है। सिद्धांत का अध्ययन, भारतीय शहरों और भारतीय शहरीवाद की सोच पर लेखन के माध्यम से कार्यक्रम की 'भारतीयता' पर जोर दिया गया है।

भोपाल स्टूडियोः सिस्टम और नेटवर्कः

इस स्टूडियो के माध्यम से छात्रों को शहरी अर्थों में वास्तविक शहर के अनुभव के बारे में जानकारी दी गई। ऐतिहासिकता, सामाजिक–राजनीतिक पैटर्न, आर्थिक गतिशीलता, समूहों का ध्रुवीकरण, वैश्विक प्रभाव आदि जैसे विभिन्न कारकों को निर्धारक के रूप में लिया जाता है। नेटवर्क और सिस्टम स्टूडियो इन संदर्भों में शहर की जटिलता को समझने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। शहर के अमूर्त लौकिक पैटर्न का निरीक्षण करना भी महत्वपूर्ण रहा है, जो शहर में बहुत महत्वपूर्ण प्रणालीगत नेटवर्क भी बनाते हैं। अस्थायीता की इन प्रणालियों की भी जांच की जानी चाहिए। भोपाल में एक जीवंत अमूर्त सामाजिक–सांस्कृतिक और सामाजिक–आर्थिक नेटवर्क शामिल है जो शहर की मौजूदा शहरी पहचान देने के लिए औपचारिक नेटवर्क और सिस्टम, विशेष रूप से प्राकृतिक प्रणालियों में फीड करता है। यह स्टूडियो एक शहर में विभिन्न शहरी अभिनेताओं के संगठन पर केंद्रित है, उदाहरण के तौर पर लोगों, समूहों, समाज और अधिकारियों। इसने भौतिक और गैर–भौतिक प्रकृति दोनों के शहरों के भीतर नेटवर्क के निर्माण की विकासवादी प्रक्रिया पर जोर दिया। स्टूडियो के अंत में, छात्रों को स्टूडियो ने विभिन्न प्रारूपों, और डिजाइन हस्तक्षेपों के माध्यम से इन विषयगत संरचनाओं का विश्लेषण किया, शहर के जटिल नेटवर्क कनेक्शन को समझने के माध्यम से शहर–स्तरीय हस्तक्षेप शहरी डिजाइन परियोजनाओं में संबोधित की जाने वाली जटिलताओं को समझने के लिए सुसज्जित किया गया था। शहरी परिवर्तन स्टूडियोः जयपुर और लखनऊ शहरी डिजाइन स्टूडियो ने शहरों के क्षेत्रों में शहरी परिवर्तनों पर अपना प्रमुख जोर दिया और उनका प्रभाव के बारे में बताया। साइट अध्ययन और सर्वेक्षण के आधार पर एक विश्लेषणात्मक ढांचा बनाने पर जोर दिया गया। आयोजन के रूप में शहरीकरण की अवधारणा पर निर्माण, स्टूडियो का उद्देश्य चार विषयगत क्षेत्रों के तहत शहरी रूप के प्रभाव को समझना था।

1. जयपुर के भीतरी शहर कोर में आंतरिक शहरी जटिलताएं

2. गोमती, लखनऊ के आसपास की प्राकृतिक प्रणालियों के साथ पारिस्थितिक और भूपरिदृश्य सरोकार।

3. शहरी क्षेत्र में मास ट्रांजिट इंसर्ट, चारबाग स्टेशन लखनऊ

4. शहरी परिधि, हवाई अड्डा परिसर, जयपुर

इन पहचाने गए परिसरों में मुद्दों और संभावनाओं को विषयगत रूप से सुव्यवस्थित करने पर ध्यान दिया।

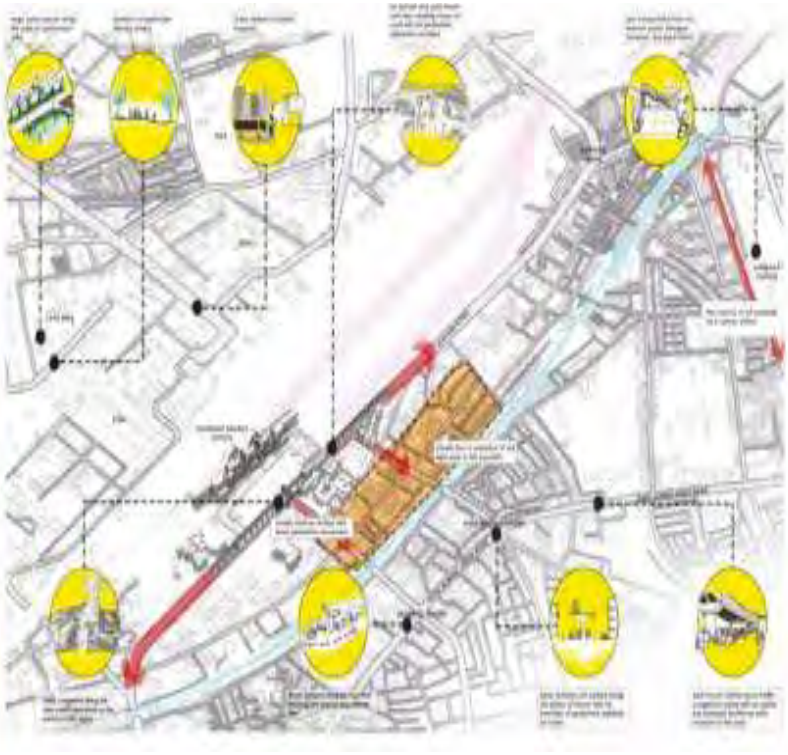

अभिकल्प विभाग

विभाग के संकाय

प्रो. एन. श्रीधरन
निदेशक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. सुकांता मजूमदार
सहायक प्राध्यापक

सौरभ तिवारी
सहायक प्राध्यापक

डॉ. शानु शर्मा
सहायक प्राध्यापक

अमन रूपेश खाखा
सहायक प्राध्यापक

अगस्त 2018 से प्रारंभ, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में मास्टर ऑफ डिजाइन डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को डिजाइन के बदलते क्षेत्र में खुद को स्थापित करने के साथ कला, वास्तुकला, योजना, सामाजिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विषयों के साथ सहयोग करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। .प्रोग्राम उत्पादन और खपत के जटिल परिदृश्यों के लिए अभिनव और टिकाऊ डिजाइन अन्वेषण की ओर देखता है। यह स्नातकोत्तर डिजाइन शिक्षा की संरचना पर पुनः विचार करने का अवसर प्रदान करता है और विद्यार्थियों को उपयोगकर्ता–केंद्रित प्रणालीगत दृष्टिकोण से डिजाइन के अनुशासन को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यावहारिक मंच प्रदान करता है। छात्रों को वास्तविक दुनिया के अभिकल्प और व्यावसायिक नई चुनौतियों का रचनात्मक रूप देखने हेतु तैयार करने के लिए हमारे पेशेवर और प्रशिक्षण का कौशल कठिन है।

दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त स्टूडियो और कार्यक्रमों के लगातार प्रदर्शन और भारत के प्रमुख पेशेवरों ने हमारे छात्रों को इस पेशे में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए तैयार किया है।

दृष्टिकोणः ''अभिकल्पन में रचनात्मक क्षमता के पोषण के माध्यम से तकनीकी प्रगति का मानवीयकरण और सामाजिकी करण''।

एस.पी.ए., भोपाल में मास्टर ऑफ डिजाइन डिग्री प्रोग्राम दो वर्ष की अवधि का है इस अवधि में इन्डस्ट्री इंटर्नशिप के छह से आठ सप्ताह के साथ चार अकादमिक सेमेस्टर अनिवार्य होते हैं।

दो छोटे ट्रैक हैं जो प्रोग्राम में समानांतर रूप से चलते हैं, उत्पाद डिजाइन और दृश्य संचार।

वेबिनार / सेमिनार / कार्यशालाएं / सम्मेलनः

क्र.	दिनांक	विवरण	शीर्षक	विशेषज्ञ	समन्वयक	क्र.
1	23-09-2021 24-09-2021	एमडेस335	पत्रकारिता उद्योग में डेटा विजुअलाइजेशन और कार्यशाला	कार्यशाला	सुश्री नित्या सुब्रमण्यन	आर्कि. अमन खाखा
2	13-09-2021	एमडेस101	सहानुभूति तैयार करना, सच्चे पलों को कैसे कैद करना है	व्याख्यान	श्री निपुण प्रभाकर	आर्कि. अमन खाखा
3	27-08-2021 28-08-2021 29-08-2021	एमडेस331	डिजाइन प्रबंधन का परिचय मूल्य प्रस्ताव कैनवास बिजनेस प्लान डिजाइन करना	कार्यशाला	सुश्री शिप्रा भार्गव	आर्कि. अमन खाखा, डॉ. शानू शर्मा
4	30-8-2021	एमडेस101	बांस शिल्प और डिजाइन	व्याख्यान	श्री शशांक गौतम	आर्कि. अमन खाखा
5	01-09-2021	एमडेस335	उद्योग में डेटा विजुअलाइजेशन	व्याख्यान	श्री मुस्तफा सैफी	आर्कि. अमन खाखा
6	17/08/2021	एमडेस341	अभिकल्पन एवं लिंग	व्याख्यान	श्री शेमल पंड्या	डॉ. सौरभ तिवारी
7	26-08-2021 27-08-2021 23-09-2021	एमडेस332	कंप्यूटर सहायता प्राप्त उत्पाद डिजाइन	कार्यशाला	श्री एनएस सुनील कुमार	डॉ. सुकांता मजूमदार
8	29-09-2021 30-09-2021 14-10-2021	एमडेस332	उत्पाद–सेवा सिस्टम डिजाइन विधि	कार्यशाला	श्री एनएस सुनील कुमार	डॉ. सुकांता मजूमदार
9	06-10-2021 13-10-2021	एमडेस123	स्मार्ट वर्कस्टेशन डिजाइन	कार्यशाला	डॉ शिल्पी बोरा	डॉ. सुकांता मजूमदार
10	16-09-2021 17-09-2021 18-09-2021	एमडेस102	डिजाइन में रचनात्मक विश्वास डिजाइन सोच में उपयोगकर्ता डिजाइन में सहानुभूति	कार्यशाला	निवेदिता सैकिया	आर्कि. अमन खाखा, डॉ. शानू शर्मा
11	30-08-2021	एमडेस302	एम. डेस 302 उद्योग इंटर्नशिप के लिए बाहरी जूरी	बाह्य परीक्षक	चंद्रकेश बिहारी लाल	आर्कि. अमन खाखा
12	06-09-2021	एमडेस101	सहानुभूति तैयार करना, सच्चे पलों को कैसे कैद करना है	व्याख्यान	श्री निपुण प्रभाकर	आर्कि. अमन खाखा
13	16-11-2021	एमडेस112	कॉमिक आर्ट में विजुअल फीचर्स, पॉइंट ऑफ व्यू और फ्रेम और डिटेलिंग।	व्याख्यान	प्रियंका पुरी	आर्कि. अमन खाखा
14	21,22-10-2021	एमडेस111	लेटरिंग मूल बातें देवनागरी सुलेख	कार्यशाला	कल्पेश गोसावी	डॉ. सौरभ तिवारी
15	09-11-2021	एमडेस112	एक कथा और स्टोरीबोर्डिंग का निर्माण	व्याख्यान	नेहा एलिस केरकेट्टा	आर्कि. अमन खाखा

16	03-11-2021	एमडेस113	उपकरण और प्रौद्योगिकी की प्रगति क कारण चित्रण तकनीकों का विकास	व्याख्यान	अन्वेश दुन्ना	आर्कि. अमन खाखा
17	03/02/2022	एमडेस234	डिजाइन अनुसंधान में गुणात्मक उपकरण	व्याख्यान	हर्ष चंद्र	
18	03/02/2022	एमडेस234	प्रश्नावली डिजाइन, नमूनाकरण, तराजू और विश्लेषण	व्याख्यान	डॉ अनु	डॉ. शानू शर्मा
19	09/02/2022	एमडेस234	गांधी और डिजाइन	व्याख्यान	डॉ वेणुगोपाल मड्डीपति	डॉ. सौरभ तिवारी
20	22/02/2022	एमडेस201	गुणात्मक डेटा विश्लेषण, कोडिंग तकनीक, अंतदृष्टि सृजन	व्याख्यान	हिमांशु पांडे	डॉ. शानू शर्मा
21	19/01/2022	एमडेस235	डिजाइन के लिए दृष्टिकोण	व्याख्यान	डॉ शिवाजी	डॉ. सौरभ तिवारी
22	19/01/2022 25/01/2022 01/02/2022 09/02/2022 16/02/2022	एमडेस221	उत्पाद कार्य और वास्तुकला विकास में इलेक्ट्रॉनिक और मेक्ट्रोनिक पहलुओं का अनुप्रयोग	कार्यशाला	रूपेश दुबे	डॉ. सुकांता मजूमदार
23	02/03/2022	एमडेस235	चंडीगढ़ चेयर	व्याख्यान	क्लेयर निया मर्फी	डॉ. सौरभ तिवारी
24	14/03/2022	एमडेस401	शारीरिक जागरूक डिजाइन	व्याख्यान	अमिता सिन्हा	डॉ. सौरभ तिवारी
25	05/04/2022	एमडेस201	प्लास्टिक में डिजाइन का विवरण	व्याख्यान	विशाल जगताप	डॉ. सुकांता मजूमदार
26	04-05-05-2022	एमडेस231	आवाज बातचीत	कार्यशाला	शोभन शाह	आर्कि. अमन खाखा
27	27-04-2022	एमडेस211	रंगीन टाइपोग्राफी	व्याख्यान	नानकी नाथ	आर्कि. अमन खाखा
28	02-04-2022 03-04-2022 04–04-2022	एमडेस201/222	उत्पाद शब्दार्थ के लिए डिजाइन थिंकिंग परिचय	व्याख्यान	बलराम सिंगनपल्ली	आर्कि. अमन खाखा
29	28-04-2022 29-04-2022 04-05-2022	एमडेस221	उत्पाद सामर्थ्य, रूपक और उपयोगकर्ता–केंद्रित डिजाइन	कार्यशाला	दीप्ति पनेसर असिंकर	डॉ. सुकांता मजूमदार

पर्यावरण योजना विभाग

विभाग के संकाय

डॉ. रमा उमेश पांडे
सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

गोविंद एम.पी.
सहायक प्राध्यापक

बड़े शोमित दिलिप
सहायक प्राध्यापक

डॉ. अनुराग बागड़े
सहायक प्राध्यापक

पर्यावरण योजना विभाग का उद्देश्य विज्ञान विकास, पर्यावरण शिक्षा और प्रशासन को समृद्ध करने के लिए स्थानिक योजना बनाना है।

विशेष / अतिथि व्याख्यान / वेबीनार / सेमीनार / कार्यशाला / सम्मेलन

क्र.	दिनांक	विषय	शीर्षक	विशेषज्ञ	समन्वयक
1.	06.04.2021	विशेष व्याख्यान	नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल– एक परिचय	शिबानी घोष, एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया एवं फेलो, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च	डॉ. रमा पाण्डे
2.	05.04.2021	विशेष व्याख्यान	डीआरआर, जलवायु परिवर्तन और शहरी लचीलापन	डॉ. उमामहेश्वरन राजशेखर, चेयर अर्बन रेजिलिएंस – ग्लोबल रेजिलिएंस सिटीज नेटवर्क, एनआईयूए, नई दिल्ली	डॉ. रमा पाण्डे
3.	01.04.2021	विशेष व्याख्यान	कुमाऊँ क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में सामने आने वाली चुनौतियाँ	डॉ. पी.सी. तिवारीः भूगोल विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	डॉ. रमा पाण्डे
4.	9.04.2021	विशेष व्याख्यान	पारिस्थितिक तंत्र मूल्य और प्रबंधन	श्री टी. आर. मनोहरन	श्री गोविंद एम.पी.
5.	7.04.2021	विशेष व्याख्यान	ईआईए और निगरानी	श्री आर के खन्ना	श्री गोविंद एम.पी.
6.	23.05.2021	अतिथि व्याख्यान	जल संसाधन और अपशिष्ट प्रबंधन	डॉ फौजिया तरन्नुम, तेरी एसएसए नई दिल्ली	श्री शोमित बड़े
7.	25 - 27.08. 2021	एन.आई.डी.एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	पारिस्थितिक स्वतंत्रता के संबंध में प्रकृति आधारित समाधान के लाभ	डॉ. अतुल बगई प्रमुख–भारत कार्यालय संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी)	डॉ. रमा पाण्डे

8.	25 - 27.08. 2021	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	पारिस्थितिक स्वतंत्रता और शहरी पारिस्थितिक तंत्र की पारिस्थितिक अखंडता	डॉ. सी.आर. बाबू, प्रोफेसर एमेरिटस, सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट ऑफ डिग्रेडेड इकोसिस्टम (CEMDE), पर्यावरण अध्ययन स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय	डॉ. रमा पाण्डे
9.	25 - 27.08. 2021	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	लचीली बस्तियों के लिए स्थानिक योजना के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र की स्वतंत्रता	मैरी दुरैसामी, मैनेजर सस्टेनेबल लैंडस्केप्स एंड रिस्टोरेशन, डब्ल्यूआरआई इंडिया	डॉ. रमा पाण्डे
10.	25 - 27.08. 2021	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	मूल्य पर्यावरणीय बाह्यताओं के दृष्टिकोण	डॉ. हेमंत भेरवानी, वैज्ञानिक नीरी, नागपुर	डॉ. रमा पाण्डे
11.	25 - 27.08. 2021	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्रों का सीमांकन एवं संरक्षण	डॉ मीनाक्षी धोटे, प्रोफेसर स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर दिल्ली	डॉ. रमा पाण्डे
12.	25 - 27.08. 2021	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	गूगल अर्थ इंजन का उपयोग करके दक्षिण एशिया में प्रमुख जैव विविधता क्षेत्र के खतरों की निगरानी	डॉ. मनीष गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी इंदौर	डॉ. रमा पाण्डे
13.	14.09.2021	विशेषज्ञ व्याख्यान	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में जैव विविधता का महत्व	डॉ विनीता गौड़ा	श्री गोविंद एम.पी.
14.	09.09.2021	विशेषज्ञ व्याख्यान	आपदा प्रबंधन	डॉ. सूर्य प्रकाश प्रोफेसर एनआईडीएम नई दिल्ली	श्री गोविंद एम.पी.
15.	06.10.2021	विशेषज्ञ व्याख्यान	शहरी क्षेत्रों में ऊर्जा लेखा परीक्षा और योजना	डॉ. ई. राजशेखर, एसोसिएट प्रोफेसर, आर्किटेक्चर और योजना विभाग, आईआईटी रुड़की	श्री शोमित बड़े
16.	04.10.2021	वेबीनार	एसपीए भोपाल राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से संयुक्त रूप से एक वेबिनार का आयोजन कर रहा है विश्व आवास दिवस के अवसर पर 'बिल्डिंग अर्बन रेजिलिएंसः एक्सपीरियंस एंड इनिशिएटिव्स'।	वेबिनार में मुख्य वक्ता डॉ. अंशु शर्मा, संस्थापक निदेशक, सीड्स और सुश्री स्मृति जुजुर हैं, जो SPARC (सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ एरिया रिसोर्स सेंटर्स) के लिए काम कर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्लम ड्वेलर्स इंटरनेशनल (DI) नेटवर्क से संबद्ध हैं।	डॉ. रमा पाण्डे

17.	04.10.2021	विशेष व्याख्यान	सुरक्षित स्वच्छता के लिए एसडीजी 6.2 हासिल करना– महाराष्ट्र, भारत से उभरते सबक	डॉ. मीरा मेहता, सेप्ट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर एमेरिटस और सेंटर फॉर वॉटर एंड सेनिटेशन की कार्यकारी निदेशक	डॉ. रमा पाण्डे
18.	26.10.2021	विशेषज्ञ अतिथि व्याख्यान	'डिजाइनिंग जल पारिस्थितिकी'	आर्कि. लोकेंद्र बलसारिया सीईपीटी अहमदाबाद के पूर्व छात्र	डॉ. अनुरोग बगाड़े
19.	26-11-2021	विशेषज्ञ व्याख्यान	ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक–राजनीतिक गतिशीलता और स्थानिक योजना के लिए इसकी प्रासंगिकता	डॉ. माही पाल, भारतीय आर्थिक सेवा, सेवानिवृत्त ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार	श्री गोविंद एम.पी.
20.	29-11-2021	विशेषज्ञ व्याख्यान	शहरी नियोजन अनौपचारिकता और प्रवासी प्रश्न	डॉ रेनू देसाई, बर्कले विश्वविद्यालय से पीएचडी, पूर्व शोध, सेप्ट विश्वविद्यालय	श्री गोविंद एम.पी.
21.	30-11-2021	विशेषज्ञ व्याख्यान	भारत के लिए क्षेत्रीय योजनाः कोल्लम जिला, केरल से एक मॉडल	श्री जैकब एसो, सेवानिवृत्त मुख्य नगर नियोजक, केरल सरकार	श्री गोविंद एम.पी.
22.	06-01-2022	विशेषज्ञ व्याख्यान	सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरणः केरल से अनुभव और इसकी व्यापक प्रयोज्यता	डॉ जॉय एलमोन महानिदेशक, केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान	श्री गोविंद एम.पी.
23.	01 - 03.02. 2022	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	'रूफटॉप सोलर के माध्यम से भौगोलिक जलवायु क्षेत्रों के लिए ऊर्जा दक्षता रणनीतियों का विकास' पर व्यावहारिक अभ्यास का परिचय	सुश्री कंचन सरभूकन सिद्धये, सीनियर एसोसिएट वीकेःई पर्यावरण आईजीबीसी, बीईई, गृह प्रशिक्षक मूल्यांकनकर्ता	डॉ. रमा पाण्डे
24.	01 - 03.02. 2022	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	शहरी जलवायु अध्ययन के लिए कम्प्यूटेशनल तकनीक	डॉ फैज अहमद चुंदेली संकाय, वास्तुकला विभाग एसपीए विजयवाड़ा	डॉ. रमा पाण्डे
25.	01 - 03.02. 2022	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	आवासीय भवनों की ऊर्जा लचीलापन	डॉ. राजशेखर एलंगोवन सहायक प्राध्यापक वास्तुकला एवं योजना विभाग, आईआईटी रुड़की	डॉ. रमा पाण्डे
26.	01 - 03.02. 2022	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	भारत में नेट–जीरो के लिए सिस्टम थिंकिंग अप्रोच	सुश्री उल्का केलकर, निदेशक जलवायु कार्यक्रम, डब्ल्यूआरआई इंडिया	डॉ. रमा पाण्ड

27.	01 - 03.02. 2022	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	ऊर्जा दक्षता और स्थिरता	डॉ. श्वेता बैद्य, सलाहकार एनआईडीएम	डॉ. रमा पाण्डे
28.	01 - 03.02. 2022	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	सीओपी 26: संक्षेप में	डॉ. कोपल वर्मा, जूनियर सलाहकार, एनआईडीएम	डॉ. रमा पाण्डे
29.	01 - 03.02. 2022	एन.आई.डी. एम. के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम	वैश्विक जलवायु परिवर्तन	सुश्री फातिमा अमीन, वाईपी एनआईडीएम	डॉ. रमा पाण्डे
30.	24.03.2022	विशेष व्याख्यान	पर्यावरण कानून और शासन	डॉ साईराम भट, कानून के प्रोफेसर, समन्वयक–पर्यावरण कानून, शिक्षा, अनुसंधान और वकालत केंद्र, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, नगरभावी बेंगलुरु 560242, कर्नाटक भारत	डॉ. रमा पाण्डे
31.	23.03.2022	विशेष व्याख्यान	नीलगिरी जिले के लिए सतत विकास योजना	डॉ. सिद्धार्थ कृष्णन, साथी सूरी सहगल जैव विविधता और संरक्षण केंद्र, संयोजक अकादमी	डॉ. रमा पाण्डे

शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के लिए स्टूडियो संक्षिप्त:

पर्यावरण योजना स्टूडियो – पर्यावरण के प्रति संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्र के लिए सतत् पर्यावरण योजना

दूसरा सेमेस्टर स्टूडियो अभ्यास एक पहाड़ी क्षेत्र के क्षेत्रीय नियोजन मुद्दों पर केंद्रित था। इस उद्देश्य के लिए, भारत के तमिलनाडु के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित एक पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र, नीलगिरी जिले का चयन किया गया था। स्टूडियो ने निम्नलिखित पर विचार करते हुए विभिन्न क्षेत्रीय से स्थानीय मुद्दों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया: सतत् पर्यावरण योजना, जलवायु परिवर्तन चुनौतियां, पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र संरक्षण और प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत संरक्षण। स्टूडियो का उद्देश्य प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नीलगिरि के पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र के लिए स्थायी पर्यावरणीय योजना का प्रस्ताव करना था। दूसरे सेमेस्टर के छात्रों ने क्षेत्र की विशिष्टता की सराहना करते हुए, पहाड़ी क्षेत्र विकास योजना (एचएडीपी) पर विचार करते हुए अध्ययन शुरू किया। मौजूदा संसाधनों का विश्लेषण किया और नवीन तकनीकों के साथ क्षेत्र के विकास के लिए संभावित परिदृश्य प्रदान किया। स्टूडियो परिणाम में क्षेत्र के पारिस्थितिक और आर्थिक कल्याण के लिए भूमि उपयुक्तता और जोनिंग की जांच करने वाले स्थानिक प्रस्ताव शामिल थे और शुद्ध–शून्य लक्ष्यों की दिशा में विकास रणनीतियों को निर्देशित किया गया।

पर्यावरण योजना स्टूडियो – प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना – पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली और आजीविका सृजन – 2051।

तीसरे सेमेस्टर का स्टूडियो अभ्यास शहरी स्तर के मुद्दों पर केंद्रित था एवं पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में पिछड़े शहरों के सतत विकास हेतु दृष्टिकोण की जांच करता है। अध्ययन के लिए अमरकंटक, मध्य प्रदेश को चुना गया था। अमरकंटक के सतत भविष्य के लिए वीज़न 2051 की दीर्घ अवधि योजना शहर को लचीले और टिकाऊ रूप में विकसित करने के उद्देश्य से रखी गई थी। अध्ययन ने सांस्कृतिक संरक्षण पर ध्यान देने के साथ पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील पिछड़े शहरों में शहर नियोजन में वर्तमान विकास प्रवृत्तियों की जांच की और सतत विकास के मार्गों की जांच की छात्रों के समूह ने साइट का दौरा किया और इसकी वर्तमान स्थितियों का आकलन किया। शहर में भूमि और जल संसाधनों की वहन क्षमता की जांच की गई और उपयुक्तता विश्लेषण किया गया। स्टूडियो ने विकास जोनिंग प्रस्तावों के साथ निष्कर्ष निकाला और अमरकंटक 2051 के लिए मास्टर प्लान की एक रिपोर्ट तैयार की। कुल मिलाकर, स्टूडियो अभ्यास ने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों की जटिलता की सराहना करने और स्थानिक हस्तक्षेप के माध्यम से एक पिछड़े शहरी निपटान के सतत विकास के संदर्भ में सीखने के परिणाम प्रदान किए।

नगर एवं क्षेत्रीय योजना विभाग

विभाग के संकाय

प्रो. बिनायक चौधुरी
प्राध्यापक

डॉ. निखिल रंजन मण्डल
विभाग प्रमुख

डॉ. नटराज क्रांति
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. शिउलि मित्रा
सह प्राध्यापक

डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
सहायक प्राध्यापक

डॉ. आरती जायसवाल
सहायक प्राध्यापक

डॉ. अशफाक आलम
सहायक प्राध्यापक

डॉ. अमित चटर्जी
सहायक प्राध्यापक

पौलोज़ एन. के.
सहायक प्राध्यापक

प्रेमजीत दास गुप्ता
सहायक प्राध्यापक

गौरव वैद्य
सहायक प्राध्यापक

डॉ. काकोली साहा
सहायक प्राध्यापक

विभोर बक्शी
सहायक प्राध्यापक

अपर्णा सोनी
सहायक प्राध्यापक

गोपीनाथ साई कृष्णा
सहायक प्राध्यापक

अनुराधा चक्रवर्ती
सहायक प्राध्यापक

दृष्टिकोण – विभाग वैश्विक संबंधों में सुधार, प्रौद्योगिकी को एकीकृत कर, प्रोफेशन के साथ संवाद का निर्माण, उभरते क्षेत्रों में नई विशेषज्ञता की पेशकश और पाठ्यक्रम को लगातार अद्यतन करके शहरी और क्षेत्रीय योजना के सभी क्षेत्रों में अकादमिक उत्कृष्टता को पोषित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। नगर एवं क्षेत्रीय योजना विभाग का उद्देश्य भविष्य के योजना पेशेवरों को प्रशिक्षित करना है, इसलिए मानव संसाधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्मित पर्यावरण, मानव बस्तियों के मुद्दों को संबोधित करना और एक स्थायी भविष्य के लिए योगदान करना या योजना बनाना है। नगर और क्षेत्रीय योजना का पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण और अत्यधिक चुने हुए व्यावसायिक कार्यक्रमों में से एक है। अनुशासन भूमि उपयोग गतिविधियों, भूमि उपयोग प्रथाओं, बुनियादी ढांचे, निर्मित पर्यावरण और निर्देशित निपटान पैटर्न और क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर निपटान विकास की कुशल योजना से

संबंधित है। इसमें समस्याग्रस्त मुद्दों की पहचान और बस्तियों के स्थायी भविष्य के लिए स्थानिक हस्तक्षेप के क्षेत्र शामिल हैं। इसमें इंटर–क्रॉस विषयों और अंतः विषय क्षेत्रों जैसे वास्तुकला, इंजीनियरिंग, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, प्रबंधन, कानून इत्यादि शामिल हैं। यह बहुआयामी चरित्र नगर और क्षेत्रीय योजना के अनुशासन को बहुत दिलचस्प बनाता है।

वेबिनार/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलनः

क्र.	दिनांक	विषय	शीर्षक	विशेषज्ञ	समन्वयक
1.	19.04.2021	विशेष व्याख्यान	योजना का निजीकरण और राज्य की परिवर्तनकारी भूमिका	श्री तथागत चटर्जी, प्रोफेसर – शहरी नियोजन एवं शासन, जेवियर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	अपर्णा सोनी
2.	09.11.2021	विशेष व्याख्यान	एयरोट्रोपोलिस के लिए लैंडयूज योजना – भारत के लिए सबक	प्रो. डॉ. सास्वत बंद्योपाध्याय प्रोफेसर, सेप्ट विश्वविद्यालय	अपर्णा सोनी
3.	13.11.2021	विशेष व्याख्यान	भारतीय शहरों में रियल एस्टेट प्रथाओं	सुश्री चारु गुप्ता सिंघानिया समूह सहायक प्रबंधक अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर वेंचर्स कैपिटल	डॉ. आरती जायसवाल
4.	25.11.2021	विशेष व्याख्यान	ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक–राजनीतिक गतिशीलता और स्थानिक योजना के लिए इसकी प्रासंगिकता	डॉ. माही पाल, भारतीय आर्थिक सेवा के पूर्व अधिकारी	गोविंद एम.पी.
5.	29.11.2021	विशेष व्याख्यान	शहरी नियोजन, अनौपचारिकता और प्रवासी प्रश्न	डॉ. रेणु देसाई, अहमदाबाद में स्थित एक स्वतंत्र शोधकर्ता	गोविंद एम.पी.
6.	30.11.2021	विशेष व्याख्यान	भारत के लिए क्षेत्रीय योजनाः कोल्लम जिला केरल से एक मॉडल	श्री जैकब इसो, पूर्व अतिरिक्त मुख्य टाउन प्लानर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग, केरल सरकार	गोविंद एम.पी.
7.	06.01.2022	विशेष व्याख्यान	सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरणः केरल से अनुभव और इसकी व्यापक प्रयोज्यता	डॉ. जॉय एलमोन, महानिदेशक केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान (KILA)	गोविंद एम.पी.
8.	16.09.2021	विशेष व्याख्यान	बिग डेटा कॉन्सेप्ट्स	श्री अनुग्रह अनिल कुमार नागाइच सहायक प्राध्यापक मैनिट भोपाल	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
9.	23.09.2021	विशेष व्याख्यान	शहरी और क्षेत्रीय योजना में बिग डॉट अनुप्रयोग	डॉ हरीश कर्नाटक जीआईटी और डीएल आईआईआरएस देहरादून के विभागाध्यक्ष	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
10	07.10.2021	विशेष	बिग डेटा और	डॉ रूमा शुक्ला	डॉ. क्षमा

		व्याख्यान	जियोइन्फॉर्मेटिक्स, स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन	वरिष्ठ प्रबंधक, ईएसआरआई	पुणताम्बेकर
11.	21.10.2021	विशेष व्याख्यान	भू–स्थानिक और बिग डेटा विश्लेषण	श्री वैभव कुमार, सहायक प्रोफेसर शोध में रूचि,भू–स्थानिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (जियोएआई) 3डी जीआईएस शहरी सूचना विज्ञान आईआईएसईआर, भोपाल	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
12	26-27.08. 2021	कार्यशाला	ऑनलाइन–वर्कशॉप पीएमएवाई–यू– सभी के लिए आवास आवास पर संवाद		प्रो. निखिल रंजन मण्डल डॉ. आरती जायसवाल, श्री गौरव वैद्य, श्री विभोर बक्शी
13	09.10.2021	विशेष व्याख्यान	एमपीडी 2014 बनाना – अंतदृष्टि	श्री. नीलेश राजध्याक्ष, प्रोफेसर सेप्ट विश्वविद्यालय	अपर्णा सोनी
14	20.09.2021	विशेष व्याख्यान	शहरी विकास के संसाधन के रूप में भूमि इसे दिल्ली की योजनागत पहलों के संदर्भ में संबंधित करती है।	श्री दीपक भावसारी, शहरी विकास में स्वतंत्र सलाहकार, नई दिल्ली	डॉ. शिउली मित्रा
15	08.11.2021	विशेष व्याख्यान	गुणात्मक शोध	सुश्री अनुराधा चक्रवर्ती	डॉ. अमित चटर्जी
16	25.01.2022	विशेषज्ञ व्याख्यान	योजना में मात्रात्मक अनुसंधान के तरीके	डॉ. अर्नब जाना, पीएचडी एसोसिएट प्रोफेसर , शहरी विज्ञान और इंजीनियरिंग केंद्र, एसोसिएट फैकल्टी नीति अध्ययन केंद्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे	डॉ. शिउली मित्रा
17	01.02.2022	विशेषज्ञ व्याख्यान	योजना में सामाजिक अनुसंधान के तरीके और मामले	डॉ हिमांशु बर्टे, पीएचडी, सह आचार्य, शहरी विज्ञान और इंजीनियरिंग केंद्र (CUSE), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी–बी)	डॉ. शिउली मित्रा

विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला:

डीटीसीपी, मध्य प्रदेश के नगर नियोजन अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम 'योजना में भू–स्थानिक प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग', 08–12 फरवरी 2021। छात्रों और शहरी/नगर नियोजन पेशेवरों के लिए 26 और 27 अगस्त 2021 के दौरान नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, भोपाल एवं आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सहयोग से 'आवास पर संवाद' पर दो दिवसीय कार्यशाला।

परिवहन योजना एवं लाजिस्टिक्स प्रबंधन विभाग

विभाग के संकाय

प्रो. नटराज क्रंति
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. मयंक दुबे
सहायक प्राध्यापक

डॉ. मोहित देव
सहायक प्राध्यापक

गरिमा
सहायक प्राध्यापक

परिवहन योजना विभाग 2018 में स्थापित किया गया था। यह योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के आठ विभागों में से एक है। विभाग दो वर्षीय (चार सेमेस्टर) स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम (i) मास्टर ऑफ प्लानिंग (ट्रांसपोर्ट प्लानिंग एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट) को एम. प्लान (टी.पी.एल.एम.) के रूप में संक्षिप्त करता है। यह लॉजिस्टिक्स प्रबंधन को एकीकृत करने वाली परिवहन योजना के क्षेत्र में अद्वितीय कार्यक्रमों में से एक है। उक्त विषय प्रकृति में बहु–विषयक है और देश में अपनी तरह का पहला पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम को अनुशासन से संबंधित विभिन्न मुद्दों को समझने, संबोधित करने और विभिन्न पैमानों जैसे, पड़ोस के पैमाने, शहर के पैमाने, नगरीय पैमाने, क्षेत्रीय पैमाने आदि पर एक स्थायी भविष्य के लिए योगदान करने या योजना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह उभरते महत्व के विभिन्न विषयों जैसे सार्वजनिक परिवहन योजना, बुद्धिमान परिवहन प्रणाली, लॉजिस्टक्स और माल प्रबंधन, इक्विटी और गतिशीलता योजना, रेलवे, हवाई अड्डे और बंदरगाह योजना और प्रबंधन, परिवहन नीति इत्यादि से संबंधित है। इन सभी विषयों के अलावा, इस कार्यक्रम में इंटर–क्रॉस विषयों और अंतः विषय क्षेत्रों जैसे परिवहन इंजीनियरिंग, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, प्रबंधन, नगर योजना, योजना कानून आदि शामिल हैं।

पाठ्यक्रम सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है और समग्र विकास को सक्षम बनाता है। यह परिवहन प्रणालियों के एक स्थायी भविष्य के लिए स्थानिक हस्तक्षेप के लिए विभिन्न समस्याग्रस्त मुद्दों और क्षेत्रों को संबोधित करता है। छात्रों को सॉफ्ट स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, कंप्यूटर स्किल्स, स्थानिक तकनीकी ज्ञान से लैस किया जाएगा। पाठ्यक्रम सामग्री को निर्देश के नवीन तरीकों और मूल्यांकन की पद्धति के माध्यम से पढ़ाया जाता है। इसके अलावा, क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञ समय–समय पर विशेषज्ञ व्याख्यानों के माध्यम से लगे रहते हैं, ताकि छात्र उभरते हुए रुझानों और मुद्दों से खुद को अपडेट कर सकें। पाठ्यक्रम छात्रों को इन मुद्दों को समझने और संबोधित करने के लिए आवश्यक विश्लेषणात्मक, व्याख्यात्मक और तकनीकी कौशल के साथ सक्षम बनाता है।

विशेष व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान

क्र.	दिनांक	विषय	शीर्षक	विशेषज्ञ	समन्वयक
1.	04.05.2021	अतिथि व्याख्यान	परिवहन नीति और संस्थागत ढांचा (MPTP0402)	डॉ. पवन कुमार, एसोसिएट टाउन एंड कंट्री प्लानर, टीसीपीओ	डॉ. मोहित देव
2.	03.05.2021	अतिथि व्याख्यान	शहरी और सार्वजनिक परिवहन योजना	डॉ अनंत लक्ष्मी पलादुगुला सीएसटीईपी	सुश्री गरिमा
3.	29.03.2022	विशेष व्याख्यान	परिवहन नीति और संस्थागत ढांचा	डॉ पवन कुमार एसोसिएट टाउन एंड कंट्री प्लानर, टीसीपीओ	डॉ. मोहित देव

Annual Report 2021-22

April 01, 2021 - March 31, 2022

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

School of Planning and Architecture, Bhopal
An Institute of National Importance, Ministry of Education, Government of India

Contents

S.No.	Information	Pages
01	From the Director's Desk	01
02	Introduction	02
03	Board of Governors	03
04	Finance Committee	04
05	Buildings & Works Committee	04
06	Senate	05
07	Institute Functionaries	07
08	Head of the Department and Center In charge	08
09	Administrative Functionaries	09
10	Academic Programmes	10
11	Events	19
12	Resources of the Institute	
	Library	20
	Centre for Geo-Informatics (CGI)	22
	GIS Laboratory	22
	Centre for Cultural Knowledge System (CCKS)	23
	Centre for Human Centric Research (CHCR)	24
13	Laboratory of the Institute	
	Computer Lab	24
	Survey Laboratory	25
	Graphics Laboratory	25
	Architecture Workshop	26
14	Research and Consultancy	27
15	Training and Placement Cell	31
16	Students Activities and Achievements	32
17	Faculty Academic Activities	
	Book(s)	36

	Journal Paper(s)	36
	Book Chapter(s)	36
	Conference Paper(s)	37
	Representation of faculty members in other institutes/organizations/committees/grants/awards/fellowship etc.	38
	Paper presentation/invited lectures/international/national level	38
	Conference/Seminars/Workshops/Review of Journal Papers/Books etc. By faculty	39
	Programme/Event Organized by Faculty	39
18	Departmental Activities	
	Department of Architecture	40
	Department of Conservation	43
	Department of Landscape Architecture	47
	Department of Urban Design	49
	Department of Design	51
	Department of Environmental Planning	55
	Department of Urban and Regional Planning	60
	Department of Transport Planning	64
19	Annual Accounts (Financial Year 2021-22)	65

From the Director's Desk

School of Planning and Architecture, Bhopal, an Institute of National Importance under the Ministry of Education, Government of India has been continuously working towards education and research to attain excellence in the fields of planning, architecture, and design.SPA Bhopal has always been constantly endeavoring to contribute its share in addressing the challenges related to the built environment through sustainable planning, innovative design, and technological solutions. In the capacity of the Director of SPA, Bhopal, it is indeed a great pleasure and honour to present this Annual Report for the financial year 2021-22.

During the last financial year, the institute has been successful in making excellent progress in delivering quality education by nurturing the future professionals. Despite the pandemic situation, we could successfully conduct the eighth convocation through online mode on 20th November,2021 and Institute started functioning through physical mode since January 2022. It is with great pride I place on record that today SPA Bhopal is spearheading in contributing to the various specific domains of urban and regional planning, environmental planning, transport planning, landscape architecture, conservation, urban design, design, etc.

The faculty members have been actively contributing to academics and research through their publications in the peer reviewed journals and participation in various national and international conferences. Despite the pandemic situation, all our faculty members have been successfully conducting online classes, workshops and training. Additionally, many of our faculty members are also engaged in several ongoing prestigious research and consultancy projects.

We have been organizing many special lectures, workshops, webinars, and training programmes for students, professionals, and officials. In addition, we have also conducted various programmes on urban resilience in collaboration with NIDM, professional development programme (PDP) for the officials of Town and Country Planning Organization, Madhya Pradesh, etc. We have celebrated the 'Hindi Pakwada' by organizing many online events for the staff and faculty to promote the knowledge, publicity and use of Rajbhasha in official work.

We are proud to place on record that we presently have many joint collaborations with several national and international institutes of high repute like UN-Habitat, GIZ (Germany), NITTR Bhopal, NID Bhopal, IISER Bhopal, The Madhya Pradesh State Bamboo Mission, Madhya Pradesh Police Academy etc. We are happy to inform that the Ministry of Panchayati Raj has identified SPA Bhopal as a National Centre for setting up Spatial Planning in Rural Areas at the Gram Panchayat level. We have recently applied for patents under our Design Innovation Center (DIC), an initiative of the Government of India. Also very soon, SPA Bhopal would get itself registered to become an institute for patenting.

We have been actively contributing to several projects in the state of Madhya Pradesh such as reviewing of various planning legislations, master plans, smart city programmes and metros. Also, we feel proud that we are doing our best in engaging ourselves in various socially responsible activities. Our students have always made us proud through their achievements in various national and international competitions.

It gives us great pleasure to inform that in the last one year, we could successfully augment our institute infrastructure. The construction of the long pending Academic Block was initiated and the progress is now in full swing. Besides, we have also started with a number of green initiatives in our campus through water harvesting, solar energy integration, electric bicycle usage, etc.

Many new academic programmes are in the pipeline. We are making our best efforts to effectively use and integrate the latest technologies in our curriculum. We look forward to successfully contribute by shaping the future leaders in the fields of planning and architecture.

Prof. Chandra Charu Tripathi
Director (Additional Charge)

Introduction

School of Planning and Architecture (SPA) Bhopal is an Institute of National Importance under the Ministry of Education, Government of India, offering higher education in the fields of planning and architecture. Since 2014, the institute has been functioning from its permanent campus located at Bhauri, Bhopal, Madhya Pradesh.

SPA Bhopal is mandated to promote education and research in architectural studies and planning of human settlements. The institute is committed to address the challenges related to the built environment through sustainable planning, innovative design, and technological solutions. The institute has been one of the forefront runners in delivering the highest quality of education by nurturing the future professionals in the field.

SPA Bhopal aspires to emerge as an international academy whose academic portfolio, research agenda, and educational model align with the shifting needs of human settlements and is determined to establish a unique identity of raising a trained pool of architects, planners, and designers to meet the changing needs of the human settlements in a self-sustained manner.

SPA Bhopal constantly strives towards excellence by imparting quality education, conducting research and consultancy work and by developing various support centers. Besides, the focus is also on developing the high caliber of faculty members in the discipline. Through joint collaborations with various institutes of repute, SPA Bhopal aspires to contribute globally.

Since its establishment, the institute evolved continuously and flourished under the leadership of the following Directors:

1.	Prof. Charu Chandra Tripathi, Director, NITTTR Bhopal (Additional Charge)	(24 July 2022 – current)
2.	Prof. N. Sridharan	(24 July 2017 – 23 July 2022)
3.	Prof. Chetan Vaidya, Director, SPA Delhi (Additional Charge)	(26 October 2015 – 24 July 2017)
4.	Prof. V.K. Singh, Director, IISER Bhopal (Additional Charge)	(28 July 2014 – 25 October 2015)
5.	Prof. Ajay Khare	(29 July 2009 – 28 July 2014)
6.	Prof. V.K. Singh, Director, IISER Bhopal (Additional Charge)	(October 2008 – July 2009)

Board of Governors

Chairman- Board of Governors

Prof. N. Sridharan
Director
SPA Bhopal

Ms. Saumya Gupta
Joint Secretary (NIT)
Department of Higher Education Ministry of Education, New Delhi
(MoE Nominee)

Ms. D. Thara
Joint Secretary (AMRUT)
Ministry of Housing and Urban Affairs, Govt. of India,
New Delhi
(MoU & HA Nominee)

Sh. Mukesh Chand Gupta, IAS
Principal Secretary
Department of Technical Education, Govt. of Madhya Pradesh

Smt. Darshana M. Dabral
Joint Secretary & Financial Advisor, Department of Higher Education, MHRD , Govt. of India

Sh. Pradeep Kapoor
Secretary General
Institute of Town Planners India, New Delhi
(ITPI Representative)

Sh. Ashutosh Agarwal
Architect and Urban Designer
New Delhi
(AICTE Representative)

Prof. Natraj Kranthi
Department of Urban and Regional Planning,
SPA Bhopal
(Senate representative)

Sh. Arvind Ahirwar
Additional Director
Technical Education, Govt. of Chhattisgarh, Raipur
(CoA Representative)

Sh. Shaju Varghese
Registrar & Secretary,
Board of Governors
SPA Bhopal

Dr. Piyush Hajela
Department of Architecture,
SPA Bhopal
(Senate representative)

UGC Representative
(Vacant)

Expert
(Architecture/Landscape Architecture/Urban Design)
Council of School of Planning and Architecture

Expert (Urban and Regional Planning)
Council of School of Planning and Architecture

Finance Committee

Chairman- Board of Governors

Prof. N. Sridharan
Director
School of Planning and Architecture, Bhopal

Sh. Pradeep Kapoor
Secretary General,
Institute of Town Planners of India (ITPI)
New Delhi
(BoG nominee)

Smt. Darshna M. Dabral
Joint Secretary & Financial Advisor, Department of Higher Education
Ministry of Education
Govt. of India

Ms. Saumya Gupta
Joint Secretary (NIT)
Department of Higher Education Ministry of Education, New Delhi
(MoE Nominee)

Sh. Ashutosh Agarwal
Architect and Urban Designer
New Delhi

Sh. Shaju Varghese
Secretary - FC & Registrar
SPA, Bhopal

Buildings & Works Committee

Prof. N. Sridharan
Director
Chairman- Buildings & Works Committee
Director
SPA Bhopal

Sh. Prashant Agarwal
Director (IIT)
Department of Higher Education, Ministry of Education, Govt. of India

Sh. Pradeep Kapoor
Secretary General,
Institute of Town Planners of India (ITPI)
New Delhi
(BoG nominee)

Prof. A. K. Jain
Department of Civil & Environmental Engineering Education
NITTTR, Bhopal
(Expert-Civil Engineering Wing)

Superintending Engineer (Electrical)
CPWD, Bhopal Circle

Prof. Sanjeev Singh
Dean (Planning & Development)
SPA, Bhopal

Sh. Shaju Varghese
Secretary - BWC & Registrar
SPA, Bhopal

Senate

Prof. N. Sridharan
Director
SPA Bhopal
Chairman Senate (ex officio)

Prof. Vijay S. Kapse
Department of Architecture and Planning, VNIT, Nagpur
(ITPI nominee)

Ar. Dean D'Cruz
Mozaic, 1, Design, Goa
(CoA nominee)

Ar. Sohan Lal Saharan
Department of Architecture
Chandigarh College of Architecture, Chandigarh
(AICTE nominee)

Prof. N. R. Mandal
Dean (Academic)
SPA Bhopal

Dr. Ajay Kumar Vinodia
Dean (Research & Faculty Welfare), SPA Bhopal

Prof. Sanjeev Singh
Dean (Planning and Development), SPA Bhopal

Prof. Natraj Kranthi
Head, Department of Urban and Regional Planning ;
Head, Department of Transport Planning
SPA Bhopal

Dr. Piyush Hajela
Head, Department of Architecture, SPA Bhopal

Dr. Rama U. Pandey
Head, Department of Environmental Planning
SPA Bhopal

Dr. Vishakha Kawathekar
Head, Department of Conservation, SPA Bhopal

Dr. Anand Wadwekar
Head, Department of Urban Design, SPA Bhopal

Prof. Ajay Khare
Professor, Department of Conservation, SPA Bhopal

Prof. Rachna Khare
Professor, Department of Architecture, SPA Bhopal

Prof. Binayak Choudhury
Department of Urban and Regional Planning
SPA Bhopal

Ar. Ramesh P.Bhole
Assistant Professor
Department of Conservation
SPA, Bhopal (Assistant Professor Representative)

Dr. Sukanta Majumdar
Assistant Professor
Department of Design, SPA Bhopal (Assistant Professor Representative)

Sh. Shaju Varghese
Registrar, SPA Bhopal
Secretary Senate

Institute Functionaries

Prof. N. Sridharan
Director

Sh. Shaju Varghese
Registrar

Prof. Sanjeev Singh
Dean (Planning & Development)

Prof. N. R. Mandal
Dean (Academic)

Dr. Ajay Kumar Vinodia
Dean (Research & Faculty Welfare)
Dean (Student Affairs)

Prof. Binayak Choudhury
Chief Vigilance Officer
(Interim)

Head of the Department and Center In charge

Prof. N. Sridharan
Director
And Head, Department of Landscape
Head, Department of Design

Prof. Natraj Kranthi
Head, Department of Transport Planning
Head, Department of Urban and Regional Planning

Dr. Piyush Hajela
Head, Department of Architecture

Dr. Vishakha Kawathekar
Head, Department of Conservation

Dr. Rama U. Pandey
Head, Department of Environmental Planning

Dr. Anand Wadwekar
Head, Department of Urban Design

Dr. Sandeep Sankat
Coordinator, Centre for Human Centric Research

Ar. Ramesh P.Bhole
Coordinator, Centre for Cultural Knowledge System

Dr.Kakoli Saha
Coordinator, Centre for Geoinformatics

Administrative Functionaries

Prof. N. Sridharan
Director

Sh. Shaju Varghese
Registrar

Dr. Mukesh Pathak
Deputy Librarian

Sh. Dhirendra Kumar Padhan
Assistant Librarian

Sh. Manish Vinayak Zokarkar
Assistant Registrar
(Administration)

Sh. Amit Khare
Assistant Registrar
(Admission and Exam)

Smt. Deepali Bagchi
Assistant Registrar
(Academics)

Academic Programmes

School of Planning and Architecture, Bhopal presently offers a total of nine academic degree programmes (two at the undergraduate level and seven at the postgraduate level) through eight departments. Besides, the institute also offers a doctoral programme. During the financial year 2021-22, a total of 134 students were admitted into undergraduate programmes and 160 students into postgraduate programmes. The details of the programmes offered and the enrolment of students into various programmes both at the undergraduate and postgraduate levels are provided below:

a) **Undergraduate:**
   i. Bachelor of Architecture – B. Arch
   ii. Bachelor of Planning – B. Plan

b) **Postgraduate:**
   i. Master of Planning (Urban and Regional Planning) – M. Plan (URP)
   ii. Master of Planning (Environmental Planning) – M. Plan (EP)
   iii. Master of Planning (Transport Planning and Logistics Management)–M. Plan (TPLM)
   iv. Master of Architecture (Landscape) – M. Arch (Landscape)
   v. Master of Architecture (Conservation) – M. Arch (Conservation)
   vi. Master of Architecture (Urban Design) – M. Arch (Urban Design)
   vii. Master of Design – M. Des.

Total Enrolment of Students in the Financial Year 2021-22

Name of the Programme	Enrolled Students	Female student	Male student
B. Arch	430	220	210
B. Plan	129	57	72
M. Plan (URP)	72	39	33
M. Plan (EP)	43	26	17
M. Plan (TPLM)	43	24	19
M. Arch (Landscape)	40	30	10
M. Arch (Conservation)	39	30	9
M. Arch (Urban Design)	42	25	17
M. Des	40	17	23
Total	878	468	410

Geography of Student Population

Geography	Percentage
North East	2.78
Eastern India	13.56
Western India	16.01
Central India	12.48
Northern India	29.38
Union Territories	0.89
Southern India	24.12
Foreign	0.78
Total	100

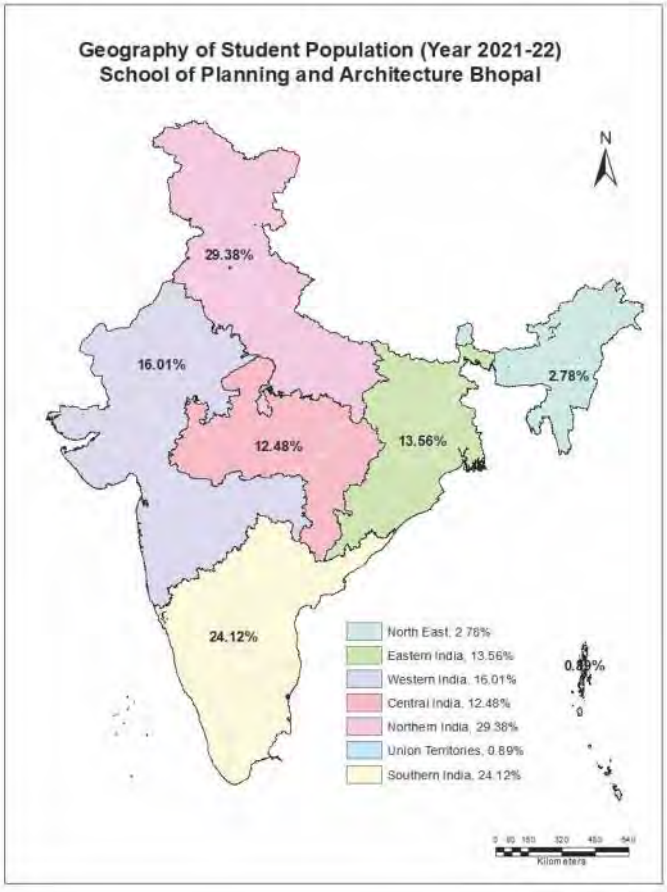

Students: Reservation Category wise (PG and UG Programmes)

Name of the Programme	Gen	EWS	OBC	SC	ST	Total
B. Arch	195	28	116	60	31	430
B. Plan	51	8	39	21	10	129
M. Plan (URP)	30	8	19	10	5	72
M. Plan (EP)	23	0	10	8	2	43
M. Plan (TPLM)	20	4	12	5	2	43
M. Arch (Landscape)	24	1	12	3	0	40
M. Arch (Conservation)	24	4	6	4	1	39
M. Arch (Urban Design)	18	3	14	5	2	42
M. Des	18	2	13	5	2	40
Total	**403**	**58**	**241**	**121**	**55**	**878**

Number of Scholarships and Grantees

Name of the Scholarship	Central Sector Scholarship for SC Students	Central Sector Scholarship for ST Students	Mukhya Mantri Medhavi Vidyarthi Yojna, MP	Other states	GATE	ICSSR Fellow-ship	Any Other
Number of Grantees	26	05	10	04	176	01	36

Teacher: Student Ratio

Broad Discipline	No. of Teachers	No. of Students	Teacher: Student Ratio
Architecture (UG & PG Programmes)	38	551	1:14.5
Planning (UG & PG Programmes)	22	287	1:13.05
Design (PG Programmes)	4	40	1:10

PhD Scholars: Reservation Category wise

Programme	Gen	EWS	OBC	PwD	SC	ST	Total
PhD	29	0	3	0	2	0	33

Graphical analysis Faculty and Staff (Gender)

S. No.	Gender	Academic Employees	Non-Academic employees	Total Employees
1	Male	37	39	76
2	Female	19	12	31
	Total	56	51	107
	% of Female	33.92	23.52	28.97

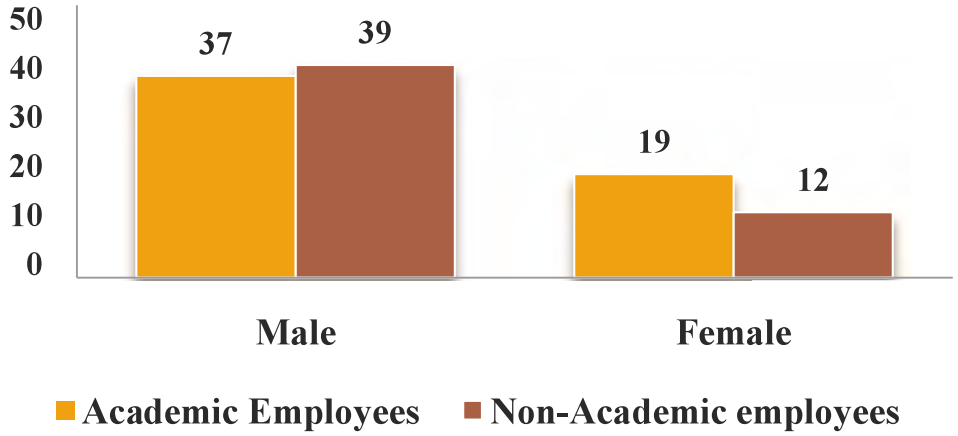

Reservation category-wise details of Academic and Non-Academic employees

Category	SC	ST	OBC	EWS	UR	Total
No. of employees	8	2	10	2	85	107

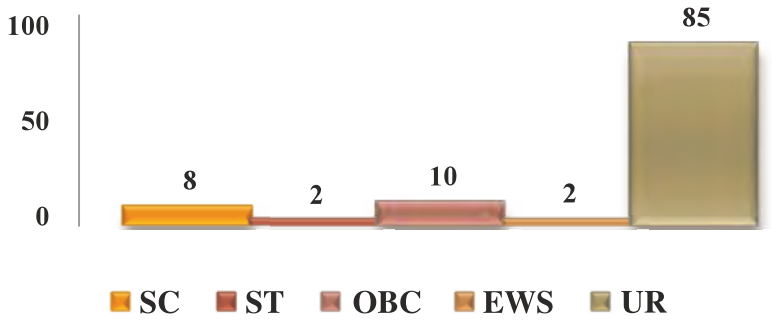

Reservation Policy

The Institute is committed to implement the reservation policy of GoI, in recruitment and admissions. No recruitment of permanent posts were undertaken in the FY 2021-2022. SPAB will complete its recruitment drive for the permanent posts under mission mode by June 2023. Presently, SPAB is headed by the Director (Additional Charge) after expiry of tenure of Regular Director on 23rd July 2022.

Convocation

The 8th convocation of SPA Bhopal was held on 20th November 2021, the convocation was organised virtually using the online platform ZOOM. Chairperson, Board of Governors inaugurated the convocation to confer Undergraduate, Postgraduate and PhD degrees. Director, Prof. N. Sridharan presented the Institute's annual report including the activities and achievements of SPA Bhopal and delivered the welcome address. Respective HoDs presented recipients of degrees in their respective areas of specialization and Director, Prof. N. Sridharan as Chairperson of Senate, SPA Bhopal awarded the degrees. The Registrar of the institute presented the "Record of the Degrees" to the Chairperson, Board of Governors, SPA Bhopal for signature. All degree recipients were administered the convocation pledge. Chief Guest of the occasion Prof. Aromar Revi, Director of the Indian Institute for Human Settlements (IIHS) delivered a convocation speech addressing all the new graduates of different programmes. On the occasion, 213 degrees were awarded to the graduating students which comprised 71 Bachelor of Architecture, 18 Bachelor of Planning, 12 Master of Architecture (Conservation), 15 Master of Architecture (Landscape), 17 Master of Architecture (Urban Design), 17 Master Planning (Environmental Planning), 18 Master of Planning (Transport Planning and Logistics Management), 26 Master of Planning (Urban and Regional Planning), 17 Master of Design, and 2 PhD degrees. In the ceremony, 2 Medals of Excellence, 9 Proficiency Gold Medals and 9 Best Thesis Awards were awarded. All guests, faculty, staff and students joined the programme through YouTube live streaming.

Foundation Day

The Foundation Day lecture series was organized on the 18th and 19th of November 2021. On this occasion, eminent experts - Prof. Amareswar Galla, Ar. Partha Ranjan Das, Prof. B.K. Chakravarthy and Prof. Shivanand Swamy delivered lectures online.

Studios

S. No.	Department	Studio title
1	B. Arch –sem 4	Pre-Primary and Primary School with Partial Residential Facility
2	B. Arch –sem 6	Section A: Mass Housing, Section B - Design of Multi-Storied Housing Campus
3	B. Arch –sem 8	Intership in architectural organisations.
4	B. Arch –sem 10	Thesis
5	B. Plan –sem 6	Planning Studio VI - Urban Planning BPLN 0611 Master Plan Ujjain, Madhya Pradesh: Nirmal Unnat Ujjain
6	B. Plan –sem 7	Section A - Design of a 100 bedded Multi Speciality Hospital/ 5 Star Luxury Hotel
7	M. Arch (Conservation) -sem 1	Documentation and Conservation measures for the management of Moti Masjid Bhopal MP
8	M. Arch (Conservation) -sem 2	Rediscovering heritage of Sehore city, MP. Mapping the cultural heritage of the city in the historic areas of Ganj, Kasba and cantonment and its challenges.
9	M. Arch (Conservation) -sem 3	The cultural region of Krishnamai river.Study of Krishna river basin for Human habitation, Architectural heritage, knowledge systems with challenges and conservation policy for the protection of heritage.
10	M. Arch (Conservation) -sem 4	Thesis
11	M. Arch (Landscape) - sem 1	1. Patterns in Landscape 2. Understanding the Existing Landscape and its Built Environment of the Heritage Sites
12	M. Arch (Landscape) - sem 2	1. Industrial Landscape: Re-Thinking Industrial Landscape Management: towards sustainable, qualitative and inclusive future of our industrial areas 2. Placemaking: Landscape design of public open space: Interaction through design.
13	M. Arch (Landscape) - sem 3	1. Wild life corridor design 2. Landscape Masterplan 2050 of Indian cities
14	M. Arch (Landscape) – sem 4	Thesis

15	M. Arch (Urban Design) -sem 4	Thesis
16	M. Plan (EP) -sem 1	M.Plan Integrated semester studio : 1. Urban Neighbourhood Appreciation 2. Rural Area Appreciation (III) Reading the City Region and its various paradigms for future proofing of cities
17	M. Plan (EP) -sem 2	Sustainable environmental planning for eco-sensitive hilly region- The Nilgiri District
18	M. Plan (EP) -sem 3	Living in harmony with nature - Ecosystem Restoration and Livelihood generation - 2051: Amarkantak, Madhya Pradesh
19	M. Plan (EP) -sem 4	Thesis
20	M. Plan (TPLM) -sem 1	M.Plan Integrated semester studio : 1. Urban Neighbourhood Appreciation 2. Rural Area Appreciation 3. Reading the City Region and its various paradigms for future proofing of cities
21	M. Plan (TPLM) -sem 2	1. Local Area Circulation Plan 2. Comprehensive Mobility Plan for Raipur
22	M. Plan (TPLM) -sem 3	Urban Freight Management Plan for Bhopal
23	M. Plan (TPLM) -sem 4	Thesis
24	M. Plan (URP) -sem 1	M.Plan Integrated semester studio : (I) Urban Neighbourhood Appreciation (II) Rural Area Appreciation (III) Reading the City Region and its various paradigms for future proofing of cities
25	M. Plan (URP) -sem 2	Varanasi Regional Plan 2022-2042
26	M. Plan (URP) -sem 3	Appraisal of Delhi Master Plan 2041
27	M. Plan (URP) -sem 4	Thesis
28	M. Des -sem 1	Project1 and workshops: A self-initiated research in the domain of product design, interaction design, visual communication and system design
29	M. Des -sem 2	Project 2: Self-initiated research in the domain of product design, interaction design, visual communication, service design and system design
30	M. Des -sem 3	Project 3: Self-initiated research in the domain of product design, interaction design, visual communication, Service Design and system design
31	M. Des -sem 4	Project 4 Final Thesis: A self-initiated research in the domain of product design, interaction design, visual communication, service design and system design

Collaborative Studios

MURP 3 Semester: Appraisal of Delhi Master Plan 2041

Faculty Coordinators: Dr. Sheuli Mitra, Ms. Aparna Soni, Mr. Vibhore Bakshi.

Duration: July – December 2021

The objective of the Third-semester studio of the MURP programme is to train the students in urban planning techniques. Due to the pandemic, as the studio was conducted in on-line mode and no site visits were possible to be conducted, it was decided to conduct the studio exercise through secondary studies only.

The Draft Master Plan of Delhi 2041 was in the stage of discussion and deliberation before being finalised. As Delhi has had a series of Master Plans which have been used across the country as exemplary templates, a study of Delhi's Master plan 2041 concerning the earlier ones, provides a structured approach to analysing the evolution of the planning process with changes in socio-political and economic thrusts. The studio exercise consisted of several modules, with different thrusts to enable the students to learn different skills and techniques. The first stage included a literature review of the theoretical approaches to planning as well as a history of Delhi, its growth and transformation. The second stage consisted of an analysis of the previous master plan of Delhi (MPD 2021) concerning the draft MPD2041. This stage involved incorporating stakeholders' and civil society's views and opinions available in the public domain. This section culminated in identifying the gaps in the draft MPD 2041. The next stages then focussed on addressing these gaps and incorporating proposals in the MPD 2041. It was analysed that a focus on the urban poor was lacking in the plan. Thus three main thrust areas were addressed in detail– (i) equitable development of urban land including TP scheme areas and green belts (ii) affordable housing including rental housing and (iii) informal economy including vendors, construction workers etc. The studio exercise culminated with detailed analyses of the three thrust areas and integrated proposals attempting to incorporate all three thrust areas in the Plan. Students learnt techniques of quantitative analysis, GIS-based spatial analysis and land and real estate calculations as a part of the studio. The studio included several discussions with experts from NIUA, DDA and others involved with development in Delhi, as part of reviews and juries.

Varanasi Regional Plan 2022-2042

Subject: MPUR0201 Planning Studio- I (Regional Plan)
Varanasi District, Uttar Pradesh
Faculty: Kshama Puntambekar (Studio Coordinator), Binayak Choudhury and Kakoli Saha

This studio exercise was intended to inculcate the knowledge and skill sets related to the preparation of a district plan in line with the principles outlined under different planning and development guidelines. The exercise would broadly include the (i) analysis of the economic growth pattern of the district, (ii) analysis of the natural resource endowment of the district, (iii) analysis of the settlement pattern of the district, (iv) identification of the key developmental issues of the district, (v) recommendations of spatio-sectoral interventions for the holistic development of the district. Varanasi district was identified for this studio exercise to prepare the regional plan. Some basic information about the district was shared in brief with the students.

The Master's students of Urban and Regional Planning batch 2021-2023 have prepared Varanasi Regional Plan for 2042. The class was divided into seven groups, having five members in each group to study the region meticulously in the domain of its: Physical Setting and Environment, Land Use - Land Cover Analysis & Settlement Pattern, Context setting, Demography & Housing, Economy, Tourism, Infrastructure, and Connectivity.

Each group studied their respective sectors and the existing regional plans to understand the parameters and indicators used to evaluate those sectors. Further establishment of Vision, Aim, and Objective per the Uttar Pradesh state Vision, followed by secondary data collection, base map preparation, and data gap identification. Students made a site visit to fulfil this data gap.

From 25th March to 3rd April 2022, they visited the Joint Commissioner of Industries offices, Vikas Khand Office, Divisional Railway Manager (DRM) Office, and several other offices. The team also visited Lathiya village near Chiraigaon and several tourist sites. There we had meetings with the stakeholders and conducted surveys and interviews. The site visit broadened their perspective to look at a region beyond numerical data. The primary data collected was documented, sorted, and analyzed, which helped in demonstrating the current scenario.

By this stage, gap identification in different sectors for proposals was made. The gaps in each sector helped in identifying the thrust areas. The class developed detailed proposals/ recommendations to achieve the goals/ objectives set up for the studio.

Events

Observance of Various Events

Republic Day and Independence Day

With great zeal, the Institute celebrated Republic Day and Independence Day. Director of SPA Bhopal unfurled the National Flag and addressed the gathering of staff and faculty. In his inspirational speech, he called upon all the members of the SPA Bhopal family to uphold the collective efforts of all the stakeholders to take this institute to further heights. On this occasion, Director apprised the status of progress of the institute. This was followed by various cultural activities.

Vigilance Awareness Week

The institute observed the Vigilance Awareness Week from October 27 – November 02, 2021, in a solemn way. The vigilance pledge was taken by the members of faculty and members of staff on October 27, 2021, through an online format. Banners highlighting the theme of Vigilance Week of 2021, " Independent India @75 Self Reliance with Integrity)" were placed at the entrance gate, academic and administrative block. Posters composed both in English as well as in Hindi on the theme of Vigilance were displayed in conspicuous places in the academic and administrative block and hostels.

Hindi Pakhwada

The institute conducted the Hindi Pakhwada (Online Mode) during September 14-28, 2021 with massive participation from members of faculty and staff to create awareness of the importance of Hindi as the official language and its practice in official work and other institute activities. During the fortnight, several competitions were organized such as essay writing, handwriting, typing, Hindi poems and songs, etc. A good number of faculty and staff participated in all the online activities with great enthusiasm.

International Day of Yoga

SPA Bhopal celebrated the 7th International Day of Yoga with great enthusiasm on 21st June 2021 in a hybrid mode. Faculty & Staff members attended the programme and performed Yoga activities and uploaded a video of Yoga activities carried out by them.

Swachhta Pakhwada

SPA Bhopal observed Swachhta Pakhwada from 1st – 15th September 2021 to undertake cleanliness activities within the Institute and to organize various related activities/programmes during this period. The entire officers also take Swachhta Pledge.

Resources of the Institute

Library

The institute library's objective is to support the teaching, learning and research activities of the institute in the dynamic environment. Library serves users as a creative and innovative partner in the fulfilling institute's mission, vision and goal. It functions as a vital organ of the institute in the mission of academic excellence.

Library houses quite a good number of print and electronic resources in the field of Architecture and Planning. The books are arranged subject-wise for easy and quick access. Open access system has been adopted to ensure more freedom to the users and reduce the gap between the user and the collection. Experienced, cooperative and professionally trained library staff are engaged in the systematic organisation of the library documents as well as maximise their usage. The library has around 890 users which include students, research scholars, faculty and staff.

Library Collection: The library has a rich collection, especially in the field of architecture and planning. The library collection includes books (textbooks, reference books, reports, conference proceedings, CD-ROMs, etc.), journals, dissertations, and online databases.

Books: The library has a total collection of around 11226 books which covers different sub-areas of Architecture and Planning like architectural structure, history of architecture, public structures, religious & residential buildings, building construction, structural engineering, landscape architecture, interior design & decoration, decorative arts, urban & regional planning, construction management, economics, sustainable development, drawings, paintings, classics, transport planning, design, etc.

Journals & Bound Volumes: The library subscribes to 122 current journals (29 national and 93 international). It includes 84 journals which can be accessed online throughout the campus. Besides, the current journals the library has around 1700 bound volumes.

Theses and Dissertations: Library has 1546 dissertations and theses, which include B. Arch (602), B. Plan (229), M. Arch (315), M. Plan (278), M. Des (34) and PhD (12).

Databases: Institute Library is subscribing to full-text and statistical databases i.e. EBSCO Art and Architecture Complete (full-text), ProQuestThesis and Dissertations Global (full-text), Bloomsbury Design Library (full-text), Bloomsbury Architecture Library (full-text), and indiastat.com (statistical database). The library is also a member of the E-ShodhSindhu Consortium and gets access to JSTORE.

Anti-Plagiarism Software: The library also subscribes to anti-plagiarism software Turnitin Feedback Studio to maintain the quality of in-house research dissertations and theses.

Library Automation and IT Applications: Library services and housekeeping operations are automated with the help of library management software (KOHA). Detail information about the library collections and services is available on its webpage (https://www.library.spab.ac.in) as well as on Online Public Access Catalogue (OPAC) (http://opac.ac.in), which is updated regularly. The library adheres to the principle of continuous improvement and proves itself as an innovative, effective and efficient unit in the institute. Simultaneously, there is a continuous effort by the library to serve its user community efficiently and innovatively.

Institutional Repository: Library has created a digital institutional repository using Dspace open-source software to collect, preserve and disseminate the scholarly output of the SPA Bhopal. It is accessible on the internet to the SPA Bhopal community on a login credential basis using the link: http://dspace.spab.ac.in

SAARANSH SPAB Library Insight: SAARANSH is a SPAB Library bi-monthly digital digest to communicate new developments in knowledge and showcase the potential of existing content for knowledge creation and validation. The first issue (Vol.1 & Issue no. 1) was released in May 2020 till February 2022 library released 13 issues on the following theme:

1. Vol.1, No. 1 – Design Thinking
2. Vol.1, No.2 – Critical Thinking
3. Vol.1, No.3 – Education 4.0
4. Vol.1, No.4 – Measuring Research Contribution
5. Vol.1, No.5 – Massive Open Online Courses (MOOCs)
6. Vol.1, No.6 – Sustainable Development Goals (SDGs)
7. Vol.2, No.1 – Fixed Mindset vs. Growth Mindset
8. Vol.2, No.2 – Cultural Studies
9. Vol.2, No.3 – Problem Solving
10. Vol.2, No.4 – Experiential Learning
11. Vol.2, No.5 – Creativity
12. Vol.2, No.6 – Academic Integrity
13. Vol.3, No.1 – How to Avoid Plagiarism

Centre for Geo-informatics (CGI)

CGI is developed at SPA Bhopal as a nodal centre to disseminate technological know-how in the planning profession and maintain a digital data bank with state-of-the-art technology. Training on various related topics such as applications of geoinformatics in planning is conducted through the centre. The centre enables and endeavours to disseminate the knowledge and required skills on the latest and emerging spatial technologies.

GIS Laboratory

Geographic Information Systems and Remote Sensing are a part of the syllabus for students of Planning and Architecture. As a part of the course contents, the students are required to learn various related aspects of the subject, such as software with hands-on practice to undertake academic projects. GIS laboratory SPA Bhopal with high-end workstations, and latest versions of ArcGIS Desktop and ERDAS Imagine software and open sources software are available student and faculty.

	Item	Quantity
Hardware	WorkStation (HPZ800, DELL PRECISION17600)	26
	Monitors	27
	Colour A3 Printer and Scanner	01
	Topo Mouse (16 Button)	01
	3D Goggles (NVIDIA)	02
	GPS (Trimble)	05
	DGPS (Trimble, Leica)	02
Software	Arc GIS -10.6.1 Arc GIS Pro -2.2	51 User Licenses 31 User Licenses
	ERDAS Imagine -2016	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA-16.5	15 User Licenses
	Leica Photogrammetric Suites (LPS)-2016	05 User Licenses
Satellite Data	LISS-III&IV MX, CARTOSAT-I, &II, STEREO CARTOSAT-I WORLD VIEW-2	Cities (Bhopal, Indore, Ujjain, Dewas, Jabalpur, Gwalior, Thimphu) Bhopal, Ashapuri, Sanchi

Centre for Cultural Knowledge systems (CCKS)

Centre for Cultural Knowledge systems (CCKS) has undertaken many challenging works with MP Tourism and MP Urban Development Company Limited. The tourism projects needed documentation and a statement of significance and were carried out for Mahendra Bhawan Panna, Singhpur Mahal and Raja Mahal Chanderi. The Centre worked with MPUDC for providing analysis and recommendations on the conservation of Physical cultural resources which are getting affected by new developments in the historical towns of Sanchi, Antri.

The centre along with the Department of Conservation at SPA Bhopal organized a heritage walk in Sanchi, Udaigiri caves, Heliodorus Pillar and Bijamandal.

The heritage walk was held on 30th April 2022.The walk was organized and guided by faculties and students of conservation. The walk is attended by more than 100 students of SPA Bhopal.

Centre for Human Centric Research (CHCR)

Center for Human Centric Research (CHCR), the multidisciplinary centre of the institute, works in consonance with the ethos of the Institute Charter regarding Social Sustenance. The objective of CHCR is to build a research-based body of knowledge derived from ethnographic, qualitative and quantitative experimental paradigms to support a diverse human population otherwise marginalized in past design practices. The centre practices 'equity by design' to include vulnerable populations like persons with disabilities, elderly, women and child besides social and ethnic minorities. To attain its objective, the centre functions in four major areas: (i) Identification of Research Priority Areas and Networking; (ii) Education and Training; (iii) Research and Design Development and (iv) Dissemination. It has worked with UNESCO, United Nations ESCAP, NID Ahmedabad, NID Bhopal, IIT Kharagpur, UC Berkeley, Ministry of Social Justice and Empowerment, Accessibility India Campaign, National Health Mission, ASI, NIOH, Arushi, DRONAH, Ability Unlimited, MMCF etc.

Publications include (i) Calendar of 'Universal Design India Principles'; (ii) four special issues on CHCR activities by 'Design for All Institute of India' and (iii) a book titled 'Uniting Differences'. Other than these publications the associated faculty members continuously publish in the reputed journals on the core themes. The centre regularly organizes special lectures, workshops, public exhibitions, student competitions and awareness campaigns on topical themes at national and international level. The centre was conferred upon NCPEDP-Universal Design Awards in 2012, 2013 and 2016 respectively by the Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India. CHCR has a prestigious running project called Design Innovation Center, (DIC) project of Ministry of Education, GoI. The project titled 'Universal Design Innovation for Heritage' is focused to the development of an innovative mobile APP to provide information on accessibility and safety at heritage sites. The activities associated with the project will continue till 2026 in CHCR.

Laboratories of the Institute

Computer Center

Network: The Computer Center of SPA Bhopal provides internet support to the Graphics Lab, GIS lab, library, studios, hostels, faculty and staff terminals. There are more than 1000 users. High-speed (1 GBPS) internet Wi-Fi/cable access is available throughout the institute campus. This facility is offered by National Knowledge Network (NKN)- National Informatics Centre (NIC) Bhopal and also through a dedicated standby arrangement of 100mbps internet speed from RAILTEL Corporation of India Ltd. NKN facilitates sharing of educational material, research, services and library facilities with other institutes in the country. It also provides high-performance computing facilities, e-libraries, virtual classrooms and a collection of a large database, all of which provide state-of-the-art access to educational material at SPA Bhopal. Computer Center also provides technical support to students, faculty and staff of the institute. Highly qualified and experienced staff manages Web-based e-mail access,

website maintenance and network-related issues.

Security: In addition to an institute-wide policy for users, the Institute network has a firewall facility to control unethical activities in the network. A well-designed wireless network provides a safe and secure browsing experience in hostels, academic buildings & offices. To enhance security, the Computer Center added SSL-based certificates to the institute's website. SBI payment gateway is also enabled for financial transactions related to admission, recruitment, and various other activities.

Server: A high-end Blade server is used for the fast processing of data & applications. Dedicated software is used by the institute library for online catalogues and seamless search on a separate server. The accounts department of the institute uses Payroll software (Saral and Tally) on a dedicated server.

WebSpace & Email services: The Institute hosts its own internal and external DNS server. Computer Center also maintains a web space to host the institute website and other related web content. The institute provides email services to Faculty and Staff with Google G Suite using its own Domain server.

Feedback & Complaint Portal: There is a feedback mechanism developed for the improvement of quality and services provided to the students. The feedback web portal is used by the students to give semester-wise faculty feedback. Web portal facilitates better student-faculty interaction and improves the quality of services. This service also provides a mode to submit a complaint related to the infrastructure, electricity and IT services provided to the students on the SPA campus.

Virtual Cloud services: The Computer Center provides the cloud spaces for different projects and services of the Institute. This includes the web server provided to the DIC projects.

Power Backup services: The power back is available for the server room to ensure uninterrupted services related to the web portals and internet access.

Survey Laboratory

The Survey Lab serves the undergraduate students of both the undergraduate programmes viz., Bachelor of Architecture and Bachelor of Planning. Besides, postgraduate students also use the lab occasionally for various purposes. The Lab is equipped with Digital and Non-digital surveying equipment. The first phase of procurement has been completed for Non-digital instruments, namely ranging rods, prismatic compass, measuring tapes, plane tables with accessories, cross-staffs, civil tapes, and magnetic compass. The second phase procurement process will soon be initiated for digital equipment such as Total station, Digital level and Laser Distometers.

Graphics Laboratory

The institute has two fully equipped laboratories, each with 37 state-of-the-art workstations. The lab aims to equip students with the knowledge & practice of relevant & latest Software so that they can use these tools towards design synthesis and development of details. The workstations are equipped with a wide range of software essential for the profession of Architecture and Planning. To match the ongoing global

trends in digital technologies, in addition to providing the tools for basic virtual design, the Graphics Lab also subscribes to the latest software required for Building Information Modeling and Simulations. The list of extensively used software includes Autodesk (3ds Max, AutoCAD, Revit, Inventor), Corel draw, Photoshop Creative Suite and various other 2-d/3-d image rendering software. All workstations in Graphics Lab are connected through networks for smoother and regular maintenance. The broadband and wireless connection facilities provide uninterrupted high-speed internet access. Supervised by highly qualified computer administrators, the Graphics lab provides uninterrupted technology support to faculty, staff and students on a one-to-one basis. Several training sessions on general computer literacy and internet browsing are also organized for those needing initial support.

Architecture Workshop

The workshop at SPAB is a place of learning by making. It is a place where intense investigation, ongoing discourse, prototypes, and models are used to explore ideas through physical form. Students build things here to better understand their work; work that they recognize as being specific to their objectives and to a particular place and time. They improve their skill in model-making and produce models of their design projects to communicate their ideas and generate dialogue.

This practice inspires the students to pursue design critically, insightfully, and imaginatively with great depth breadth and ambition. The workshop is equipped with hand tools and power tools and machinery to accomplish aforesaid operations for model making and prototyping for the scholars of architecture, planning and design department.

Institute Programmes supported by Architecture Workshop are B Arch, B Plan, M.Des, M.Arch (UD), M.Arch (LA), M.Plan (URP).

Research and Consultancy

S.No.	Name of the Project	Name of PI	Name of the Client	Project Nature
1	IMPRESS: Spatio-temporal and Socio-economic Rural Transformation in Madhya Pradesh: An Inter-District Econometric Analysis	Prof. Binayak Choudhury	Indian Council of Social Science Research	Sponsored Research Project
2	Strategic Plan for Sustainable Tribal Settlements and Livelihoods in India: Mandla District, Madhya Pradesh	Dr. Kshama Puntambekar	Ministry of Tribal Affairs	Consultancy
3	Heritage Impact Assessment of Sanchi, Antari and Baihar	Dr. Vishakha Kawathekar	MP Urban Development Company Limited Bhopal	Consultancy
4	Bhootnath Temple Complex-Ashapuri	Dr. Vishakha Kawathekar	Commissioner, Directorate of Archaeology, Archives and Museum, Madhya Pradesh	Consultancy
5	Heritage Impact Assessment - Mandav (M.P.)	Dr. Vishakha Kawathekar	MP Urban Development Company Limited Bhopal	Consultancy
6	Heritage Impact AssessmentRahatgarh	Dr. Vishakha Kawathekar	Rahatgarh - Dist. Sagar MP	Consultancy
7	Architectural Documentation of historic structures in Madhya Pradesh: Phase I and Phase II	Dr. Vishakha Kawathekar	Madhya Pradesh State Tourism Development Corporation	Consultancy
8	Architectural Documentation of historic structures in Madhya Pradesh Phase II	Dr. Vishakha Kawathekar	Madhya Pradesh State Tourism Board	Consultancy

9	IMPRESS (ICSSR) Mapping the socio-spatial divide-a tool for informed decision-making in urban transformation	Dr. Anand Wadwekar	Indian Council for Social Science Research	Research
10	Conservation of Qudasia Mahal Bhopal	Ramesh Bhole	MP Sant. Ravidas Hathkargha Evam Hasthshilpvikas Nigam Ltd. Bhopal	Consultancy
11	Preparation of Development Plan for Saugor Cantonment	Dr. Amit Chatterjee	Saugor Cantonment Board (under Ministry of Defence, Govt. of India)	Consultancy
12	Enhancement of Mobility in Rural and Semi-urban Areas Through Electric Bicycles	Premjeet Das Gupta	Department of Science and Technology, Govt. of India	Sponsored Research (IMPRINT 2C)
13	Landuse Planning and Management for Ganjam District and Hinjlicut	Prof. N. Sridharan	GIZ	Consultancy
14	Regional Planning for Coimbatore Region: Landuse Planning and Management	Prof. N. Sridharan	GIZ	Consultancy
15	Building Resilient Urban Communities (BReUCom)	Prof. N. Sridharan	Project funded under the EU Erasmus+ Program	Research and Capacity Building
16	IMPRESS: Enhancing Provision of Rental Housing through Public-Private Partnership for Indian Cities	Dr. Arti Jaiswal	ICSSR	Sponsored Research Project

17	IMPRESS: Reinvesting the Framework for Performance Assessment of Service Delivery for Urban Sanitation in India	Prof. N.R. Mandal	ICSSR	Sponsored Research Project
18	Undertaking of Strategic Plan for Sustainable Tribal Settlements and Livelihoods in India	Dr. Kshama Puntambekar	Ministry of Tribal Affairs	Sponsored Research Project
19	Unnat Bharat Abhiyan	Prof. N.Sridharan	Ministry of Education	Sponsored Project
20	Design Innovation Centre	Prof. Rachna Khare Dr. Sheuli Mitra	Ministry of Education	Sponsored Project
21	GIS-based Master Plan for Imphal	Prof. N.Sridharan	Department of Town Planning, Manipur	Consultancy
22	Peri-Urban project	Prof. N.Sridharan	GIZ India	Consultancy
23	Spatial Landuse Integration with Gram Panchayat Development Plan	Prof. N.Sridharan	Ministry of Panchayati Raj	Sponsored Project
24	Architectural Documentation of Heritage Structures (Phase II)	Dr. Vishakha Kawathekar	M P Tourism Board, Bhopal	Consultancy
25	Heritage Impact Assessment for Sanchi, Anteri and Baihar	Dr. Vishakha Kawathekar	Madhya Pradesh Urban Development Company Ltd., Bhopal	Consultancy
26	Sanchi Dairy - kiosk, branding and packaging	Prof. N. Sridharan	Madhya Pradesh State Cooperative Dairy Federation Limited	Consultancy
27	Review of ABD proposal for Bhopal Smart city	Prof. N. Sridharan	Bhopal Smart City Development Corporation Limited	Consultancy

28	Parking and landscaping plan at AIIMS Bhopal	Sonal Tiwari	All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Bhopal	Consultancy
29	Feasibility study of underpass at AIIMS Bhopal	Dr. Ajay K Vinodia	All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Bhopal	Consultancy
30	Urban Missions in India- Targets, performance& linkages to UN SDG & COVID-19 Resilient Urban development	Prof. N. Sridharan	GIZ India	Consultancy
31	Preparation of Regional Plan for Coimbatore and Nilgiris Regions	Prof. N. Sridharan	Govt. of Tamil Nadu	Consultancy
32	Climate-Resilient, Energy Secure and healthy built environmenTs (CREST)	Dr. Rama U Pandey	Going Global Partnership-Collaborative Grant by the British Council	Research
33	Indien - SDG Monitoring through Earth Observation	Prof. Natraj Kranthi	GIZ India	Research

MoUs

S.No.	Partner Institution
1	Indian Institute of Science Education and Research Bhopal (IISER Bhopal)
2	DG Research Cell Madhya Pradesh Police At Madhya Pradesh Police Academy Bhopal (Drc-Mppa)
3	National Institute of Technical Teachers' Training and Research (NITTTR, Bhopal)
4	United Nations Human Settlements Programme
5	NID Bhopal
6	MSME Technology Center, Bhopal Ministry Of Micro, Small And Medium Enterprises, Government Of India
7	Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis

	Bhopal, Madhya Pradesh
8	Rajiv Gandhi University (A Central University) Arunachal Pradesh
9	The University Of Florence
10	NTNU, Norway

Training and Placement Cell

The Training and Placement Cell at SPA Bhopal facilitates the placement of graduating students and assists the students in various postgraduate and undergraduate programmes in selecting suitable organizations for undertaking professional training. The Cell coordinates the overall process of Professional Training of students from all programmes, as required by their respective course curricula. The Training Manual has been prepared by the Cell for compliance by the students of all courses to streamline a system of evaluating deliverables in line with industrial set-up outside the curriculum. Our students have undergone training at various reputed national and international organizations in both government and private sectors. A list of such organizations includes a wide range of consultants, developers, research organizations and NGOs.

Student Placements: Details

Programme	On-Campus Placement	Off-Campus Placement	Pursuing HS*	Preparing for HS*	Self Employed	Total No. of students
B.Arch	4	4	8	50	5	71
B.Plan	3	4	5	3	3	18
Total	**7**	**8**	**13**	**53**	**8**	**89**

Programme	On-Campus Placement	Off-Campus Placement	Pursuing HS*	Preparing for HS*	Self Employed	Total No. of students
M.Arch (Con)	0	2	1	13	4	20
M.Arch (LA)	0	7	0	11	3	21
M.Arch (UD)	3	5	0	9	2	19
M.Des	6	0	0	11	1	18
M.Plan (EP)	0	4	0	16	1	21
M.Plan (TP)	0	8	0	13	0	21
M.Plan (URP)	7	0	0	26	1	34
Total	**16**	**26**	**1**	**99**	**12**	**154**

Students Activities and Achievements

Ansh Anand Mishra (2020Barc031)

Participated in the Inter-college competition, organized by "Jamila Millia Islamia, New Delhi"

Event Name: LEXICON 2022, Annual Literary Festival, Picture Story Competition

Awarded the 3rd Prize. (Dt. 14th –15th March 2022)

Dhruv Bhatia (2019BARC014)

Participated in :

i) The Container Studio, Archdais - Seeking Word Top 50 (Dt. 15th June 2021)
ii) Concrete in Architecture, Archiol – Winner (Dt. 12th August 2021)
iii) Master-Peace, Archmello - Honorable Mention (September 2021)
iv) Manhattan Wildscraper, Non-Architecture - Honorable Mention (September 2021)
v) Visualize the Space, 120 Hours Mini - Honorable Mention (October 2021)
vi) The Atlantis Printed, Uni.xyz – Winner (November 2021)
vii) OAN Grants Programme, Center for Living Cities, Urban Design Collective - Fellowship Recipient (November 2021 to present)
viii) The Berkeley Prize 2022, University of California, Berkeley, USA - Honourable Mention (October 2021 to February 2022)
ix) 120 Hours, Oslo School of Architecture, Norway - Honorable Mention (7th–11th March 2022)

Ayushi Srivastava (2019BARC064)

Participated in :

i) The Container Studio, Archdais - Seeking Word Top 50 (Dt. 15th June 2021)
ii) Master-Peace, Archmello - Honourable Mention (September 2021)
iii) Manhattan Wildscraper, Non-Architecture - Honorable Mention (Sept 2021)
iv) Visualize the Space, 120 Hours Mini - Honorable Mention (October 2021)
v) The Atlantis Printed, Uni.xyz – Winner (November 2021)
vi) OAN Grants Programme, Center for Living Cities, Urban Design Collective - Fellowship Recipient (November 2021 to present)
Vii) 120 Hours, Oslo School of Architecture, Norway - Honourable Mention (7th–11th March 2022)

Team members- Urooj Iqbal (2021MURP002), Pranay Karmakar(2021MURP001), Pradhi Pathak.

Participated in : Mahra Rohtak Play(ce)making Competition by WRI India

Winning entry of D Park site. Proposal for Redesign of Road and park to be implemented in real life. Tender Drawings for the same are being prepared by the Team.

Tanya Kansal (2020MLA001)

i) Writing Competition - 3rd prize winner of WLAM Spardha Writing Competition organised by ISOLA MP. (April 2021)
ii) Illustration Competition - Special mention in WLAM Spardha Illustration Competition organised by ISOLA MP. (April 2021)
iii) Paper presentation at International conference - Presented paper titled 'Cyclone Risk Resilience and Disaster Management at the mouth of Devi River, Orissa -A landscape design based approach' at 5th World Congress on Disaster Management(WCDM) in I.I.T. Delhi (November 2021)
iv) Paper presentation at International conference - Presented paper titled 'Investigating the Creative Opportunities of Outdoor Play Spaces for Children in Urban Residential Areas- a case of Bareilly, India' at Sustainable Architecture(s) - Humane Cities, International Conference organized by AMPS at Dayananda Sagar University, Bangalore (March 2022)

Mrityunjay Pathak (2019BARC023)

i) Street Furniture Design Competition, organised by BSI ISOLA Design Awards - 2nd Prize (Dt. 5th June 2021-10th July 2021)
ii) THE CAFÉ INTERIORS- Interior Design Competition, organised by Archdais.com - Honorable Mention (Dt. 21st October 2021-5th February 2022)
iii) ARCHITECTURE RENDER AWARD 2022, organised by Archzig- 2nd Prize (Dt. 1st December 2021-20th March 2022)

Prasidh Kumar (2019BARC001)

i) OAN Grants Program (OAN and NASA India) – OAN Fellowship 2021 (Dt. 1 st July 2021- 18th November 2021)
ii) THE CAFÉ INTERIORS- Interior Design Competition, organised by Archdais.com - 2nd Prize (Dt. 21st October 2021-5th February 2022)
iii) Street Furniture Design Competition, organised by BSI ISOLA Design Awards - 2nd Prize (Dt. 5th June 2021-10th July 2021)
iv) ARCHITECTURE RENDER AWARD 2022, organised by Archzig- 2nd Prize (Dt. 1st December 2021-20th March 2022)

Smriti Sharma (2019BARC043)

i) Bookmark 2.0 Architecture competition hosted by UNI - Editor's Choice Award (Dt. 24th June 2021 to 23rd November 2021)

Ii) OAN Grants Program (OAN and NASA India) – OAN Fellowship 2021 (Dt. 1st July 2021- 15th November 2021)
Iii) The Cafe Interiors Interior Design competition hosted by Archdais - Honorable Mention (Dt. 21st October 2021-5th February 2022)
Iv) INSDAG Architecture Award Competition, 2021 - Selected for Final round (30th September 2021 to 15th December 2021)

Ishita Kansal (2020BARC030)

OAN Grants Program by NASA India, Project Kalawani – selected for the Fellowship cycle for 2021 (1st July 2021 – 18th November 2021)

Saisha Monga (2019BARC096)

i) Research Paper Publication - Conducted by SASI Creative School of Architecture Research Paper titled 'Unfolding the Inter-religious Influence on Architectural Styles in India: A case study of Dakshineswar Temple, Jamia Masjid and St. James Church; presented in the SPARK International Conference on Architecture and Beyond (ICAB '21, ISBN 978-81- 949173-0-4) (Dt. 19th February 2021 – 12th April 2021)
ii) Pandemic Memorial Design Competition - Conducted by BRICK School of Architecture Shortlisted in top 5 entries
   - Presented in International Conference on Blurred Boundaries: In Search of an Identity: Pandemic Memorial: Of Remembrance and Reflections.
   - Digital Publication of the Compendium of selected Design Competition Entries. (Dt.25th April 2021 – 26th September 2021)
iii) Observation and Action Network (OAN) Grants Programme - Conducted by National Association of Students of Architecture (NASA) OAN Fellow 2021 – Kalawani : The Voice of Art. (Dt. 1st July 2021 – 18th November 2021)

Aamlan Saswat Mishra (2017BARC013)

i) Publishing of Research paper - Publishing of Paper named: 'Social Acceptance Prediction Model for Generative Architectural Spaces in India' in 'Journal of Advanced Research in Construction and Urban Architecture' Volume 6 Issue 3 (Nov. 2021)
ii) Publishing of Research paper - Publishing of Paper named: 'Generative Form-finding for Acceptable Formal and Informal Architectural Spaces' in 'Journal of ADvanced Research in Construction and Urban Architecture' Volume 6 Issue 4 (Nov. 2021)
iii) Buildings as Sustainable Energy Systems Professional Certification - Completed the set of 4 courses offered by TU Delft through (11th Nov. 2021)
iv) GATE 2022 - All India Rank 4.

Reva Saksena (2017BARC002)

i) The Annual International Berkeley Undergraduate Prize for Architectural Design Excellence 2021. Issued by UC Berkeley- Winner- First Place (Apr. 2021)
ii) Bleeding Pink, Book of Poems. Published on Kindle in Mar 22 - Contributed the introductory essay and the prologue to the published book of poems. It is available for purchase on kindle app. (Dec 21- Mar. 2022)

Aishwarya Kulkarni (2020MUD016)

i) Research Paper published and presented in conference proceedings - Organization : BRICK College, Pune Topic: BLURRED BOUNDARIES : HERITAGE AS AN ANCHOR- Preserving Traditional Heritage in Modern Times : A case of Bhuj, Kutch ISBN no : 978-93-5473-568-4 (Dt. 22 July 2021)
ii) 1st position in Essay writing competition at International Level - Organization: Council of ArchitectureTopic: COA ANNUAL INTERNATIONAL ESSAY WRITING COMPETITION Homes in the city : Reconstruction of Bhuj, Kutch (Dt.29th August 2021)
iii) Research Paper published and presented in conference proceedings - Organization : Manipal University, Jaipur
Topic: INTERNATIONAL CONFERENCE OF CREATIVE FUTURE 2022, Connecting the Dots : Self-sustained Craft Eco-System for Preservation of Gond Art in Patangarh, Madhya Pradesh (Dt. 4th March 2022)
iv) Research Paper published and presented in conference proceedings - Organization : Urban Village Charitable Trust, Topic: INTERNATIONAL RESEARCH SYMPOSIUM on URBAN VILLAGES, Vulnerabilities, Contestations and Resilience in Rapid Urbanisation: Women Of Chandrawal Village, New Delhi (4th March 2022)
v) Third position in International competition, cash prize of Rs.15,000- Organization : Unleash HacksUNLEASH HACKATHON – Road Safety and Equity (Dt.18th June 2021)
vi) Third position (in group competition) - Organization : National Institute of Urban Affairs, Topic: STREETS FOR PEOPLE – Bhopal (April 2021)
vii) First runner up position - Organization : WRI (World Resources Institute) (Dt. 31st October)

Faculty Academic Activities

Book(s)

1. **Saha, K.,** & Frøyen, Y. K. (2021). *Learning GIS Using Open Source Software: An Applied Guide for Geo-spatial Analysis*. Routledge India. https://doi.org/10.4324/9781003056928

Journal Paper(s)

1. Davidová, M., **Sharma, S.**, McMeel, D., & Loisides, F. (2022). Co-De|GT: The Gamification and Tokenisation of More-Than-Human Qualities and Values. *Sustainability (Switzerland)*, *14*(7). https://doi.org/10.3390/su14073787

2. Halder, S., & **Majumdar, S.** (2021). Proposing a Sustainable Socio-Economic System for the Languishing Dhokra Craft Clusters in Betul, Madhya Pradesh, India. *International Journal of Intangible Cultural Heritage (Global InCH)*, *7*.

3. **Khare, R.**, Villuri, V. G. K., & **Chaurasia, D.** (2021). Urban sustainability assessment: The evaluation of coordinated relationship between BRTS and land use in transit-oriented development mode using DEA model. *Ain Shams Engineering Journal*, *12*(1), 107–117. https://doi.org/10.1016/J.ASEJ.2020.08.012

4. **Majumdar, S.** (2021). A systemic view on sustainable consumption. *Technoetic Arts: A Journal of Speculative Research*, *19*(1&2), 153–161. https://doi.org/https://doi.org/10.1386/tear_00059_1

5. **Mitra, S.** (2021). Policy-implementation dynamics of national housing programmes in India – evidence from Madhya Pradesh. *International Journal of Housing Policy*, 1–22. https://doi.org/10.1080/19491247.2021.1934649

6. **Saha, K.**, & Van Landeghem, K. (2021). Evaluating an automated object-oriented method to delineate drumlins from both terrestrial and submarine digital elevation models. *ISPRS Annals of the Photogrammetry, Remote Sensing and Spatial Information Sciences*, *3*, 29–35. https://doi.org/https://doi.org/10.5194/isprs-annals-V-3-2021-29-2021

7. **Saha, K.,** Ghatak, D., & Muralee, N. S. S. (2022). Impact of Plantation Induced Forest Degradation on the Outbreak of Emerging Infectious Diseases—Wayanad District, Kerala, India. *International Journal of Environmental Research and Public*, *19*(12), 7036.

8. **Venkatachary, B.,** & **Kawathekar, V.** (2022). Cultural Landscape as a Framework for Sustainability : Case of Kaveri Basin. *International Research Journal of Engineering and Technology*, *09*(Special Issue), 83–87. https://mail.irjet.net/archives/V9/i2/CAT-2022/IRJET-V9I213.pdf

Book Chapter(s)

1. **Kawathekar, V.** (2021). Unprotected heritage of India: An overview into the reality through legal perspective. In *State of Built Heritage of India, Case of the Unprotected*. INTACH Architectural Heritage Division.

2. **Mitra, S.** (2022). Livelihoods, Mobility and Housing: In Search of Missing Links in Indian Towns: In Search of Missing Links in Indian Towns. In P. Banerji & A. Jana (Eds.), *Advances in Urban Design and Engineering- Perspectives from India* (pp. 45–72). Springer.

3. Rawat, A., **Govind, M. P.**, Vasudev, J. M., & Karmakar, P. (2021). Developing Strategies for Mitigating Pluvial Flooding in Gurugram. In A. Pandey, S. K. Mishra, M. L. Kansal, R. D. Singh, & V. P. Singh (Eds.), *Hydrological Extremes: River Hydraulics and Irrigation Water Management* (pp. 19–41). Springer International Publishing. https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-3-030-59148-9_2

4. Wadwekar, M., & **Pandey, R.** (2021). Assessing Groundwater Recharge Potential Through Rainwater Harvesting in Urban Environment: A Case of Bhopal City. In A. Pandey, S. K. Mishra, M. L. Kansal, R. D. Singh, & V. P. Singh (Eds.), *Water Management and Water Governance* (pp. 463–479). Springer, Cham. https://doi.org/10.1007/978-3-030-58051-3_31

Conference Paper(s)

1. **Ankit, K., Khare, R.**, & **Sankat, S.** (2021). Fire Safety provisions for elderly in high rise residential buildings: A global comparison of codes and standards. *International Conference Proceedings on Resilient & Liveable City Planning (RLCP 2020) Transforming Urban Systems*.

2. Bhattacharjee, R., & **Tewari, S.** (2021). Competitive Branding of Sustainable Domestic Products: A Product Semantics Approach. In A. Chakrabarti, R. Poovaiah, P. Bokil, & V. Kant (Eds.), *Design for Tomorrow—Volume 1* (pp. 665–674). Springer, Singapore. https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_55

3. Davidová, M., **Sharma, S.**, Mcmeel, D., & Loizides, F. (2021). CO-DE | GT BETA The 21 st Century Economy App for CrossSpecies CoLiving. *In Proceedings of Relating Systems Thinking and Design (RSD10) 2021 Symposium*, 293–302.

4. Ghosh, A., & **Tewari, S.** (2021). PowerPost: A Framework for Designing Visual Political Communication. In A. Chakrabarti, R. Poovaiah, P. Bokil, & V. Kant (Eds.), *Design for Tomorrow—Volume 1* (pp. 675–685). Springer, Singapore. https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_56

5. **Saha, K.**, & Van Landeghem, K. J. J. (2021). Evaluating an automated object-oriented method to delineate drumlins from both terrestrial and submarine digital elevation models. *ISPRS Annals of the Photogrammetry, Remote Sensing and Spatial Information Sciences*, 5(3), 29–35. https://doi.org/10.5194/isprs-annals-V-3-2021-29-2021

6. Sambhani, R., & **Tewari, S.** (2021). Dots and Lines: Indian Folk and Tribal Art Inspired Activities for Kids. In A. Chakrabarti, R. Poovaiah, P. Bokil, & V. Kant (Eds.), *Design for Tomorrow—Volume 1* (pp. 701–713). Springer, Singapore. https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_58

7. **Saxena, S., Arora, S.,** & **Khare, R.** (2021). *Participants' Perspectives on Design-Build Experience: A Qualitative Exploration BT - Advances in Human Factors in Training, Education, and Learning Sciences* (S. Nazir, T. Z. Ahram, & W. Karwowski (eds.); pp. 173–179). Springer International Publishing.

8. Singh, R., & **Tewari, S.** (2021). Visual Alankars: Toward a Decolonized Visual Design Framework. In A. Chakrabarti, R. Poovaiah, P. Bokil, & V. Kant (Eds.), *Design for Tomorrow—Volume 1* (pp. 543–553). Springer, Singapore. https://doi.org/https://doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8_45

9. **Tewari, S.** (2021). Design for development 2.0? Revisiting the Ahmedabad Declaration and discourse of design in India. *Humanizing Design: WDO Research and Education Forum 2019, (September)*.

10. **Tewari, S.** (2021). Towards an ontological expansion of design: Thematic threads to advance the next design education paradigm. *Humanizing Design: WDO Research and Education Forum 2019, (September)*.

Representation of faculty members in other institutes/ organizations/ committees/ grants/ awards/ fellowships etc.

1. **Kawathekar, V. (2021).** Panel member for "Legislation and Nature – Culture Links within the Boarder Discourse of Heritage in India" in the "Prequel Event to the ICOMOS India Scientific Symposium" National conference organized by ICOMOS India Central Zone.

2. **Mitra, S.** (2021). Wrote an invited article for International Women's Day 2021 for ITPI Newsletter (April – June 2021) issue (pp24-25).

Paper presentation/ invited lectures/ in International/ National level

1. **Kawathekar, V.** Delivered guest lecture on "Architectural Conservation: Passion to the Profession" in the School of Architecture and Design, DIT University.

2. **Kawathekar, V.** Delivered invited lecture on "Opportunities and Obstacles for Women in Cultural Sector" in the "Sustainable Development and Heritage" National conference organized by INTACH Heritage Programme.

3. **Kawathekar, V.** Delivered invited lecture on "Performance Audit on "Management of Heritage Sites, Archives and Museums in Madhya Pradesh" in the national conference organized by Office of Accountant General (Audit-II), Madhya Pradesh, Bhopal.

4. **Sharma, S.** (2021). Invited to conduct two day workshop on "Design Thinking" at IDP, NAHEP, GBPUAT, Pantnagar from 18-19 November 2021.

5. **Tewari, S.** (2021). Invited to deliver lecture/presentation on "Design, Modernity and India: An Entangled History" through online mode at Indian Institute of Technology Gandhinagar on 18th December 2021.

6. **Tewari, S.** (2021). Invited to deliver lecture/presentation on "Beyond Eameses: The unfolding of Post-colonial Design in India" through Online mode at Izmir Ekonomi Üniversitesi, Izmir, Turkey on 22nd November 2021.

7. **Tewari, S.** (2021). Invited to deliver lecture/presentation on "Design History, a Design Research Methodology?" through online mode for Doctoral Students at the IDC School of Design, Indian Institute of Technology Bombay on 7th September 2021.

8. **Tewari, S.** (2021). Invited to deliver lecture/presentation on "Paradigms in the Indian Design Education" through online mode for Doctoral Students at NID Ahmedabad on 29th June 2021.

Conferences/ Seminars/ Workshops/ Review of Journal Papers / Books etc. by Faculty

1. **Mitra, S.** (2022). Review of paper in the Journal "Journal of Social and Economic Development" Springer & ISEC (February – March 2022).

2. **Mitra, S.** (2021). Presented paper on "Implementation of Affordable Housing Programmes in India-PMAY-U" in the program "Awas Par Samwad" on Inclusive Housing of SPA, Bhopal in coordination with UADD, M. P. and MoHUA, GoI, dated 26-27th August 2021.

3. **Sharma, S.**, Davidova, M., Jayadevaiah, Y. (2021). Gaming Complexity: Rules, Networks, and Green Economy. In *Proceedings of Relating Systems Thinking and Design (RSDX) Symposium.*https://rsdsymposium.org/rsd10-proceedings/

4. **Kawathekar, V.** Presented paper on "Case Presentation-Grurprasad Rao vs State of Karnataka and others" in the "Session IV: Case Law" National conference/ workshop organized by India ICOMOS.

5. **Kawathekar, V.** Presented paper on "Evolution of Temples in Central India: Learning's from Bhootnath Temple Complex at Ashapur, Madhya Pradesh" in the "Devayatanam – An Odyssey of Indian Temple Architecture" International Conference/ workshop Organized by Archeological Survey of India.

6. Kulshreshtha K., **Tewari S.** (2021). Presented paper on "Re-learning Puberty: Minimising Period Shaming in Urban Schools. Humanizing Work and Work Environment" om the "19th International Conference" organized by Indian Society of Ergonomics, held at Indian Institute of Technology, Guwahati on 1st December 2021.

Program/ Event Organized by Faculty

1. **Tewari, S.** (2022). Organised and coordinated the event, Resilient Ziro 2041, Online, with speakers and participants from Ziro, Bhopal, Itanagar, Delhi and more on 7th January 2022 under www.breucom.eu

2. **Tewari, S.** (2022). Organised and coordinated the Lecture Series, Design Samvad 2.0, Online, with speakers from around the world. January-March 2022. More on https://www.design.spab.ac.in/activities/design-samvad

Departmental Activities

DEPARTMENT OF ARCHITECTURE

Department Faculty			
	Prof. Sanjeev Singh Professor		**Prof. Rachna Khare** Professor & Head (CHCR)
	Dr. Ajay Kumar Vinodia Associate Professor		**Dr. Sandeep Sankat** Associate Professor
	Dr. Piyush Hajela Associate Professor and Head of Department		**Dr. Devarshi Chaurasia** Assistant Professor
	Dr. Sandeep Arora Assistant Professor		**Shweta Saxena** Assistant Professor
	Arvind Kumar Meel Assistant Professor		**Gaurav Singh** Assistant Professor
	Brishbhanlali Raghuwanshi Assistant Professor		**Nayana R. Singh** Assistant Professor
	Apurv Shrivastava Assistant Professor		**Sushil Kumar Solanki** Assistant Professor
	Ashish Patil Assistant Professor		**Poonam Khan** Assistant Professor
	Sanmarga Mitra Assistant Professor and Programme Coordinator		**Parama Mitra** Assistant Professor

	Vikram Kohli Assistant Professor		**Apoorva Laxmi Ragi** Assistant Professor
	Vinod CP Assistant Professor		**Surekha KC** Assistant Professor
	Divya Dabre Assistant Professor Relieved on 04-09-2021		**Uzma Khan** Assistant Professor Relieved on 15-09-2021
	Kiranjith C.S. Assistant Professor		**Shruti Chetan Hastak** Assistant Professor
	Mangala Mahanthan Assistant Professor		

The Department of Architecture looks forward to transforming young minds into creative and innovative ones through high-class education and pedagogy. Each mind that aspires to become an Architect is well taken care of and nurtured into becoming leader in the discipline.

Vision

To be a leader in imparting Architectural education in the country, through innovation, pedagogy and research.

Strategies

Focus on innovation, pedagogy and research.

1. Emphasis on creativity and innovative ideas- Studio-based exercises, workshops, and seminars to bring in the element of creativity and innovation.
2. Strong theoretical background- Introduce new pedagogies and new schools of thought in Architecture as prevalent in other national and international level institutes.
3. Encourage research - a strong component for adding new knowledge in Architecture necessary to strengthen the discipline.

Mission

1. Become a resource to serve the society at large, and contribute to nation-building.
2. Aspire to reach new heights, endeavour and strive to be better than the best.
3. Creative and a leader to be able to make a mark, in the competitive environment.

Department Brief

Students during the year were exposed to a wide range of education, knowledge, expertise and skill. The department conducted special lectures, workshops on many occasions on different topics for the benefit of the students. Well-known academicians and professionals from Architecture and other fields relevant to Architecture were invited to share their knowledge with the students.

The students as a part of their academic curriculum went on local trips for hands-on experiences in various aspects of building construction.

The institute also took the students on educational cum study tours to different parts of the country, namely Pune, Mumbai, Jaipur and other cities to visit places and buildings of Architectural and historical importance. Here they could experience the feel and admire the architectural design of yesteryear as well as the contemporary ones.

The students also were involved in extracurricular activities like synergy NASA, SPICMACAY, sports etc. The students of Architecture also participated in World Architecture Festival international competitions and brought laurels to the institute by being among the winners of the competition. Towards the end of the year, in March 2020, the pandemic due to COVID-19 broke out and the institute had to shift from normal classroom learning to online teaching from 16.3.2020 to 31.3.2020. However, because of this sudden change, it was ensured that the online classes were held properly without putting the students at loss. All such classes were conducted smoothly.

Future plans: The department will continue to put in sincere efforts to achieve the vision of the institute and the department. The curriculum will be followed in all its spirit laid down to achieve the objectives set for each subject.

The department will organize workshops, special lectures, seminars etc for the benefit of the students as well as the faculty. Eminent persons from the profession as well as from academics will be invited for expert lectures in different fields of Architecture and other related topics. Local site visits as and when required will be conducted for the students accompanied, by the concerned faculty members.

The departmental website is under preparation where the works of the students and other national and international achievements will be displayed.

Emphasis will also be on the overall development of the students. Extracurricular activities like sports, design competitions, and synergy cultural programmes will be organized during the upcoming session.

Educational tours to sites of historical and Architectural importance will be conducted to expose the young minds to a firsthand experience of buildings designed by well know Architects of the country.

Given that teaching and learning in the upcoming semester will be completely online, teaching methods will be developed to ensure that the students will get the desired knowledge. The department will organise webinars on topics which will be directly linked to the course contents. It will include both subject-specific, as well as the ones that will benefit the students at large.

DEPARTMENT OF CONSERVATION

Department Faculty

Prof. Ajay Khare
Professor

Dr. Vishakha Kawathekar
Associate Professor and Head of Department

Ramesh P. Bhole
Assistant Professor

Shweta Vardia
Assistant Professor

Very few qualified conservation professionals are practicing in India, making it a profession in demand. The requirement for a qualified conservation professional is more as with technological advancements, and drastically changing society, it is important to understand the meaning of heritage in these changing times. The heritage is vulnerable due to threats like rapid urban growth, changing aspirations, industrial and intensive agricultural activities, growing land prices, encroachments etc. To achieve the targets of sustainability and holistic management; conservation must become an interdisciplinary and multidisciplinary profession.

Department of Conservation imparts conservation education to meet the increasing demand for Conservation professionals in India. It has expertise in training Architects in conservation, since 2013. Foreseeing the future needs of the profession, the Department of Conservation, SPA Bhopal has taken up the challenge to train allied expertise required for the benefit of heritage including Engineers, Archaeologists, Historians, Anthropologists, Sociologists, Lawyers etc. A new syllabus is formulated and implemented to the effect.

Conservation practice requires a professional with skills towards an interpretation of heritage values; maintenance and management of heritage; process and knowledge of historic buildings; and knows how to use technological advancements and expertise for its conservation. Hence the programme is devised to train the students towards theory and philosophies in conservation; processes and techniques necessary for maintenance and management of heritage; appropriate use of standards in practice; informed decision-making and application of acquired skills and techniques. With new intakes from allied fields, the students of the department shall foster interdisciplinary thinking and multidisciplinary interactions. This shall strengthen the profession a long way. The programme shall fulfil the charter of SPA Bhopal towards imparting quality education inclusive of environmental, social and cultural sustenance. It shall build a comprehensive database of India through research and documentation. The Conservation Programme aims at developing appropriate management and technical skills for conservation practice in multidisciplinary environments. Thus, the trained professionals of this programme shall provide leadership in the conservation profession.

The two-year Master's Programme in Conservation is designed to impart skills and knowledge and train students in a multidisciplinary and integrated approach of historic conservation.

Department of Conservation aspires to groom leaders in the field of Conservation by imparting quality education aimed at

Prayer Hall flanked with Minarets

environmental, social and cultural sustenance premised on sound theoretical unpinning germinated in traditional knowledge systems and modern conservation techniques. The Department has taken up the challenge to train allied expertise required for the benefit of heritage including Engineers, Archaeologists, Historians, Anthropologists, Sociologists, Lawyers etc.

The Department is dedicated to train the students towards the theories and philosophies in the conservation process and techniques necessary for the maintenance and management of heritage, and appropriate use of standards in practice. This facilitates informed decision-making and the application of acquired skills and techniques. It aims at developing appropriate management and technical skills for conservation practice.

During 2021-22, the following activities were undertaken by the Department.

The first-semester studio, from September 2021 to January 2022, aims to identify and find solutions to the issues confronting the site of Moti Masjid. For a holistic understanding of the studio problem, the building was studied through contextual studies, identification of architectural and historical values associated with the structure, understanding of the structure and composition of building materials, and study of function, use and condition of the building. The study was conducted through site studies and surveys, research and documentation of oral history. A preservation and maintenance manual was formulated for Moti Masjid.

The second-semester studio, February to June 2022, attempts to comprehend the importance of the smaller historic towns and discuss strategies for urban conservation. India's diverse architectural heritage is housed in the areas of the older historic towns, reflecting numerous characteristics. These towns have been facing developmental pressures, due to the growing pace of transformation resulting in a process of gradual erosion of a traditional pattern of the urban form of towns. The studio aims to study Sehore Town, understand its significance and identify values associated with it. Due to new developments, growing demands of globalization, the abandoned industries in Sehore and the lack of heritage

conservation initiatives are the root causes of the deterioration of the heritage of Sehore, which has succumbed to urbanization around it. There is a need for a heritage-based conservation initiative and to use heritage-led development as a catalyst in the conservation of this town. The studio intends to understand the issues and challenges pertaining to the city and propose urban conservation strategies for Sehore city, with an approach of assessing the city in terms of Historic Urban Landscape.

The regional level studio for the third semester, September to January 2021, was a virtual studio aimed at understanding the CULTURAL REGION OF KRISHNAMAI RIVER. The long-standing relationship between rivers and humans is designated as a river valley civilization. This inseparable relationship is seen here and in the Krishna River, which is also known as Krishna Mai. Mai denotes the status of the mother. It originates in Mahabaleshwar, Maharashtra, and meets the sea at Hamsaladevi, Andhra Pradesh. It is joined by Bhima and Tungabhadra along the way. The spatial setting of this unique riverine is its culture with historic layers, cultural multiplicity, and attached landscapes. The studies were based on secondary surveys which include the literature reviews and reports by ASI, WRI, CGWB, etc., archival evidence, thesis and research papers, books and literary works, journals, newspapers, movies and documentaries, OSM, SOI and BHUVAN maps, etc. Secondary data is procured from the database which helped in the preparation of a base map using GIS techniques and the preparation of various multi-layered maps. The significance of the important features of the Krishna River basin was recognized and the challenges associated with them were also identified. This elaborate study helped in preparing the Conservation Policy for the Krishna River Valley Basin.

During the Corona period of 2021 a field visit to introduce the types of historical structures was organized where the students visited Gohar Mahal and Moti Masjid. The students also participated in the world heritage week organized by MP Tourism.

List of Online lectures/webinars organized by the Department

S.No.	Date	Title	Event	Experts	Coordinator
1	01.04.21	Less is more	Guest Lecture	Ar.Poonam Verma Mascarenhas	Prof.Vishakha Kawathekar
2	08.04.21	Understanding historic gardens as cultural landscapes	Guest Lecture	Dr.Priyaleen Singh	Prof.Ramesh P Bhole

3	19.04.21	Intangible heritage and women narratives	Guest Lecture	Dr.Mrinalini Atrey	Prof.Vishakha Kawathekar
4	20.04.21	World Heritage in India: Processes and Challenges	Guest Lecture	Dr. Shikha Jain	Prof.Ramesh P Bhole
5	23.04.22	History of conservation- Past and present	Guest Lecture	Prof. Rajat Ray	Prof.Ramesh P Bhole
6	24.09.21	Strengthening & Retrofitting	Guest Lecture	Dr.Amol Shingare	Prof.Ramesh P Bhole
7	27.09.21	Vision for heritage in India	Webinar	Mrs. Sudha Murthy	Prof.Vishakha Kawathekar
8	27.09.21-29.09.21	Intangible Cultural Heritage	Guest Lecture	Dr.Ananya Bhattacharya	Prof.Ramesh P Bhole
9	12.10.21-14.10.21	Research approaches & Social Sciences	Guest Lecture	Dr.S.B.Ota	Prof.Ramesh P Bhole
10	21.10.21 25.10.21 27.10.21	Strengthening & Retrofitting	Guest Lecture	Dr.Prabir Kumar Das	Prof.Ramesh P Bhole
11	29.11.21	Megaliths in south India	Guest Lecture	Dr.Srikumar M.Menon	Prof.Ramesh P Bhole
12	06.01.22	Documentation & Communication Techniques	Guest Lecture	Ar.Pankaj Modi	Prof.Ramesh P Bhole
13	12.01.22-13.01.22	Stone Conservation	Guest Lecture	Anupam Sah	Prof.Ramesh P Bhole
14	21.05.22	Structure system in historic buildings	Guest Lecture	Mr. F. B. Balehosur	Prof.Ramesh P Bhole

DEPARTMENT OF LANDSCAPE ARCHITECTURE

Department Faculty

Prof. N. Sridharan
Director and Head of Department

Saurabh Popli
Associate Professor

Sonal Tiwari
Assistant Professor

Richa Raje
Assistant Professor

Anupma Bharti
Assistant Professor

The vision for the Department of Landscape Architecture is to prepare students to play a pivotal role in resolving issues facing contemporary society based on the landscape values that embody goodness, humanity, beauty and creative co-existence. The Landscape design studios are conducted throughout the entire program with increasing complexities, wherein the students make an application for all prescribed modules, culminating in an independent Thesis.

Sl. No.	Date	Particular	Subject Name	Expert	Coordinator
1	06/01/2021 - 11/01/2021	Winter School	Eco Cultural Restoration of Riparian zone	Leonard Ng Keok Poh, Dr. Ruma Chakrabarty , Dr. (Prof.) Rana P.B. Singh , Dr. (Prof.) Amita Sinha, Arunava Das Gupta, Dr. Prajakta Baste , Aditi Deodhar, Peeyush Seksariya , Tarun Nanda , Farhad Contractor	Ar. Sonal Tiwari
2	26.07.2021 - 31.07.2021	Summer School	Linkages in Landscapes: The Role of Corridors and Connectivity in Wildlife	Dr. Raman Sukumar , Dr. Deepa Maheshwari, Dr. HS Pabla, Dr. Latika Nath,	Ar. Anupama Bharti

			Conservation	Dr. Gopa Pandey, Dr. Vijay Kumar , Dr. P. Shivkumar, Dr. Nagarajan Baskaran , Subharanjan Sen, Dr. Sonali Ghosh, Ramesh Kumar Pandey	
3	29.06.2021	Zootopia - 2021	Students Competion	Students: Ashwini Ragit, Ojaswini Sadhu, Sanzi Bajaj, Shreya Singh	Guided by Ar. Anupama Bharti
4	08.10.2021	Guest Lecture	Landscape resource management of urban areas: Case of Ahmedabad	SANDEEP PATIL	Ar. Sonal Tiwari
5	03.02.2022	Guest Lecture	Environmental Impact Assesment	Dr. HS Pabla, IFS	Ar. Anupama Bharti
6	03.03.2022	Guest lecture	Thesis	Dr. Banu Chitra	Ar. Sonal Tiwari
7	10.03.2022	Guest Lecture	What Came First : Landscape or Building?	Prof. Neelkanth Chhaya	Ar. Anupama Bharti
8	21.03.2022	Guest Lecture	Landscape Design Studio	Dr. Aishwarya Tipnis	Ar. Anupama Bharti
9	02-03-2022	Guest Lecture	EIA in India: Factoring in Animals	Dr. HS Pabla	Ar. Anupama Bharti
10	06.04.2022	Guest lecture	Thesis	Dr. Swati Sahastrabuddhe	Ar. Sonal Tiwari
11	26.04.2022	Guest lecture	Thesis	Mr. Sandip Patil	Ar. Sonal Tiwari

DEPARTMENT OF URBAN DESIGN

Department Faculty

Dr. Tapas Mitra
Associate Professor

Dr. Anand J. Wadwekar
Associate Professor and
Head of Department

Dr. Gayatri Nanda
Assistant Professor

Karna Sen Gupta
Assistant Professor

Introduction to the Program:

The two-year postgraduate program in urban design at the School of Planning and Architecture Bhopal explores the multidisciplinary nature of the discipline in offering a flexible and inclusive academic path, encouraging students to engage in contemporary thoughts and design processes in the urban domain. The spatial engagement lies in the emerging urban morphologies in India specifically and placing them in the context of Asian and world cities. The studios, lecture-based subjects, tutorials and self-exploratory subjects are designed to generate knowledge which should mutually complement each other.

The urban design curriculum focuses on how critical regionalism feeds into the program and informs urban design thinking. In this context, the ideas of a continuous city, indigenous city, craft-based city etc. are discussed. This is the principal vision of the programme. Emphasis on the 'Indianness' of the program through the study of theory, writing on Indian cities and Indian urbanism thinking.

Bhopal Studio: Systems and Networks

This studio problem exposes the students to the experience of the actual city in an urban sense. Various factors like historicity, socio-political patterns, economic dynamism, the polarization of groups, global influences etc. are taken as determinants. The networks and systems studio shall focus on understanding the city's complexity in these contexts. It also has been important to observe the intangible temporal patterns of the city, which also form very important systemic networks in the city. These systems of temporality also need to be investigated.

Bhopal consists of a vibrant intangible socio-cultural and socio-economic network which feeds into the formal network and systems, particularly natural systems, to give the existing urban identity of the city. This studio focused on the organization of various urban actors in a city, e.g. people, groups, society, and authorities.

It stressed the evolutionary process of the creation of networks within the city of both physical and non-physical nature. At the end of the studio, students were equipped to understand kind of complexities to be addressed in city-level intervention urban design projects through understanding the complex network connections of the city.

Urban Transformation studio: Jaipur and Lucknow

The urban design studio lied its major emphasis on urban transformations in areas of cities and their impact thereof. Emphasis would be made on forming an analytical framework based on the site study and survey. Building on the concept of Urbanism as a verb and phenomenon, the studio intended to understand urban form ramifications under four thematic areas of concern namely :

1. Inner city urban complexities in the inner city core of Jaipur
2. Ecological and landscape concerns along the natural systems around Gomti, Lucknow.
3. Mass Transit inserts in the urban realm, Charbagh Station, Lucknow
4. Urban Periphery, Airport Precinct, Jaipur

The studio analysed these thematic concerns through various layers, concerns and designinterventions looked into thematically streamlining the issues and potentials in these identified precincts.

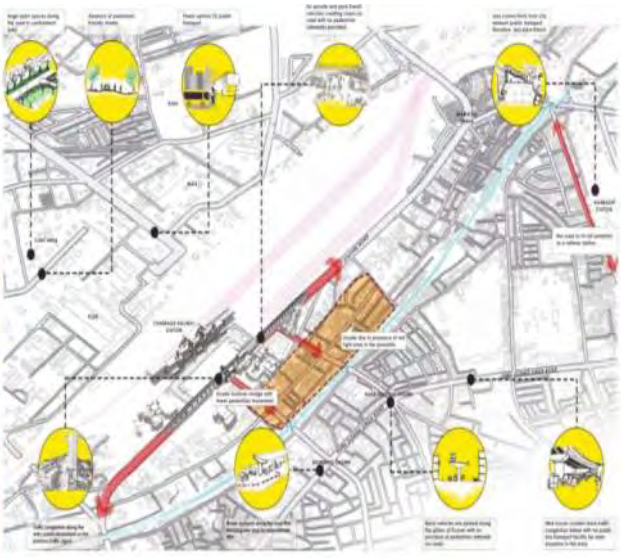

DEPARTMENT OF DESIGN

Department Faculty

Prof. Dr. N. Sridharan
Director and Head of Department

Dr. Sukanta Majumdar
Assistant Professor

Saurabh Tewari
Assistant Professor

Dr. Shanu Sharma
Assistant Professor

Aman Xaxa
Assistant Professor

Initiated in August 2018, the Master of Design Degree programme at the School of Planning and Architecture, Bhopal offers a unique opportunity for learners to collaborate with the disciplines of Art, Architecture, Planning, Social Sciences and Technology with positioning themselves in the mutating field of Design. The programme looks towards innovative and sustainable design explorations for complex scenarios of production and consumption. It offers an opportunity to relook at the postgraduate design education framework and provide a pragmatic platform for learners to pursue the discipline of Design from a user-centric systemic approach. Our training and professional skills are rigorous to prepare our students to approach real-world design and business innovation challenges creatively. Frequent exposure to joint studios and programs with International Universities across the world and leading professionals within India has equipped our students to make them the best in this profession.

Vision: 'Humanize and socialize the technical progress through nurturing creative capability in Design'.

The Master of Design Degree programme is offered for a duration of two years and consists of four academic semesters with six to eight weeks of compulsory Industry internship between two years at the School of Planning and Architecture, Bhopal. There are two minor tracks that run parallelly in the programme, Product Design & Visual Communication.

Webinars/ Seminars/ Workshops/ Conferences:

S. No.	Date	Particular	Title	Type	Name	Coordinator
1	23-09-2021 24-09-2021	MDES335	Data Visualization in the journalism industry & hands on Workshop	Workshop	Ms. Nithya Subramanian	Ar. Aman Xaxa

2	13-09-2021	MDES101	Framing Empathy, how to capture truthful moments 2	Lecture	Mr. Nipun Prabhakar	Ar. Aman Xaxa
3	27-08-2021 28-08-2021 29-08-2021	MDES331	Introduction to Design Management Value Proposition Canvas Designing Business Plans	Workshop	Ms. Shipra Bhargav	Ar. Aman Xaxa Dr. Shanu Sharma
4	30-8-2021	MDES101	BambooCraft & Design	Lecture	Mr. Shashank Gautam	Ar. Aman Xaxa
5	01-09-2021	MDES335	Data Visualization in the Industry	Lecture	Mr. Mustafa Saifee	Ar. Aman Xaxa
6	17/08/2021	MDES341	Design and Gender	Lecture	Mr. Shemal Pandya	Dr. Saurabh Tewari
7	26-08-2021 27-08-2021 23-09-2021	MDES332	Computer aided Product Design	Workshop	MR. NS Sunil Kumar	Dr. Sukantan Majumdar
8	29-09-2021 30-09-2021 14-10-2021	MDES332	Product-Service Systems Design Method	Workshop	Mr. NS Sunil Kumar	Dr. Sukantan Majumdar
9	06-10-2021 13-10-2021	MDES123	Smart Workstation Design	Workshop	Dr. Shilpi Bora	Dr. Sukantan Majumdar
10	16-09-2021 17-09-2021 18-09-2021	MDES102	Creative Confidence in Design User in Design Thinking Empathy In Design	Workshop	Nivedita Saikia	Ar. Aman Xaxa Dr. Shanu Sharma
11	30-08-2021	MDES302	External Jury for MDES 302 Industry Internship	External Jury	Chandrakesh Bihari Lal	Ar. Aman Xaxa

12	06-09-2021	MDES101	Framing Empathy, how to capture truthful moments	Lecture	Mr. Nipun Prabhakar	Ar. Aman Xaxa
13	16-11-2021	MDES112	Visual features, points of view & frames and detailing in comic art.	Lecture	Priyanka Purty	Ar. Aman Xaxa
14	21,22-10-2021	MDES111	Lettering Basics Devanagari Calligraphy	Workshop	Kalpesh Gosavi	Dr. Saurabh Tewari
15	09-11-2021	MDES112	Building a narrative and storyboarding	Lecture	Neha Alice Kerketta	Ar. Aman Xaxa
16	03-11-2021	MDES113	Evolution of Illustration techniques due to advancement of tools and technology.	Lecture	Anvesh Dunna	Ar. Aman Xaxa
17	03/02/2022	MDES234	Qualitative tools in Design Research	Lecture	Harsh Chandra	
18	03/02/2022	MDES234	Questionnaire Design, Sampling, Scales and Analysis	Lecture	Dr. Anu	Dr. Shanu Sharma
19	09/02/2022	MDES234	Gandhi and Design	Lecture	Dr. Venu-gopal Maddipati	Dr. Saurabh Tewari
20	22/02/2022	MDES201	Qualitative data Analysis, Coding Techniques, insight Generation	Lecture	Himanshu Pandey	Dr. Shanu Sharma
21	19/01/2022	MDES235	Approaches for Design	Lecture	Dr. Shivaji	Dr. Saurabh Tewari

22	19/01/2022 25/01/2022 01/02/2022 09/02/2022 16/02/2022	MDES221	Application of Electronic and Mechatronic aspects in Product Function and Architecture development	Workshop	Rupesh Dubey	Dr. Sukantan Majumdar
23	02/03/2022	MDES235	Chandigarh Chairs	Lecture	Claire Nia Murphy	Dr. Saurabh Tewari
24	14/03/2022	MDES401	Body Conscious Design	Lecture	Amita Sinha	Dr. Saurabh Tewari
25	05/04/2022	MDES201	Design detailing in Plastics	Lecture	Vishal Jagtap	Dr. Sukantan Majumdar
26	04-05-05-2022	MDES231	Voice Interaction	Workshop	Shobhan Shah	Ar. Aman Xaxa
27	27-04-2022	MDES211	Chromatic Typography	Lecture	Nanki Nath	Ar. Aman Xaxa
28	02-04-2022 03-04-2022 04--04-2022	MDES201/222	Design Thinking Introduction to Product Semantics Product Affordances, Metaphor and User-Centric Design	Lecture	Balaram Singanapalli	Ar. Aman Xaxa
29	28-04-2022 29-04-2022 04-05-2022	MDES221	Methodology for component level detailing in product	Workshop	Dipti Panesar Asinkar	Dr. Sukantan Majumdar

DEPARTMENT OF ENVIRONMENTAL PLANNING

Department Faculty

Dr. Rama Umesh Pandey
Associate Professor and Head of Department

Govind M.P.
Assistant Professor

Bade Shomit Dilip
Assistant Professor

Dr. Anurag Bagade
Assistant Professor

Special/ Guest lecture/Webinars/ Seminar/ Workshop/ Conference

S. No.	Date	Subject	Title	Expert	Coordinator
1.	06.04.2021	Special Lecture	National Green Tribunal- An Introduction	Shibani Ghosh, Advocate on record, Supreme Court of India and Fellow, Centre for Policy Research	Dr. Rama Pandey
2.	05.04.2021	Special Lecture	'DRR, Climate Change and Urban Resilience	Dr. Umamaheshwaran Rajasekar, Chair Urban Resilience – Global Resilience Cities Network, NIUA, New Delhi	Dr. Rama Pandey
3.	01.04.2021	Special Lecture	Kumaon region and the challenges faced in the context of climate change	Dr. P.C. Tiwari: Department of Geography, Kumaon University, Nainital;	Dr. Rama Pandey
4.	9.04.2021	Special Lecture	Ecosystem Values and Management	Mr. T. R. Manoharan	Mr. Govind M.P.
5.	7.04.2021	Special Lecture	EIA and Monitoring	Mr. R. K. Khanna	Mr. Govind M.P.
6.	23.05.2021	Guest lecture	Water Resource and Waste Management	Dr. Fawzia Tarannum, Teri SSA New Delhi	Mr. Shomit Bade
7.	25 Aug-27 Aug 2021	Training program me in with NIDM	Benefits of Nature based Solution with respect to Ecological Restoration	Dr. Atul Bagai, Head-India Office, United Nations Environment Programme (UNEP)	Dr. Rama Pandey

8.	25 Aug-27 Aug 2021	Training program me in with NIDM	Ecological Restoration and Ecological Integrity of Urban ecosystems	Dr. C.R. Babu, Professor Emeritus, Centre for Environmental Management of Degraded Ecosystems (CEMDE), School of Environmental Studies, University of Delhi	Dr. Rama Pandey
9.	25 Aug-27 Aug 2021	Training program me in with NIDM	Ecosystem restoration through spatial planning for resilient settlements	Marie Duraisami, Manager, Sustainable Landscapes and Restoration, WRI India	Dr. Rama Pandey
10.	25 Aug-27 Aug 2021	Training program me in with NIDM	Approaches to Value Environmental Externalities	Dr. Hemant Bherwani, Scientist, NEERI, Nagpur	Dr. Rama Pandey
11.	25 Aug-27 Aug 2021	Training program me in with NIDM	Demarcating and conserving Eco sensitive zones	Dr. Meenakshi Dhote, Professor, School of Planning and Architecture Delhi	Dr. Rama Pandey
12.	25 Aug-27 Aug 2021	Training program me in with NIDM	Monitoring of threats to Key Biodiversity Area in South Asia using Google Earth Engine	Dr. Manish Goyal, Associate Professor, IIT Indore	Dr. Rama Pandey
13.	14.09.2021	Expert lecture	Importance of Biodiversity in Natural Resource Management	Dr. Vinita Gowda	Mr. Govind M.P.
14.	09.09.2021	Expert lecture	Disaster Management	Dr. Surya Prakash Professor ,NIDM New Delhi	Mr. Govind M.P.
15.	06.10.2021	Expert lecture	Energy Auditing and Planning in Urban Areas	Dr. E. Rajashekar, Associate Professor, Department of Architecture and Planning, IIT Roorkee	Mr. Shomit Bade

16.	04.10.2021	Webinar	SPA Bhopal in association with National Institute of Disaster Management (NIDM), Ministry of Home Affairs, Govt of India are jointly organizing a webinar on "Building Urban Resilience: Experiences and Initiatives" on the occasion ofWorld Habitat Day.	Key speakers in the webinar are Dr. Anshu Sharma, founder director, SEEDs and Ms. Smruti Jujur, an Urban planner working for SPARC (Society for the Promotion of Area Resource Centers) and affiliated to the transnational Slum Dwellers International (SDI) network	Dr. Rama Pandey
17.	04.10.2021	Special Lecture	Achieving SDG 6.2 for Safe Sanitation- Emerging Lessons from Maharashtra, India	Dr. Meera Mehta, Professor Emeritus at CEPT University and the Executive Director of the Center for Water and Sanitation	Dr. Rama Pandey
18.	26.10.2021	Expert guest lecture	'Designing water ecology'.	Ar. Lokendra Balasaria, an Alumni of CEPT Ahmedabad,	Dr. Anurag Bagade
19.	26-11-2021	Expert Lecture	Rural Socio-Economic-Political Dynamics and Its Relevance for Spatial Planning	Dr. Mahi Pal, Indian Economic Service, Retd. from Ministry of Rural Development, Government of India	Mr.Govind M.P
20.	29-11-2021	Expert Lecture	Urban Planning, Informality and the migrant question	Dr. Renu Desai, PhD from University of Berkley, Former research fellow, CEPT University	Mr.Govind M.P
21.	30-11-2021	Expert Lecture	Regional Planning for India: A Model from Kollam District, Kerala	Mr.JacobEasow, Retd, Chief Town Planner, Government of Kerala	Mr. Govind M.P
22.	06-01-2022	Expert Lecture	Localisation of Sustainable Development Goals: Experiences	Dr. Joy Elamon, Director General, Kerala Institute of Local Administration	Mr. Govind M.P

			from Kerala and Its Wider Applicability		
23.	01 to 03 Feb, 2022	Training program me in with NIDM	Introduction of Hands-on Exercise on 'Developing Energy Efficiency Strategies for Geographic Climatic Zones through the Rooftop Solar'	Ms. Kanchan Sarbhukan Sidhaye, Sr. Associate at VK:e environmental IGBC, BEE, GRIHA Trainer Evaluator	Dr. Rama Pandey
24.	01 to 03 Feb, 2022	Training program me in with NIDM	Computational Techniques for Urban Climate Studies	Dr. Faiz Ahmed Chundeli, Faculty, Department of Architecture, SPA Vijayawada	Dr. Rama Pandey
25.	01 to 03 Feb, 2022	Training program me in with NIDM	Energy resilience of residential buildings	Dr. Rajaseker Elangovan, Asso. Professor, Department of Architecture and Planning, IIT Roorkee	Dr. Rama Pandey
26.	01 to 03 Feb, 2022	Training program me in with NIDM	Systems thinking approach for net-zero in India	Ms. Ulka Kelkar, Director, Climate program, WRI India	Dr. Rama Pandey
27.	01 to 03 Feb, 2022	Training program me in with NIDM	Energy Efficiency and Sustainability	Dr. Sweta Baidya, Consultant, NIDM	Dr. Rama Pandey
28.	01 to 03 Feb, 2022	Training program me in with NIDM	COP 26: In a Nutshell	Dr. Kopal Verma, Jr. Consultant, NIDM	Dr. Rama Pandey
29.	01 to 03 Feb, 2022	Training program me in with NIDM	Global Climate Change	Ms. Fatima Amin, YP, NIDM	Dr. Rama Pandey
30.	24.03.2022	special lecture	Environmental Law and Governance'	Dr. Sairam Bhat Professor of Law Coordinator-Centre for Environmental Law, Education, Research and Advocacy [CEERA] National Law School of India University Nagarbhavi Bengaluru 560242	Dr. Rama Pandey

				Karnataka, India	
31.	23.03.2022	special lecture	sustainable development plan for the Nilgiri district	Dr. Siddhartha Krishnan Fellow, Suri Sehgal Centre for Biodiversity and Conservation Convenor, Academy siddhartha.krishnan@atree.org	Dr. Rama Pandey

Studio Brief for the Academic Year 2021-22

Environmental Planning Studio – I: Sustainable environmental planning for eco-sensitive hilly region

The second semester studio exercise focused on regional planning issues of a hilly region. For this purpose, Nilgiris district, an eco-sensitive region located in the western region of Tamil Nadu, India was selected. The studio focused on addressing various regional to local issues considering the following: Sustainable environmental planning, climate change challenges, eco-sensitive region protection & natural and cultural heritage conservation. The objective of studio was to propose sustainable environmental plan for eco-sensitive region of Nilgiris considering protection of natural and cultural heritage. Students of second semester initiated the study with appreciating the uniqueness of the region, consideration of hill area development planning (HADP); analysed the exiting resource challenged and provided potential scenario for development of the region with innovative techniques. The studio outcome included spatial proposals examining the land suitability and zoning for ecological and economic well-being of the region and guided the development strategies towards net-zero targets.

Environmental Planning Studio – II: Living in harmony with nature - Ecosystem Restoration and Livelihood generation - 2051.

The third semester studio exercise focused on city level issues and investigate the approach for sustainable development of backward towns in environmentally sensitive areas. The case of Amarkantak, Madhya Pradesh was selected for the study. The vision for a sustainable future for Amarkantak was laid with an aim to develop the city as a Resilient and sustainable town for the horizon period of 2051. The study investigated the current development trends in city planning in India and examined the pathways for sustainable development of ecologically sensitive backward towns with a focus on cultural preservation. Group of students visited the site and assessed its present conditions. Carrying capacity of land and water resources in the city were investigated and suitability analysis was conducted. The studio concluded with development zoning proposals and prepared a report of Master Plan for Amarkantak 2051. Overall, the studio exercise provided learning outcome in terms of appreciating the complexity of eco-sensitive areas and sustainably development of a backward urban settlement through spatial intervention.

DEPARTMENT OF URBAN AND REGIONAL PLANNING

Department Faculty

Prof. Binayak Choudhury Professor	**Prof. Nikhil Ranjan Mandal** Professor
Prof. Natraj Kranthi Professor and Head of Department	**Dr. Sheuli Mitra** Associate Professor
Dr. Kshama Puntambekar Assistant Professor	**Dr. Arti Jaiswal** Assistant Professor
Dr. Ashfaque Alam Assistant Professor	**Dr. Amit Chatterjee** Assistant Professor
Paulose N.K. Assistant Professor	**Premjeet Das Gupta** Assistant Professor
Gaurav Vaidya Assistant Professor	**Dr. Kakoli Saha** Assistant Professor
Vibhore Bakshi Assistant Professor	**Aparna Soni** Assistant Professor
Gopinath Sai Krishna Assistant Professor	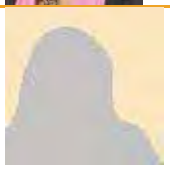 **Anuradha Chakrabatri** Assistant Professor

Vision - The department is determined to nurture academic excellence in all spheres of urban and regional planning by improving global ties, integrating technology, building dialogue with the profession, offering new specializations in emerging areas and constantly updating the curriculum.

The Department of Urban and Regional Planning aims to train future planning professionals, and hence to cater to the human resource needs to address the issues of the built environment, human settlements and contribute to or plan for a sustainable future. The discipline of Urban and Regional Planning is one of the important and highly opted professional programmes. The discipline deals with efficient planning of land-use activities, land- use practices, infrastructure, built environment and guided settlement pattern and settlement growth at a broader scale across regions and urban areas. It includes the identification of problematic

issues and areas for spatial intervention for a sustainable future of the settlements. This encompasses inter-cross disciplines and interdisciplinary fields such as architecture, engineering, geography, economics, sociology, management, law, etc. This multidisciplinary character makes the discipline of urban and regional planning very interesting.

Webinars/ Seminars/ Workshops/ Conferences:

S. No.	Date	Subject	Title	Expert	Coordinator
1.	19.04.2021	Special Lecture	Privatization of Planning and the transforming role of the state	Mr. Tathagata Chatterji, Professor - Urban Planning and Governance at Xavier University Bhubaneswar	Ms. Aparna Soni
2.	09.11.2021	Special Lecture	'Landuse planning for Aerotropolis - Lessons for India	Prof. Dr. Saswat Bandyopadhyay Professor, CEPT University	Ms. Aparna Soni
3.	13.11.2021	Special Lecture	Real estate practises in indian Cities	Ms. Charu Gupta Singhania Group Assistant Manager Urban Infrastructure Ventures capital.	Dr. Arti Jaiswal
4.	25.11.2021	Special Lecture	Rural Socio-Economic-Political dynamics and its relevance for spatial planning	Dr. Mahi Pal, Former officer of Indian Economic Service	Mr. Govind M.P.
5.	29.11.2021	Special Lecture	Urban Planning, Informality and the Migrant Question	Dr. Renu Desai, An Independent Researcher based in Ahmedabad	Mr. Govind M.P.
6.	30.11.2021	Special Lecture	Regional Planning for India: A Model from Kollam District, Kerala	Mr.Jacob Easow, Former Additional Chief Town Planner, Department of Town and Country Planning, Govt.of Kerala	Mr. Govind M.P.

7.	06.01.2022	special lecture	Localisation of Sustainable Development Goals: Experiences from Kerala and Its wider applicability	Dr.Joy Elamon, Director General, Kerala Institute of Local Administration (KILA)	Mr. Govind M.P.
8.	16.09.2021	Special Lecture	Big Data Concepts	Mr. Anugrah Anilkumar Nagaich Assistant Professor, Dept. of Architecture and Planning, Maulana Azad National Institute of Technology, Bhopal	Dr. Kshama Puntambekar
9.	23.09.2021	Special Lecture	Big Dat Applications in Urban and Regional Planning	Dr. Harish Karnatak HoD Dept of GIT &DL IIRS Dehradun	Dr. Kshama Puntambekar
10.	07.10.2021	Special Lecture	Big Data and Geoinformatics, Smart City Applications	Dr. Ruma Shukla Sr. Manager, ESRI	Dr. Kshama Puntambekar
11.	21.10.2021	Special Lecture	Geo Spatial and Big Data Analysis	Mr. Vaibhav Kumar Assistant Professor Research Interests, Geospatial Artificial Intelligence(Geo AI); 3D GIS; Urban Informatics, IISER, Bhopal	Dr. Kshama Puntambekar
12.	August 26-27, 2021	Workshop	Online-WORKSHOP on PMAY-U- HOUSING FOR ALL 'Awas Par Samwad'		Dr. Prof. Nikhil Ranjan Mandal Dr. Arti Jaiswal Mr. Gaurav Vaidya

					Mr. Vibhore Bakshi
13.	09.10.2021	Special Lecture	Making of MPD 2014 - Insights	Shri. Nilesh Rajadhyaksha Professor, CEPT University	Ms. Aparna Soni
14.	20.09.2021	Special Lecture	Land as a resource of Urban development ' relating it to the context of Delhi's planning initiatives."	Mr. Deepak Bhavsar Freelance Consultant in Urban Development New Delhi	Dr. Sheuli Mitra
15.	08.11.2021	Special Lecture	Qualitative research	Ms. Anuradha Chakrabarti.	Dr. Amit Chatterjee
16.	25.01.2022	Expert Lecture	Quantitative Research Methods in Planning	Dr. Arnab Jana, PhD Associate Professor | Centre for Urban Science & Engineering Associate Faculty | Centre for Policy Studies Indian Institute of Technology Bombay	Dr. Sheuli Mitra
17.	01.02.2022	Expert Lecture	Methods and Cases of Social Research in Planning	Dr. Himanshu Burte, PhD Associate Professor Centre for Urban Science and Engineering (CUSE) Indian Institute of Technology (IIT-B)	Dr. Sheuli Mitra

Training Programme/Workshop conducted by Department:-

1. Five-Day Professional Development Programme 'Applications of Geospatial Technologies in Planning', 08th–12th February 2021, for the Town Planning Officials of DTCP, Madhya Pradesh.

2. Two-Day Workshop on 'Awas par Samvaad' in collaboration with Urban Administration and Development Department, Bhopal and Ministry of Housing and Urban Affairs during 26th and 27th August 2021, for students and urban / town planning professionals.

DEPARTMENT OF TRANSPORT PLANNING

Department Faculty

Prof. Natraj Kranthi
Professor and
Head of Department

Dr. Mayank Dubey
Assistant Professor

Dr. Mohit Dev
Assistant Professor

Garima
Assistant Professor

The Department of Transport Planning was established in 2018. It is one of the eight Departments of the School of Planning and Architecture, Bhopal. The Department offers a two-year (four semesters) postgraduate degree programme (i) Master of Planning (Transport Planning and Logistics Management) abbreviated as M.Plan (TPLM). This is one of the unique programmes in the field of transport planning integrating logics management. The programme is multidisciplinary in nature and is the first of its kind in the country. The curriculum is designed to comprehend and address various issues concerning the discipline and contribute or plan for a sustainable future at different scales, neighbourhood scale, city scale, urban scale, regional scale, etc. It deals with various subjects of emerging importance such as public transport planning, intelligent transport systems, logistics and freight management, equity and mobility planning, railway, airport and port planning and management, transport policy, etc. Besides all these subjects, this programme also encompasses inter-cross disciplines and interdisciplinary fields such as transport engineering, geography, economics, sociology, management, urban planning, planning legislation, etc. The curriculum is meticulously designed and enables overall development. It addresses various problematic issues and areas for spatial intervention for a sustainable future of transport systems. The students will be equipped with soft skills, communication skills, computer skills, and spatial technological know-how. The syllabus contents are taught through innovative modes of instruction and methods of evaluation. Besides, various experts in the field through expert lectures periodically are engaged, so that the students update themselves with the emerging trends and issues. The curriculum enables the students with the necessary analytical, interpretative and technical skills required to comprehend and address these issues.

Special/Guest lecture/Webinars/ Seminar/ Workshop/ Conference:

S. No.	Date	Subject	Title	Expert	Coordinator
1.	04.05.2021	guest lecture	Transport Policy and Institutional Framework (MPTP0402)	Dr. Pawan Kumar, Associate Town & Country Planner, TCPO	Dr. Mohit Dev
2.	03.05.2021	guest lecture	Urban and Public Transport Planning	Dr. Anantha Lakshmi Paladugula (CSTEP)	Ms. Garima
3.	29.03.2022	special lecture	Transport Policy & Institutional Framework	Dr. Pawan Kumar Associate Town & Country Planner, TCPO	Dr. Mohit Dev

वार्षिक लेखा

वित्तीय वर्ष 2021–22

Annual Accounts

Financial Year 2021-22

सत्यमेव जयते

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय प्राप्ति) नई दिल्ली
शाखा- ग्वालियर, चतुर्थ तल, ऑडिट भवन, झाँसी रोड,ग्वालियर, मध्यप्रदेश - 474002
Office of the Director General of Audit (Central Receipt), New Delhi, Branch -Gwalior, 4th Floor, Audit Bhawan, Jhansi Road, Gwalior, Madhya Pradesh -474 002
(Phone: 0751-2321459, email-id- brdgacrgwalior@cag.gov.in)

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

No. AMG-II/SAR-06/SPA,B/2021-22/D-211 **Date :** 18/10/2022

प्रति,

निदेशक,
योजना एवं वास्तुकला विधालय(SPA),
नीलवढ़ रोड, भौरि,
भोपाल-462030,

विषयः- योजना एवं वास्तुकला विधालय (SPA), भोपाल के वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

Please find enclosed herewith the Separate Audit Report on the accounts of **School of Planning and Architecture (SPA), Bhopal (M.P.) for the year 2021-22.** You are requested to kindly ensure that the SAR and the audited accounts are adopted by the Board of Governors before placing the same before the Parliament.

2. The dates of placement of the above Report on the table of both houses of the Parliament may please be intimated and two copies of the printed material may be provided to this office for information.

3. **It may please be noted that the Management Letter is not to be placed before the Parliament.**

4. Kindly acknowledge receipt.

संलग्नः 1.**पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (SAR)**
2. Management Letter

भवदीय,

18/10/2022
उप-निदेशक (केन्द्रीय)

Annexure

1. **Adequacy of Internal Audit System:**

   Internal Audit of the Institute was conducted by Internal Audit Wing of SPA.

2. **Adequacy of Internal Control System:**

   The internal control system was found to be inadequate due to:

   (i) The Institute does not prepare policy for investment.

   (ii) Compliance of 13 paras of CAGs Audit was pending since 2015-16.

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets:**

   Physical Verification of Fixed Assets for the FY 2021-22 was stated to be conducted departmentally but consolidated physical verification report was not made available to Audit.

4. **System of Physical verification of Inventories:**

   Physical Verification of inventories for the FY 2021-22 was stated to be conducted departmentally but consolidated physical verification report was not made available to Audit.

5. **Regularity in payment of statutory dues:**

   No irregularity was noticed in the payment of statutory dues.

18/10/2022

Sr. Audit Officer/AMG-2

SCHEDULE 20- FINANCE COSTS

Amount in ₹

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Bank charges	7609.36	0.00	7609.36	6918.02	0.00	6918.02
b) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**7609.36**	**0.00**	**7609.36**	**6918.02**	**0.00**	**6918.02**

SCHEDULE 21- OTHER EXPENSES

Amount in ₹

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Irrecoverable Balances Written- off	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE BHOPAL

DIRECTOR

42

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

III	**Academic Receipts**		
	Student Fees	34985990.00	35964362.43
	Admission Fees	298000.00	309000.00
	Old Fee Received	1249786.72	0.00
	Hostel mtc. Charges	5505500.00	0.00
	Convocation Fees	450000.00	398000.00
	Revaluation Fees	2500.00	8100.00
	Misc Receipt	8930.00	7300.00
	PG Programme Application Fees	2435000.00	2050029.84
	Group Insurance Fee	687200.00	0.00
	ID Card Fees	149000.00	154500.00
	Institiute Development Fees	1572500.00	1470000.00
	Internet Facility Charges	3306000.00	3367000.00
	Migration Fees	81000.00	87500.00
	Sports Fees	1574000.00	1602100.00
	Student Training & Placement	894000.00	927000.00
	Student Medical fees	1574000.00	1582000.00
	Student Welfare/ Activity	3935000.00	3957000.00
	Hostel Fine	6000.00	3600.00
	Transcripts Fees	17300.00	13400.00
	Tuition Fees (Admission Cancel)	0.00	179500.00
	Library Fine	126.00	5134.00
	Late Registration Fees	46900.24	56000.00
	Registration Fees	1593000.00	1576000.00
	Lab/Studio Facilities	3935000.00	3940000.00
	Examination Fees	3935000.00	3952000.00
	Supplementary Fees	7200.00	63300.00
	Other fee receipts	576350.00	0.00
IV	**Receipts against sponsored Fellowships and Scholarships**	1349265.00	1594900.00
V	**Interest received on**		
	Bank Deposits	22932412.00	16267987.00
	Loans and Advances	80397.00	169695.00
	Savings Bank Accounts	22834.00	35954.00
VI	**Other income**		
	Electricity & Power	1483926.19	494150.00
	RTI Fees	10.00	0.00
	Tender Fees	0.00	16243.30
	Guest House receipt	8300.00	22620.00
	Income from (CASB / JOSA)	23000.00	0.00
	Income from DASA	0.00	15000.00
	Rent Recd	89200.00	200040.00
	Loan to Students	0.00	8000.00
	Alumni	0.00	3000.00
	Advance to CPWD -academic building	80000000.00	0.00
VI	**Other Payments**		
	a) Fees Refund	383700.00	816871.00
	b) Security Refund	396019.00	389794.00
	c) Scholarship payment	1151450.00	1490450.00
	d) EMD	48598.00	30000.00
	e)Payment to creditors	99639.00	0.00
	f) TDS & PT paid of last year	609801.00	525245.00
	g) prov for exp payable	9477039.00	7366792.00
	h) Application fee refund	93000.00	0.00
VII	**Interest on grant refunded to Government**	28680844.00	0.00
	Closing balances		
	Cash in hand	10303.00	16905.00
	Bank balances		
	i. In Current accounts		
	a) Canara Bank -2073201002565	102892.77	903724.58
	b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	2242778.89	1557033.57
	c) SBI-2263	253998.52	1611607.92
	d) SBI-8560	518059.01	1121340.38
	e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	50659574.82	7242699.44
	f) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	533717.00	562875.00
	g) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	5859866.85	3902415.50
	h) dic canara bank0020	2548165.88	2689199.88
	i) Tax account-4725201000023	31912.00	2575416.00
	j) Sbi Tax Account-37065387068	1985967.00	32916.00
	k) Canara Bank (Cardiff University Project) - 49	80852.00	80852.00
	l) Canara Bank - Peri Urbanisation 50	311262.00	678751.00
	m) SBI Bank - BreCOM 96	858038.41	1957375.29
	n) Canara Bank-59 (Bamboo mission)	1176445.00	1267003.00
	o) GIZ Governance Bank - 61	405201.00	297568.00
	p) Canara Bank - 58	85316.00	141793.00
	q) Smart City Bank Account - 63	0.00	2380497.00
	r) canara Bank 54/66	95200.00	233710.00
	s) Canara bank 88868 (MOPR)	600000.00	0.00
	t) ISVS 10 SPAB 2797	174915.69	0.00
	ii. In term deposit Accounts		
	a) SBI-FDR-Fees	235280537.00	330307889.00
	b) FDR -Corpus	149032284.00	142302487.00
	c) FDR -Grant CNB	402696876.00	192673335.00

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE BHOPAL

DIRECTOR